हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सात समंदर पार परचम लहरा रही भारत की प्राचीन योग विद्या, धर्म की सीमाएं भी तोड़ीं

न सरहद, न धर्म...हर कोई समझ रहा योग का मर्म

कभी यह सूफी की तस्लीम बना, कभी जैन मुनि का ध्यान,
कभी बुद्ध का मौन बना, कभी शिव की समाधि का ज्ञान।
न मंदिर मांगे, न मस्जिद पुकारे, न गिरजाघर का राग,
योग वो धड़कन है, जो सबके भीतर करता जाग।

प्राचीन भारत की प्राचीन विद्या...योग। सुगठित निरोगी काया और व्याधियों को स्वमेव समाप्त करने की क्षमता विकसित करने वाली इस देसी विद्या की कायल आज पूरी दुनिया है। इसने सीमाएं तोड़ी, देश की, धर्म की। जाति-मजहब से परे भारतीय ही नहीं, विदेशी नागरिकों ने भी भारत की इस अदभुत, अलौकिक विद्या को न केवल आत्मसात किया, बल्कि इसे जन जन तक पहुंचाने का बीड़ा भी उठाया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 'हरिभूमि' ऐसे ही कर्मयोगियों को सामने ला रहा है, जिन्होंने भारत के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा रहे योग को न केवल अपने स्वस्थ जीवन का आधार बनाया, बल्कि इसके जरिए उन्होंने देश से बाहर विदेश में भी इसका परचम लहराया। खास यह है कि भारत की इस विद्या की बारीकियां उन्होंने यहीं रहकर सीखीं और फिर सरहद पार इसका विस्तार जारी रखा।

यह खबर चीन से

चीन में 30 से ज्यादा केंद्र खोले, हजारों को सिखाया योग

चीनियों के सेलिब्रिटी बने योग गुरु सोहन फुजीयन प्रांत के जियामिन द्वीप में मुख्यालय

चीन के फिल्म स्टार्स को भी योग सिखाते हैं सोहन

सुनील शर्मा ▶▶ ललितपुर (उप्र)

योग की भाषा नहीं होती। योग को प्रकट करने के लिए शब्दों का आसरा नहीं चाहिए। योग सांसों के साथ संवाद की कला है। योग ध्यान और मौन का माध्यम है। योग समाधि की राह बताता है। योग जीवन जीने की कला सिखाता है। योग देश की सीमाओं से परे है।

इस भाव को सार्थक किया है बुंदेलखंड के सोहन ने। चीन में वे बेहद मशहूर हैं। चीन के साथ-साथ दुनिया के कई अन्य देशों में उनका 'सोहन योगा' प्रसिद्ध हो चुका है। उन्होंने पिछले 20 साल में चीन के अलग-अलग शहरों में 30 योग केंद्र स्थापित कर वहां के लाखों लोगों को सीधे तौर पर योग से जोड़ दिया है। गरीबी के बेहद कठिन अनुभवों से तपकर निकला ये शख्स अब चीनियों के लिए सेलिब्रिटी बन चुका है। दुनियाभर में वह अपनी टीम के साथ करीब 30 योग केंद्रों का संचालन कर रहे हैं।

सोहन सिंह कहते हैं कि वह बुंदेलखंड के ललितपुर के गांव बरखेड़ा से निकले हैं। 2000 में थाइलैंड गया। पोलेंड में नौकरी की। चीन में आया और 20 साल से यहीं हूं। वह कहते हैं कि उनकी मां ने बचपन से उन्हें योग कराया है, इसलिए उनकी रुचि योग में रही है और अब यही योग उनके जीवन का प्रमुख हिस्सा बन गया है।

कई भाषाएं जानते हैं पर बुंदेली से खास लगाव

सोहन सिंह बताते हैं कि कक्षा 12 के बाद उन्होंने सागर विश्वविद्यालय में बीएससी में दाखिला लिया था। बीएससी बायोलॉजी में पूरा किया। उस समय जॉब की तलाश थी। वहां से इंदौर जाकर एप्टेक से कम्प्यूटर का डिप्लोमा किया। एमसीएम में एडमिशन लिया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में वे पहले बैच के छात्र रहे हैं। सोहन कहते हैं कि गरीबी का दबाव था, और इसी बीच मैंने रिस्क ली और विदेश में जॉब खोजी। सागर में एक प्रोफेसर ने योग के प्रति और दिलचस्पी बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि अगर अपने लेफ्ट और राइट ब्रेन को एक साथ यूज करना चाहते हो तो योग करो। सोहन सिंह यादव बुंदेलखंड के छोटे से गांव से निकले हैं इसलिए उनकी मातृभाषा बुंदेली है। योग गुरु सोहन सिंह की हिंदी के साथ चाइनीज, इंग्लिश, रशियन भाषाओं पर मजबूत पकड़ है, लेकिन वह बुंदेली से गहरा लगाव रखते हैं। संवाद भी बुंदेली में ही करना पसंद करते हैं। उन्होंने बुंदेलखंडी में कई कविताएं भी लिखी हैं।

झांग ली कहती हैं कि योग ने मुझे डिप्रेशन से निकाला

सोहन से योग सीखने वाली झांग ली भी भारतीय योग मुद्राओं में अपना पूरा दिन गुजार देती हैं। वे कहती हैं कि योग ने उनके जीवन को बदल दिया है। योग नहीं होता तो मैं कभी डिप्रेशन से बाहर नहीं आती। अब मैं योग टीचर बनना चाहती हूं और इसके लिए ट्रेनिंग ले रही हूं। चीन के जियामिन, शेनझेंन, गुईयांग, नानछांग, लोंगयेन आदि शहरों में उनके योग सेंटर चल रहे हैं। सोहन योगा का मुख्यालय फुजीयन प्रांत के जियामिन द्वीप में बनाया गया है, जो दक्षिण चीन में स्थित है। भारतीय योग की बढ़ती प्रतिष्ठा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चीन की मशहूर हूनान टीवी पर शो में सोहन सिंह शिरकत कर वहां के फेमस मूवी स्टार्स को योग कराते देखे जाते रहे हैं। पिछले योग दिवस पर चीन में भारतीय दूतावास उन्हें सम्मानित कर चुके हैं।

कहानी पोलैंड के योग गुरु की, भारत के अलग-अलग राज्यों में भ्रमण कर सीखी योग की बारीकियां

56 बरस पहले योग खींच लाया था भारत, अमेरिका से आईटी स्टडी, इसे किनारे कर सूर्य नमस्कार पर दशकों शोध

पोलैंड के रहने वाले डॉ. क्रिज्सटॉफ स्टेक को योग उस वक्त भारत खींच लाया था, जब हमारे देश में भी इसका अधिक प्रचार-प्रसार नहीं हुआ था। 1968 में भारत आने से लेकर अब तक वे ना केवल पोलैंड के विवि में छात्रों को योग सिखाते हुए इस कला का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, बल्कि इसके कई आसानों पर उन्होंने वैज्ञानिक शोध भी किया। अपने रिसर्च के आधार पर वे सूर्य नमस्कार और अष्टांग आसन को सर्वाधिक लाभप्रद मानते हैं। अपनी युवास्था में भारत आने वाले डॉ. क्रिज्सटॉफ स्टेक वर्तमान में पोलैंड में जान डलुगोज विश्वविद्यालय में कॉलेजियम मेडिकम में वरिष्ठ व्याख्याता हैं।

रुचि वर्मा ▶▶ रायपुर

डॉ.स्टेक बताते हैं कि उन्होंने टीनएज में अपने एक अंकल से योग के बारे में सुना था। यहां से उनके मन में योग को जानने-समझने की इच्छा उत्पन्न हुई। उस वक्त इंटरनेट, यू-ट्यूब या सीखने के उतने साधन नहीं थे, जितने वर्तमान में मौजूद हैं। इसलिए चीजों को गहराई से सीखने के मकसद से उन्होंने भारत का रुख किया। यहां से योग की बारीकियां सीखने के बाद वे अमेरिका चले गए। वहां उन्होंने इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी में डिग्री हासिल की। इसके बाद वे पौलेंड लौट गए। यहां जब वे प्राध्यापक के रूप में अपना कॅरियर शुरू कर रहे थे, तब उनके पास दो विकल्प थे-प्रथम इंनफर्मेशन टेक्नोलॉजी जिसकी उपाधि उन्होंने अमेरिका से ली थी, में अध्यापन कार्य करना तथा द्वितीय योग के क्षेत्र में आगे बढ़ना। उस वक्त योग में मास्टर की उपाधि नहीं होने के कारण उन्होंने आईटी में अध्यापन कार्य प्रारंभ किया। मन योग में रमा रहा। इसके बाद उन्होंने योग में उच्च उपाधियां हासिल की और अब छात्रों को योग सिखा रहे हैं।

यह खबर पोलैंड से

इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी में मास्टर की उपाधि, लेकिन अध्यापन के लिए चुना योग

30 से अधिक बार भारत का दौरा, बिताए 10 वर्ष

1968 में योग सीखकर अपने देश लौट जाने के बाद भी डॉ. क्रिज्सटॉफ स्टेक का योग और भारत से प्रेम खत्म नहीं हुआ। इसके बाद भी वे भारत आते रहे। यहां उन्होंने अलग-अलग राज्यों के आश्रमों में रहकर विभिन्न आसनों में विशेषज्ञता हासिल की। अपने शोध कार्य के लिए भी वे नियमित रूप से भारत आते रहे। 1968 से लेकर अब तक वे 30 से अधिक बार भारत का दौरा कर चुके हैं। इन सभी दौरों को मिलाकर उन्होंने भारत में 10 वर्ष बिताए हैं।

बनारस, राजस्थान की योग संस्कृति ने खींचा

डॉ.स्टेक ने महाराष्ट्र के कैवल्यधाम योग संस्थान से योग की शुरुआती शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से एमपीएड किया। राजस्थान विश्वविद्यालय से योग में एमफिल की उपाधि हासिल की। इसके अलावा उन्होंने जोसेफ पिल्सडस्की यूनिवर्सिटी ऑफ फिजिकल एजूकेशन से पीएचडी भी की है। संयुक्त राज्य अमेरिका के ओहियो स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी में भी उन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान कुछ समय व्यतीत किया। वे वर्तमान में पोलैंड में जान डलुगोज विश्वविद्यालय में अपने हैबिलिटेशन (डी लिट) पर काम कर रहे हैं।

योग पर लिखी तीन पुस्तकें

डॉ.स्टेक कई वर्षों से, वे भारत के प्रसिद्ध योग शोधकर्ताओं, योगियों, गुरुओं और संतों के साथ योग का अभ्यास कर रहे हैं। पोलैंड और भारत के अलावा जर्मनी, यूएसए सहित अन्य देशों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में योग तकनीकों पर कई सुप्रसिद्ध लेख प्रस्तुत कर चुके हैं। वह अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 70 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं। ये भी शोधपत्र योग आधारित ही हैं। उन्होंने योग पर तीन किताबें लिखी हैं। इनमें सूर्य नमस्कार के प्रभाव, सूर्य नमस्कार और योग की स्वच्छता-सह-चिकित्सीय तकनीक शामिल है।

जॉर्डन के निवासी केमरान

यूके, न्यूजीलैंड, कनाडा व आस्ट्रेलिया में सिखा रहे योग, नाम भी बदला केवलानंद

दुनिया के कई देशों में योगी डॉ. उपेंद्र बाबू खत्री के कई शिष्य

संदीप दुबे ▶▶ रायसेन

एक योगी हैं डॉ. उपेंद्र बाबू खत्री, जिन्होंने बौद्ध विश्व विद्यालय सांची से योग की शिक्षा ग्रहण की तथा यहीं पर पदस्थ होकर सैकड़ों लोगों को योग की शिक्षा दे रहे हैं, जिसमें कई विदेशी जो कि दूसरे धर्मों से ताल्लुक रखते हैं, शामिल हैं। उनके कई शिष्य आज देश विदेश में योग की शिक्षा दे रहे हैं। डॉ. खत्री ने बताया कि वह देश में सांची यूनिवर्सिटी के अलावा कई सेमिनारों में प्रशिक्षण देने का भी कार्य करते हैं तथा देश विदेश में योग शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। उन्होंने कई विदेशी युवाओं को योग शिक्षा से पारंगत किया है जो कि आज पूरे विश्व में योग की शिक्षा दे रहे हैं। डॉ. उपेन्द्र बाबू खत्री के एक शिष्य केमरान जो जॉर्डन के निवासी हैं। इन्होंने सांची यूनिवर्सिटी से योग की शिक्षा ग्रहण की और अपना नाम भी बदलकर केवलानंद रख लिया। अब केवलानंद जॉर्डन सहित यूके, न्यूजीलैंड, कनाडा, आस्ट्रेलिया सहित कई देशों में योग की शिक्षा दे रहे हैं। स्वामी केवलानंद ने हमारे प्रतिनिधि को संदेश देकर बताया कि मैं अन्य शैलियों के साथ केवल्य क्रिया योग भी सिखाता हूं। मेरा उद्देश्य प्रमाणिक रूप से योग सिखाना है, ताकि मेरे छात्र समझ सकें कि वास्तव में योग का क्या अर्थ है। मैंने कई साल पहले भारत में उपेंद्र के साथ बिताए समय से अनगिनत सबक सीखे, जिसमें धैर्य, जीवन की छोटी छोटी बातों में आनंद खोजना और आत्मखोज के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में योग जप और ध्यान का उपयोग करना शामिल है।

हेलसिंकी, फिनलैंड की जोइसे रोमन

ऑनलाइन क्लास से ही मेरे घुटने का दर्द गायब हो गया, अब मैं दोनों बेटियों को योग सिखा रही हूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सबसे दिलचस्प बात यह है कि अब न केवल हिंदू समाज, बल्कि ईसाई और मुस्लिम समुदाय भी योग को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। हेलसिंकी, फिनलैंड की जोइसे रोमन कैथोलिक हैं। जोइसे कहती हैं कि वह एक बड़ी कंपनी में नौकरी करती हैं, जहां लगातार उन्हें कुर्सी पर बैठे रहना पड़ता है। जिसकी वजह से उन्हें बहुत ज्यादा घुटनों में दर्द की शिकायत होने लगी। ज्यादा सर्दी की वजह से कभी-कभी यह दर्द जानलेवा होने लगा था। बहुत इलाज के बाद जब आराम नहीं मिला, तब सोशल मीडिया के जरिए भारत में योग गुरु संदीप लोवंशी मिलीं।

मैंने उनकी ऑनलाइन क्लास ज्वॉइन की। मुझे योगाभ्यास करते एक साल हो रहा है। मेरे घुटनों का दर्द बिल्कुल खत्म हो गया है। ऑनलाइन योग क्लास करने से डॉक्टरों की फीस, दवा, समय और ईंधन इन सब चीजों की बचत होने लगी और मेरा स्वास्थ्य भी सुधरा। स्वस्थ रहने के लिए यह बहुत किफायती है। थोड़ा टाइम मैनेजमेंट करना पड़ता है। मेरी दो बेटियां हैं-एक जिमनास्ट है और दूसरी कुश्ती में दिलचस्पी ले रही है। दोनों मेरे साथ योगाभ्यास भी करती हैं।

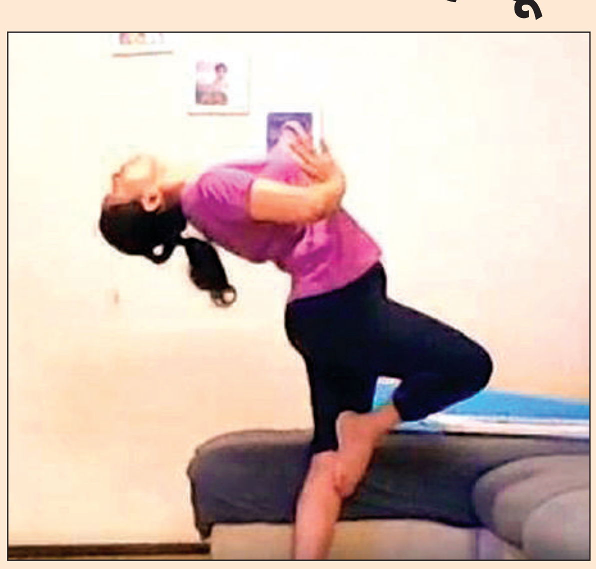

महिला एवं बाल विकास में ज्वॉइंट डायरेक्टर नकीब जहां कुरैशी

योग तो एक स्ट्रैथिंग की कला इसमें कैसा धर्म और कैसा बंधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महिला एवं बाल विकास में ज्वॉइंट डायरेक्टर नकीब जहां कुरैशी ने कहा कि छह साल पहले मैं काफी परेशान रहती थी, जहां मानसिक रूप से तनाव में रहती थी तो वहीं फिजिकल स्ट्रैंथ ठीक नहीं थी। तब मुझे मेरे सहयोगियों ने सजेस्ट किया कि योग करने से मानसिक और शारीरिक थकान और परेशानी में रिलीफ मिलेगा।

जब मैंने योग किया तो वाकई में मेरे भीतर अमूल-चूल परिवर्तन आया, जिसमें मैं योगाचार्य पवनगुरु से मिली और रोजाना करीब एक घंटा मैंने योगाभ्यास किया। जिसमें योग के पूरे आसन, प्राणायाम और योग की कई मुद्राएं शामिल हैं।

योगाभ्यास ने मेरी संपूर्ण शारीरिक व मानसिक गतिविधियों को मजबूती प्रदान की और मैंने योग का यही सिद्धांत मेरे परिवार वालों और अपने सहकर्मियों के साथ शेयर किया और कइयों को योग से जोड़ा। उन्होंने कहा कि योग में मुझे नहीं लगता कि मजहब का सवाल पैदा होता है क्योंकि योग एक स्ट्रैथिंग की कला है, जो धर्म या मजहब से परे है।

भारत में योग सीखा, अब वहीं के लोगों को सिखा रहे योग

अमेरिका निवासी डॉ. माइकल बुश और उनकी पत्नी डॉ.पाइगी बुश

सचिन सिंह बैस ▶▶ भोपाल

भारतीयों से योग सीखकर पारंगत हुए विदेशी योग गुरु अब भारत में साधकों को योग क्रिया सिखा रहे हैं। अमेरिका के बुश दंपति ने ऋषिकेश के श्री विश्वनाथ संस्कृत महाविद्यालय के छात्रों को भावातीत योग के गुर सिखाए। उन्होंने छात्रों को योग के फायदे बताते हुए योगाभ्यास पर जोर दिया। अमेरिका निवासी डॉ. माइकल बुश और उनकी पत्नी डॉ. पाइगी बुश वर्ष 1970 में पहली बार भारत आए तो योग के आकर्षण से नहीं बच पाए। यहां तीर्थनगरी ऋषिकेश स्थित महर्षि महेश योगी की चौरासी कुटिया में उन्होंने योग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने अपने गुरू महर्षि महेश योगी से भावातीत योग की शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद महर्षि वैदिक यूनिवर्सिटी हॉलैंड से जुड़ कर उन्होंने योगाचार्य की उपाधि हासिल की। अब इसी यूनिवर्सिटी के माध्यम से वे विश्व भर में योग के प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। बीते दिनों उत्तरकाशी आए बुश दंपती ने यहां गजोली और कुंसी गांव में स्थित महर्षि आश्रमों में साधकों को योग के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि भावातीत योग के माध्यम से शरीर निरोगी बनने के साथ ही व्यक्ति एकाग्र चित्त एवं तनावमुक्त रहता है।

उत्तराखंड में योग के 300 से अधिक केंद्र

उत्तराखंड में योग के 300 से अधिक केंद्र चल रहे हैं। इसका संचालन योग से जुड़ी कई संस्थाओं के अलावा आश्रमों में काम करने वाले साधु-संतों द्वारा किया जाता है। योग सीखने के लिए ऋषिकेश और उसके आस-पास का क्षेत्र विदेशियों को अधिक लुभाता है। विदेशियों द्वारा यहां योग सीखने का एक बड़ा कारण गंगा का एकांत तट, ऊंची पहाड़ियां और घने जंगल हैं जो उन्हें अपनी और आकर्षित करते हैं। उत्तराखंड के ऋषिकेश, हरिद्वार, उत्तरकाशी, बद्रीनाथ, रूद्रप्रयाग, देवप्रयाग, जागेश्वर और अल्मोड़ा योग के प्रमुख केंद्रो में गिने जाते है। इसके अलावा ऋषिकेश के मुनिकीरेती, तपोवन, स्वर्गाश्रम, नीलकंठ और उसके आस-पास के क्षेत्रों में सौ से ज्यादा योग केंद्र बने हुए हैं।

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025

'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग'
'Yoga for One Earth-One Health'

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"योग संगम"

सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा उद्बोधन (वर्चुअल माध्यम से)

प्रातः 6:00 बजे | अटल पथ, तात्या टोपे नगर, भोपाल

खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परम्परा पर
राष्ट्रीय मंथन कार्यशाला

वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला के
आधुनिक तारामंडल का लोकार्पण

दोपहर 12:00 बजे | डोंगला, उज्जैन

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

21 जून, 2025

D-11049/25

"भारत की प्राचीनतम विद्या 'योग' निरोगी शरीर, उत्तम स्वास्थ्य और ऊर्जा प्राप्ति का अक्षय स्रोत है। हम भारत के प्राचीन ज्ञान की विरासत, जिसने भारत को हजारों वर्षों से समृद्ध बनाये रखा है, उसे न केवल संरक्षित करने बल्कि उसके वैज्ञानिक पक्ष को आधुनिक दृष्टिकोण से परिभाषित किये जाने के प्रतिबद्ध प्रयास कर रहे हैं।"

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

- मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी पहल के तहत अपनी तरह की पहली कार्यशाला में 200 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य सम्मिलित होकर करेंगे खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परम्परा पर मंथन
- डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में बनकर तैयार हुए आधुनिक तारामंडल में सौर मंडल के दृश्यों का अवलोकन किया जा सकेगा
- इस तारामंडल के माध्यम से खगोलीय घटनाओं की जानकारी का रुचिकर प्रदर्शन लोगों को खगोल विषय के ज्ञान से परिचित करायेगा
- योग शिविर, शून्य छाया अवलोकन, साइंस शो, स्टेम वर्कशॉप का आयोजन

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

भोपाल
शनिवार, 21 जून 2025
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-11
वर्ष : 12, अंक : 81
पृष्ठ : 18 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 29
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज

वैदिक पथ के पथिक चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी व हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता थी परमेश्वरी देवी

माता परमेश्वरी देवी जी का निधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶रोहतक

वैदिक पथ के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु समेत नौ पुत्र-पुत्रियों की माताजी परमेश्वरी देवी जी का शुक्रवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वो बीते कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। उन्होंने दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे गांव खांडा खेड़ी में किया जाएगा। परमेश्वरी देवी अपने पीछे 6 बेटों और 3 बेटियों का भरापूरा परिवार छोड़ गईं। बेटों में कैप्टन रुद्रसेन, वीरसेन, व्रतपाल, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सतपाल और देव सुमन शामिल हैं, जबकि, बेटियों में दया, बिमला और मधु हैं।

देशभर के अनेक गुरुकुलों व आर्य समाजी संस्थाओं में अग्रणी भूमिका में थी माता परमेश्वरी देवी

यह दुःखद खबर कैप्टन अभिमन्यु ने खुद सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने लिखा, मेरी माता का प्रेम, त्याग और उच्च संस्कार परिवार व समाज के बीच सदैव अमिट रहेंगे। उनकी दी हुई सीख और आशीर्वाद हमेशा साथ रहेंगे। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की गई पोस्ट में कैप्टन अभिमन्यु ने लिखा- बड़े ही भारी मन से सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्य माता परमेश्वरी देवी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर आज ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गईं। उन्होंने लिखा- उनका प्रेम, स्नेह, त्याग और उच्च संस्कार परिवार व समाज के बीच सदैव अमिट रहेंगे। उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकेगी, लेकिन उनकी दी हुई सीख और आशीर्वाद ▶▶ शेष पेज 4 पर

बच्चों को किया शिक्षित

परमेश्वरी देवी औपचारिक रूप से ज़्यादा पढ़ी-लिखी नहीं थीं, इसके बावजूद भी उन्होंने अपने सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर शिक्षित किया। परिवार को एकजुट रखकर अच्छे संस्कार दिए। परमेश्वरी देवी की शादी स्वर्गीय चौधरी मित्र सेन आर्य के साथ 1948 में हो गई थी। काम के सिलसिले में 1961 में स्वर्गीय चौधरी मित्र सेन उड़ीसा चले गए थे। उसके बाद बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी उनकी थी। वह सभी बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करती थी और सभी बच्चों को बैठाकर उनके बीच में बैठकर उनकी देखरेख करती थी। वे हर किसी को अच्छे संस्कार देकर उनको ऊर्जावान बनाने का पाठ पढ़ती थी। शादी के बाद गांव खांडाखेड़ी में ही काफी वर्षों तक रही। इस दौरान घर का सारा काम निपटाने की भी उनकी जिम्मेवारी होती थी। चुनाव के समय कैप्टन अभिमन्यु को सीख देती थी कि ईमानदारी के साथ चुनाव लड़ें और भाइचारे को मजबूत बनाकर सामाजिक ताने-बाने को और आगे ले जाने का काम करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जताया दुख

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार हरिभूमि पत्र समूह के मालिक, वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु जी की पूज्य माताश्री श्रीमती परमेश्वरी देवी जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि उनके निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को शांति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। उन्होंने शोकाकुल परिवारजनों को अपार दुख सहन करने का संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे खिलाड़ी

नई दिल्ली। लीड्स के मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। दोनों टीमों के खिलाड़ी जब मैदान पर खेलने के लिए उतरे तो उनकी बांह पर काली पट्टी बंधी हुई थी। प्लेयर्स ने अहमदाबाद विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए पहले दिन के खेल में काली पट्टी बांधकर खेलने का फैसला लिया।

लव जिहाद केस में फरार कादरी की जाएगी पार्षदी

इंदौर। कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी लव जिहाद के केस में परिवार के साथ फरार हैं। पुलिस लगातार उन्हें पकड़ने के लिए छापे मार रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा है कि अनवर कादरी की पार्षदी समाप्त करने के लिए संभाग आयुक्त को पत्र लिखा है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि ऐसे लोगों को बक्शा नहीं जाएगा।

5वीं और 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम घोषित

भोपाल। मध्य प्रदेश बोर्ड ने कक्षा 5वीं और 8वीं की पुनः परीक्षा का परिणाम 2025 घोषित कर दिया है। इस वर्ष कक्षा 5वीं की वार्षिक परीक्षाएं 24 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक आयोजित की गई थीं, जबकि कक्षा 8वीं की परीक्षाएं 24 फरवरी से 5 मार्च 2025 के बीच संपन्न हुईं। छात्र अपना स्कोरकार्ड वेबसाइट rskmp.in पर जाकर देख सकते हैं।

सीएम डॉ. यादव ने कहा-मप्र को बनाएंगे देश की डेयरी कैपिटल

40 लाख की गाएं दुग्ध उत्पादन के लिए तो सरकार 10 लाख रुपए का अनुदान देगी

बड़ी गोशाला खोलने के लिए राज्य सरकार 125 एकड़ जमीन प्रदान करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र को देश की डेयरी कैपिटल बनाएंगे। इसके साथ ही अब पशुपालन एवं डेयरी विभाग का नाम पशुपालन, डेयरी और गो-पालन विभाग होगा। उन्होंने कहा कि मप्र में गो-शाला संचालन के लिए अनुदान राशि 20 से बढ़कर 40 रुपए प्रति गाय प्रतिदिन की गई है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से अनुबंध किया है।

उन्होंने कहा कि गोपालन की योजनाओं में 25% का अनुदान दिया जाएगा। यदि आप 40 लाख की गाएं दुग्ध उत्पादन के लिए लाते हैं, तो सरकार 10 लाख रुपए का अनुदान देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री ▶▶ शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री निवास परिसर में राज्य स्तरीय गोशाला सम्मेलन आयोजित इसमें प्रदेश भर से आए गो-पालक और गो-शाला संचालक शामिल हुए

गो-शालाओं को 90 करोड़ रू. की अनुदान राशि की अंतरित

उत्कृष्ट गो-शालाएं और गो-सेवियों को किया पुरस्कृत

कार्यक्रम में 73 गो-शालाओं को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

◆ पशुपालन एवं डेयरी विभाग अब पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन विभाग होगा

सीएम ने गोमाता का पूजन किया

दुग्ध उत्पादन समितियों की संख्या 26 हजार करने का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूध उत्पादन पांच गुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। मौजूदा समय में प्रदेश में 5.5 करोड़ लीटर दूध उत्पादित होता है। इसमें से लगभग आधा घरेलू उपयोग और शेष मार्केट तक पहुंचता है। सरकार की कोशिश है कि फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर प्रदेश में दुग्ध से समृद्धि के लिए नई योजनाएं बनाई जाए। दुग्ध उत्पादन और संकलन के कार्य को व्यवस्थित बनाने के लिए समितियों की संख्या भी 9 हजार से बढ़कर 26 हजार करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य में हाईटेक गोशालाएं संचालित ▶▶ शेष पेज 4 पर

प्राकृतिक खाद से उत्पादित अनाज का ज्यादा भाव देगी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र को देश की दुग्ध राजधानी बनाना है, सरकार इसके लिए अनेक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 तक पशुपालन विभाग का बजट सिर्फ 300 करोड़ था, जो बढ़कर अब 2600 करोड़ हो गया है। किसी समय प्रदेश में फैट मात्रा के अनुसार दूध खरीदने की ▶▶ शेष पेज 4 पर

◆ मप्र में बनेगी स्वावलंबी गो-शालाएं

पशुपालन राज्य मंत्री लखन पटेल ने कहा कि प्रदेश में 30 ऐसे स्थानों को चिन्हित भी कर लिया गया है, जहां 5000 से लेकर 25000 तक गोवंश क्षमता वाली स्वावलंबी गो-शाला बनाई जाएंगी। ये गो-शालाएं हाईटेक होंगी, जहां गायों की देखभाल के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं सहित जैविक खाद, सीएनजी गैस उत्पादन आदि के साथ सौर ऊर्जा से बिजली भी बनाई जाएगी। वरिष्ठ सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि गो-पालन और गो-सेवा मुख्यमंत्री के जीवन का हिस्सा है। उन्होंने पशुपालन में अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखा है। यह प्रदेश का ऐतिहासिक सम्मेलन है। राज्य सरकार ने नेशनल डेयरी विकास बोर्ड के साथ समझौता किया है। कामधेनु योजना से किसानों को गो-पालन और डेयरी शुरू करने का अवसर मिलेगा। खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि गो-माता की सेवा से पुण्य कार्य कोई नहीं हो सकता है। गो-माता की सेवा से वैतरणी पार हो जाती है। प्रदेश की समृद्धि के लिए गौ-पालन और गो-सेवा पर ध्यान देना होगा। गोसेवकों को सिंगल क्लिक से अनुदान राशि भेजने का निर्णय प्रशंसनीय है।

विशाखापत्तनम में 5 लाख लोगों के साथ योग करेंगे पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

भारत की पहल पर हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर पूरे देश-दुनिया में योग के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश में शनिवार को विशाल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे जो बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम के आरके बीच से भोगापुरम तक 26 किलोमीटर ▶▶ शेष पेज 4 पर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज

25 हजार से अधिक छात्र 108 मिनट तक करेंगे सूर्य नमस्कार

नायडू ने कहा कि 25,000 से अधिक आदिवासी छात्र 108 मिनट तक सूर्य नमस्कार करेंगे। सरकार का लक्ष्य राज्य भर में एक लाख केंद्रों में योग सत्र आयोजित करना और विशाखापत्तनम में योग गतिविधियों में भाग लेने के लिए पांच लाख लोगों को आकर्षित करना है।

***2.39 करोड़ से अधिक पंजीकरण:** इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने के लिए अब तक राज्य, देश और दुनिया भर से 2.39 करोड़ से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं।*

आज भोपाल के अटल पथ पर होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

सीएम डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री उइके होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 का राज्य स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम 21 जून को सुबह 6 बजे भोपाल के टीटी नगर स्थित अटल पथ पर आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संबोधन भी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशाखापत्तनम में योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और उनके संबोधन का भी सजीव प्रसारण होगा उसके पश्चात सामान्य योग प्रोटोकॉल का सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम होगा। केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके राज्य स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे एवं ▶▶ शेष पेज 4 पर

भारत की कूटनीति का जलवा

ईरान से भारतीय छात्रों की निकासी, खोला एयर स्पेस

1000 भारतीय छात्र दिल्ली आएंगे

एजेंसी ▶▶तेहरान

इजराइल-ईरान युद्ध के बीच फंसे भारतीय छात्रों के लिए तेहरान ने अपना एयर स्पेस खोल कर भारत के साथ अच्छे संबंधों का निर्वहन किया है। विदेशी धरती पर भारत ने एक बार फिर अपनी कूटनीति का जादू दिखाया है। ईरान ने सिर्फ भारत के लिए अपना एयर स्पेस चालू करने की घोषणा की है। इसके बाद कम से कम 1000 भारतीय छात्रों की स्वदेश वापसी का रास्ता साफ हो ▶▶ शेष पेज 4 पर

घरेलू उत्पीड़न से परेशान थे दंपती

जहर खाने से पति की मौत पत्नी की भी हालत नाजुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶गुना

विदिशा जिले के उनारसीकलां थानाक्षेत्र के गांव चांदबर में गुरुवार रात एक दंपती ने जहरीला पदार्थ खा लिया। इससे पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी को गंभीर हालत में गुना के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पत्नी ने बताया कि ससुर ▶▶ शेष पेज 4 पर

◆ ससुर ने कहा-घर से जाओ या जहर खाकर मर जाओ

पति ने कहा- मेरे सिवाय तेरा कौन

पत्नी उमाबाई ने बताया कि रात करीब 8.30 पति ने जहरीली गोली खाली और मुझे भी गोली देकर कहा तुम भी खा लो। क्योंकि मेरे सिवाय तेरा कौन है। मेरे पिता वैसे भी तुझे गाली देते हैं, दहेज मांगते हैं। महिला ने बताया कि मेरे पति द्वारा जहरीला पदार्थ खा लेने के बाद भी ससुर झगड़ा करते रहे और पति की हालत देखने के बाद भी कहा बहाने कर रहे हो। ▶▶ शेष पेज 4 पर

इंदौर की कंपनी पर सीबीआई की कार्रवाई

183 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी मामले में पीएनबी का सीनियर मैनेजर 'अरेस्ट'

19 और 20 जून को देश के पांच राज्यों दिल्ली, पश्चिम बंगाल, गुजरात, झारखंड और मध्य प्रदेश में कुल 23 जगहों पर छापेमारी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶इंदौर

शहर की एक कंपनी द्वारा 183 करोड़ रुपए की फर्जी बैंक गारंटी जमा कर तीन सरकारी प्रोजेक्ट हासिल करने के मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। इस घोटाले की जांच के सिलसिले में सीबीआई ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक पंजाब नेशनल बैंक का सीनियर मैनेजर है। सीबीआई की शुरुआती जांच में सामने आया है कि कोलकाता में सक्रिय एक गिरोह बड़े पैमाने पर फर्जी बैंक गारंटियां बनाकर सरकारी ठेके हासिल करने के काम में शामिल है। यह गिरोह कई राज्यों में इसी तरह के घोटाले कर चुका है। मध्य प्रदेश जल निगम लिमिटेड (एमपीजेएनएल) ने साल 2023 में इंदौर की एक निजी कंपनी को 974 करोड़ रुपए के तीन सिंचाई प्रोजेक्ट्स दिए थे। इन प्रोजेक्ट्स के लिए कंपनी ने कुल आठ फर्जी बैंक गारंटियां ▶▶ शेष पेज 4 पर

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एयरस्पेस संबंधी बढ़ी चुनौतियां

एयर इंडिया की 4 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत 9 फ्लाइट्स रद्द

दुबई, मेलबर्न, चेन्नई, दिल्ली, पुणे, अहमदाबाद, हैदराबाद और मुंबई के बीच की सेवाएं बाधित

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

एयर इंडिया ने एक बार फिर अपनी कई उड़ान सेवाएं रद्द कर दी हैं। एयरलाइन की ओर से अब तक चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत 9 फ्लाइट्स को रद्द करने की सूचना दी गई है। एयरलाइन ने बताया कि शुक्रवार को रखरखाव और परिचालन संबंधी कारणों से एअर इंडिया ने चार अंतरराष्ट्रीय सेवाओं सहित 9 उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने कहा कि उसने यात्रियों ▶▶ शेष पेज 4 पर

एयर इंडिया की दिल्ली-पुणे फ्लाइट से टकराया पक्षी रिटर्न जर्नी कैंसिल

मुंबई। दिल्ली से पुणे जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट से शुक्रवार को एक पक्षी टकरा गया, जिसके बाद फ्लाइट की रिटर्न जर्नी कैंसिल करनी पड़ी। विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और पक्षी के टकराने का पता पुणे में उतरने के ▶▶ शेष पेज 4 पर

नौ दिन में 84 फ्लाइट्स हो चुकी रद्द

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद सिर्फ 9 दिनों के अंदर एयर इंडिया की 84 फ्लाइट्स रद्द हो चुकी हैं। इसके पीछे मेंटनेंस और ऑपरेशनल रीजन की दलीलें दी जी रही हैं। मगर, लोगों के मन में डर है- क्या इन टेक्निकल शब्दों के ज़रिए गोल गोल घुमाने की कोशिश की जा रही है या असल में वजह कुछ और है?

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र शासन

योग दिवस 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय को समर्पित

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 'विशेष आलेख'

मानवता के लिए अमूल्य उपहार है 'योग'

योग एक ऐसी दिव्य अवस्था है जब चेतना और परम चेतना का मिलन होता है। इस अवस्था को प्राप्त करने का अवसर हर जीव के पास है। योग सनातन हिंदू धर्म और संस्कृति का संपूर्ण मानवता के लिए अमूल्य उपहार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। साथ ही इस बात का समर्थन किया कि योग जीवन के सभी पहलुओं के बीच संतुलन स्थापित करने के साथ स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है।

उन्होंने पूरी दुनिया में समग्र स्वास्थ्य क्रांति के नए युग का सूत्रपात किया। उपचार की जगह रोकथाम पर अब अधिक ध्यान दिया जा रहा है। आज पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त कर रहा है। हम 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। यह 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय को समर्पित है। इसका उद्देश्य मानव कल्याण और एक स्वस्थ ग्रह के बीच संबंध को बढ़ावा देना है। सीधा अर्थ है कि जब शरीर और मन स्वस्थ होता है, तो हम अपने समुदाय और पर्यावरण से बेहतर सामंजस्य रख पाते हैं, उनकी सही देख-रेख कर पाते हैं।

आज पूरे विश्व में एक अदभुत वातावरण बना है। पूरा विश्व आज योग कर रहा है। योग ने विश्व में असंख्य लोगों को सहारा दिया है। हमारे लिए यह गौरव का क्षण है। योग का विधिवत विज्ञान यहां सुरक्षित है। योग दर्शन की विरासत से आज पूरा विश्व समाज लाभान्वित हो रहा है। हम इस अलौकिक समय के साक्षी बन रहे हैं। हम आज गौरव और आनंद से भरे हैं। योग, धर्म, जाति और रंग की सीमाओं से परे है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत का गौरव बढ़ाने वाला दिवस है साथ ही पूरे विश्व को परम चेतना के प्रति जागृत करने का क्रांतिकारी कदम भी है। अक्सर सवाल किया जाता है कि योग से क्या मिलता है? इसका सीधा सरल जवाब है योग से मिलती है शांति। मन और तन को सबसे ज्यादा जरूरत है शांति की।

अशांत मन और अनियंत्रित तन पूरे समाज को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। योग एक ऐसा दिव्य द्वार है जो शांति की ओर खुलता है। शांति से उपजती है एकाग्रता। धर्म संसद में वेदांत दर्शन पर कालजयी व्याख्यान देने के बाद स्वामी विवेकानंद को अमेरिका में जगह जगह दर्शन पर व्याख्यान देने ▶▶ शेष पेज 4 पर

न पूजा की जरूरत, न प्रार्थना की बात, योग तो है बस भीतर की शांत सौगात
न कोई पंथ, न संप्रदाय का नाम, योग करता है सबको संतुलित करने का काम

योग धर्म से बंधा नहीं है। योग ग्रंथों के बंधन से मुक्त है। योग का अर्थ ही है जोड़ना। योग सबको बांधे रखता है। योग कोई व्रत नहीं है, न कोई प्रार्थना है। योग जीवन शैली है। जब मन भटके, तन थके और आत्मा में ठहराव न हो, तब योग ही कहता है कि खुद के भीतर झांको। तुम्हारा शरीर ही असली मंदिर है। यही तीर्थ है। योग को अपनाकर इंसान धर्म के साथ खुद से जुड़ता है।
हरिभूमि ने ऐसे योग गुरुओं की कहानियां तलाश कीं, जिन्होंने अपने धर्म के साथ-साथ योग को अंगीकार किया। विशेषकर मुस्लिम धर्म से जुड़े योग गुरुओं की कहानियां। जिन्होंने कहा योग को मजहब से जोड़ना ठीक नहीं है। योग जीवन जीने की कला है, यह जिंदगी को खूबसूरत बनाता है। यह सबका है, सबको योग से जुड़ना चाहिए।

योग ने भगाया रोग और अब इसके मुरीद हुए अमीन, बन गए गुरु

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में योग गुरू बाबा रामदेव और श्रीश्री रविशंकर के हजारों की संख्या में योग साधक हैं, जो नियमित रूप से योग करते हैं। इनमें कुछ दूसरे संप्रदाय के भी योगाचार्य सम्मलित हैं। खासकर मुस्लिम, ईसाई। शहर के एक मुस्लिम युवा मोहम्मद अमीन लीला 21 सालों से श्रीश्री रविशंकर से जुड़े हुए हैं और अब वह अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक बन गए हैं। वे योग से जुड़ने के पूर्व एक गंभीर बीमारी आईबीएस से पीड़ित थे। नियमित योग और सुदर्शन क्रिया, सूर्य नमस्कार व अन्य प्राणायाम करने के बाद आज पूरी तरह स्वस्थ हैं। एक अन्य मुस्लिम योगाचार्य शमीम शेख भी श्रीश्री रविशंकर से जुड़कर 2024 से नियमित योग करते हैं। मुस्लिम युवती आलिया सिद्धकी और ईसाई युवती कांति मसीह बाबा रामदेव के पतंजलि योग समिति से जुड़कर प्रांत प्रमुख डॉ. मनोज पाणिग्राही के मार्गदर्शन में नियमित प्राणायाम योग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

डॉक्टर ने कहा था जीवनभर खानी पड़ेगी दवा

मोहम्मद अमीन लीला पिछले 21 वर्षों से आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से जुड़े हुए हैं और योग और हैप्पीनेस के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक भी हैं। अमीन ने बताया, वह आईबीएस नामक बीमारी से ग्रसित थे और साथ ही अवसाद से पीड़ित भी थे। सुदर्शन क्रिया योग प्राणायाम और मेडिटेशन के माध्यम से आज पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्होंने हरिभूमि को बताया, डॉक्टर ने उन्हें कहा था कि जीवन भर दवाइयां खानी पड़ेंगी, लेकिन योग ने जीवन आसान कर दिया। अब आमीन हजारों लोगों के जीवन में योग ध्यान और आर्ट ऑफ लिविंग के माध्यम से हर वर्ग के शीघ्र लेकर परिवर्तन ला रहे हैं।

योग ने मुझे खड़ा होना सिखाया, मैं इसे मजहब से कैसे जोड़ सकता हूं...

मोहम्मद वसीम
पुराना भोपाल

मधुरिमा राजपाल ▸▸ भोपाल

पुराना भोपाल निवासी मोहम्मद वसीम ने कहा कि मुझे अनुवांशिक रूप से कमर की ऐसी बीमारी थी जिस वजह से मेरी कमर झुकी हुई थी और इस बीमारी की वजह से हमारी 6 पीढ़ियों के सदस्यों की कष्टप्रद मृत्यु हुई। मैं और मेरी बहन हम दोनों ही इस कमर दर्द से परेशान थे। इसमें मेरी हालत यूं थीं कि मैं बिस्तर पर लेट भी नहीं पाता था, क्योंकि मैं

दीवार से टिककर ही सो पाता था। ऐसे में दर्द की वजह से मेरी आंखों से आंसू बहते थे। लेकिन फिर मुझे किसी ने योगाचार्य पवनगुरु का नाम बताया। जहां मैं गया और उन्होंने मेरी सभी रिपोर्ट देखी और मुझे योग और प्राणायाम का रास्ता सुझाया। आज योग करते हुए मुझे 25 साल हो गए है और मेरी कमर एकदम ठीक हो गई है और मुझे काफी स्वास्थ्य लाभ मिला, या यूं कह सकते हैं कि मुझे नया जीवन मिल गया। ऐसे में योग ने मुझे जीवन दिया है। मुझे खड़ा होना सिखाया है तो इसे मैं मजहब से तो जोड़ ही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं रोजाना करीब 2 घंटे तक प्राणायाम, योगाभ्यास, आसन और अन्य कई योग मुद्राओं को करता हूं, साथ ही अपने परिवार वालों को भी सिखाता हूं ताकि हमारी पीढ़ियों से चली आ रही अनुवांशिक बीमारी से वे दूर रहें।

बच्चों को स्कूल में सिखा रहे हैं योग, वे कहते हैं- इसे धर्म से बांधना ठीक नहीं

अब्दुल अंसारी
अशोकनगर जिले के चंदेरी मिडिल स्कूल के शिक्षक

मनोज जैन ▸▸ अशोकनगर

अशोकनगर जिले के चंदेरी मिडिल स्कूल के शिक्षक अब्दुल अंसारी इसका जीता जागता प्रमाण हैं। उन्होंने योग को अपनाने के साथ एक शिक्षक के रूप में और एक आमजन के रूप में लोगों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने 2017 में भोपाल में जाकर एक माह की ट्रेनिंग कर प्रशिक्षण भी लिया। उस समय प्राइमरी स्कूल के बच्चों को योग की शिक्षा देते थे। वर्तमान में मिडिल स्कूल के बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। वह सभी प्रकार के योग के साथ आसन कराते हैं और यही कारण है कि उनके स्कूल के जूनियर वर्ग में दो बच्चों का सिलेक्शन योग प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद राज्य स्तर पर हुआ।

उन्होंने माधव महाविद्यालय चंदेरी में शिक्षा ग्रहण की और चंदेरी के सरस्वती विद्यालय में होने वाली कई प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लिया। जब उनसे इस बारे में चर्चा की गई तो उनका कहना था, योग का जाति और धर्म का योग से कोई लेना-देना नहीं है। हमें योग को लेकर जातियों धर्म से अलग रखकर देखा जाना चाहिए। योग जीवन जीने की कला है, यह सभी को करना चाहिए। इसे किसी धर्म और मजहब से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। योग है तो जीवन है और अब योग ही जीवन का आधार है। वह अब तक सैकड़ों बच्चों को योग का प्रशिक्षण दे चुके हैं और लगातार प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। वह कहते हैं और मानते हैं योग ने लोगों की जीवन शैली को बदला है।

जसविंदर कौर भी सिखा रही हैं योग

मुंगावली के भुजरिया तालाब परिसर में जसविंदर कौर लोगों को योग का प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। इस योग के आयोजन में हर वर्ग के लोग भाग ले रहे हैं। इसमें सभी वर्गों को उनके द्वारा बुलाया गया है न कोई जाति है न कोई धर्म है। उन्होंने कहा कि सरस्वती स्कूल में भी सुबह 8 से 9 बजे तक योग का प्रशिक्षण देती हूं और भुजरिया तालाब पर सुबह 6 से 7 बजे प्रशिक्षण प्रदान करती हूं। वह शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक हैं। उनका कहना है कि योग जीवन जीने की कला है। जब आपकी आत्मा और अंतर्मन को योग सकारात्मक से भर देता है, तब हमें नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिलती है और सकारात्मक ऊर्जा से हमारा जीवन बदलता है।

एक हजार शिक्षकों व करीब 3 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को सिखा चुके हैं योग

सैयद शफाकत हुसैन कादरी
गंजबासौदा के योग गुरु

वे कहते हैं कि हम भारतीय का हर पर्व त्यौहार न केवल पूर्ण वैज्ञानिक है बल्कि मानव कल्याण के लिए प्रकृति सम्मत

अंशुमन नितिन यादव ▸▸ गंजबासौदा

गंज बासौदा नगर के एक मुस्लिम युवा ने योग के प्रचार-प्रसार और गांव गांव व जन जन तक पहुंचाने जो अलख जगाई, उसकी मिसाल अनूठी ही है। मुस्लिम समुदाय से आने वाले इस योग प्रेमी युवा की प्रसिद्धि आज योग गुरू के रूप में है। वे पूरे मध्यप्रदेश में योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी के नाम से जाने पहचाने जाते हैं। उनके द्वारा अब तक लगभग एक हजार शिक्षक और तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों को योग प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मध्यप्रदेश में सरकार द्वारा 2007 से सूर्य नमस्कार प्राणायाम योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। कादरी के अनुसार वे पहले दिन से ही इस योगाभ्यास सूर्य नमस्कार, प्राणायाम आसन से जुडकर इसका प्रचार प्रसार और प्रशिक्षण देने वाले मुस्लिम योग गुरू हैं। भोपाल मे आयोजित विश्व योग सम्मेलन मे भी वे भाग ले चुके हैं। उनको अब तक सरकार द्वारा योग के क्षेत्र मे योगदान देने पर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गंज बासौदा गौरव सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 12 जनवरी सूर्य नमस्कार दिवस स्वामी विवेकानंद जयंती युवा दिवस पर सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक सास्कृतिक संस्थाओं द्वारा निरंतर उनको सम्मानित व विभूषित किया जाता आ रहा है। योग के अलावा भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में भी उनका योगदान अतुलनीय है। एमए संस्कृत व योग में विभिन्न डिग्री प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके कादरी भारतीय धर्म संस्कृति के पर्व त्यौहार का वैज्ञानिक कारण व निदान के लिए भी बहुत प्रसिद्ध हैं। उनका कहना है हम भारतीय का हर पर्व-त्यौहार न केवल पूर्ण वैज्ञानिक है बल्कि मानव कल्याण के लिए प्रकृति सम्मत रचा गया है।

योग हमारी नमाज का अनिवार्य अंग हम उसमें भी कई आसन करते हैं

कादरी ने बताया कि योग भारत की सबसे प्राचीन विद्या है जो मानव कल्याण के लिए महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित की गई है। योग का अर्थ जोड़ना होता है। अब जिसका अर्थ ही जोड़ना है, वो लोगों को अलग अलग तो कर ही नहीं सकता। योग न केवल देश धर्म की सीमाओं से परे है, बल्कि जाति वर्ग पंथ समुदाय लिंग सभी से भी परे है। योग न केवल मानव को मानव से जोड़ता है, बल्कि मानव को उसके रचयिता परमपिता परमात्मा से भी जोड़ता है। कादरी का स्पष्ट कहना है इस्लाम की नमाज और कुछ नही रब से जोड़ने का योग ही है। योगाभ्यास प्रतिदिन हर एक मनुष्य के लिऐ अनिवार्य है। खड़े होना, ताड़ासन, झुकना, पादाहस्तासन, शशकासन, वज्रासन, ग्रीवा संचालन क्रिया यही तो योग है और यह सब नमाज के अनिवार्य अंग भी हैं। योग का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, ध्यान जो सभी धर्म मे कॉमन है। हर धार्मिक विश्वास में ध्यान जरूरी है।

नेपाल की माया तमांग यूं तो बुद्धिस्ट हैं...पहले मेरी गर्दन अकड़ी हुई थी और मेरी पीठ झुक गई थी, अब मेरा शरीर लचीला

मैं नेपाल में एक योगाभ्यास का प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करूंगी

नेपाल की माया तमांग यूं तो बुद्धिस्ट हैं। वह पेशे से वरिष्ठ साफ्टवेयर डेवलपर हैं। माया का काम ही स्क्रीन के सामने बहुत ज्यादा समय बिताना होता है। माया कहती हैं कि ऐसे में शारीरिक व्यायाम का समय ही नहीं था। धीरे-धीरे शरीर में जकड़न होने लगी, जिसकी वजह से तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगा। इसका असर मेरे काम पर भी पड़ने लगा। इस बीच मैंने योग की ऑनलाइन क्लास शुरू कर दी। अब मेरे जीवन का पसंदीदा हिस्सा सुबह का योग सत्र है। मैंने इसी साल फरवरी से योगाभ्यास प्रारंभ किया। पहले मेरी गर्दन अकड़ी हुई थी और मेरी पीठ झुक गई थी। मैं काम के बाद सुस्त महसूस करती थी। लेकिन मुझे लगता है कि मेरा शरीर लचीला हो गया है।

शुरू में मेरे लिए योग आसन करना बहुत मुश्किल था। लेकिन धीरे-धीरे योग मुद्रा को करने से पहले योग गुरु ने नींव तैयार करना सीख दिया। अब हम बहुत सारे स्ट्रेच करते हैं, जो योग मुद्रा करने में मदद करते हैं। मुझे हर दिन शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करना पसंद हैं। अब मैं ईमानदारी से कह सकती हूं कि हमने अपनी अकड़न वाली गर्दन और झुकी हुई पीठ को अलविदा कह दिया है। उम्मीद है जल्द ही मैं भी नेपाल में एक योगाभ्यास का प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करूंगी।

दरअसल, योग गुरु संदीप लोवंशी के ऑनलाइन योग क्लास में करीब 80 लोग अलग-अलग देशों से जुड़े हैं। वे दिनभर में 5 घंटे क्लास लेते हैं। संदीप कहते हैं कि योग का शाब्दिक अर्थ ही है जोड़ना।

अब अहमदाबाद में योग सेंटर खोलकर लोगों को योग से निरोगी बना रहीं

एस. अलफिया अनवी
अहमदाबाद निवासी

अहमदाबाद निवासी एस. अलफिया अनवी ने डॉ. खत्री से योग की शिक्षा ली और अब अहमदाबाद में योग सेंटर खोलकर सैकड़ों लोगों को योग से निरोग रहने के गुण सिखा रही हैं। उनका कहना है कि योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि एक साधना है, जिससे हम शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करते हैं। वहीं ईसाई धर्म के केरल निवासी तरंग तिमोरी ने सांची यूनिवर्सिटी से योग का कोर्स पूरा किया और अब छत्तीसगढ़ के रायपुर में लोगों को योग सिखा रहे हैं। जब उनसे जब इस प्रतिनिधि ने बात की तो उन्होंने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है यह हमारे अंदर प्रविष्ट चेतना को जगाने का एक माध्यम है, जिससे हमारा जुड़ाव ईश्वर से हो सकता है। हमारे अंदर शारीरिक, मानसिक आदि बीमारियों का भी योग के द्वारा उपचार किया जा सकता है। ऐसे उदाहरण बताते हैं कि योग अब धर्म और देश की सीमाएं तोड़ मानव मात्र के लिए स्वस्थ्य जीवन का आधार बन रहा है।

हेल्दी रहने सीख रही थी योग, ऐसा हुआ झुकाव कि डॉ. यास्मीन ने इसी पर हासिल कर लिया ज्ञान

डॉ. यास्मीन खान
आयुर्वेद कॉलेज में एनाटॉमी की शिक्षक व योग शिक्षक

हर धर्म के लोगों ने समझा योग का महत्व, पूरे परिवार के साथ करती है नियमित योग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

स्वस्थ जीवन का सूत्र बन चुका योग अब धर्म अथवा मजहब से ऊपर उठ चुका है। इसकी वास्तविकता को सभी ने स्वीकारा है। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में शरीर रचना विभाग की शिक्षक डॉ. यास्मीन खान इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। हेल्दी जीवन की खातिर उन्होंने योग क्लास ज्वाइन की और उसमें ऐसी रमी की मणिपुर चक्र विषय पर पीएचडी तक कर ली। अब कॉलेज में होने वाली योग संबंधी सभी गतिविधियों में उनकी बराबर की भागीदारी होती है।

डॉ. यास्मीन का कहना है कि योग के जरिए ही स्वस्थ जीवन की कल्पना की जा सकती है। इससे स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन की प्राप्ति होती है। इसके महत्व को उनका पूरा परिवार समझ चुका है और सभी नियमित रूप से योगाभ्यास करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पति डॉ. फैजान खान जिला अस्पताल में फिजियोथैरेपिस्ट हैं। उनका काम भी कहीं न कहीं योग से जुड़ा हुआ है, इसलिए योगाभ्यास में उनकी बराबर की भागीदारी होती है। शुरुआती दौर में उन्होंने योग को केवल स्वस्थ रहने के लिए अपनाया था, मगर योगाभ्यास के दौरान उन्हें जीवन में इसकी अहमियत का पता चला। योग के प्रति उनका झुकाव इतना अधिक बढ़ा कि उन्होंने अपनी पीएचडी के लिए मणिपुर चक्र अथवा सौर जाल चक्र को विषय बनाया। उन्होंने बताया कि योग और तंत्र में शरीर के सात ऊर्जा केंद्र होते हैं, जिसमें से तीसरा मणिपुर चक्र होता है। यह नाभि के पीछे स्थित होता है और अग्नि तत्व से जुड़ा है, जो शक्ति, आत्मविश्वास और पाचन से संबंधित है। इस तरह योग के विभिन्न आसन शरीर के साथ मन को भी स्वस्थ रखने में सहायक होता है इसके माध्यम स्वस्थ जीवन और स्वस्थ समाजाज का सपना साकार होता है। डॉ. यास्मीन आयुर्वेद महाविद्यालय में होने वाले योग से संबंधित तमाम कार्यक्रमों में भागीदारी निभाती हैं और लोगों को इसका महत्व समझाने का प्रयास करती हैं।

कई बीमारियों से निपटने में मददगार

उन्होंने बताया कि योग के जरिए शरीर को फिट रखा जा सकता है इसके साथ ही इसके माध्यम से कई तरह की बीमारियों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। आयुर्वेद के साथ एलोपैथी से संबंधित की विभागों में भी अब योग को महत्व दिया जाता है। हृदय, श्वांस, पेट सहित विभिन्न शारीरिक समस्या को इसके माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है।

10 साल से लगातार करते आ रहे योग, दूसरों को भी देते हैं प्रेरणा

मोहम्मद शफीक खान
राजगढ़ की बाबा बदख्शानी दरगाह शरीफ के सदर रहे

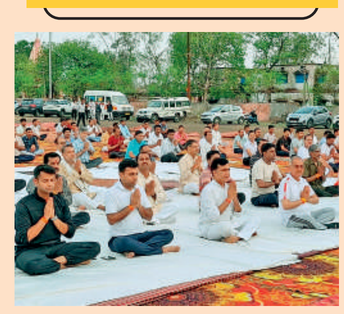

योग स्वस्थ मानसिकता एवं स्वच्छ व्यवहार करने का एक माध्यम

मुकेश कुमार शर्मा ▸▸ ब्यावरा

राजगढ़ निवासी और देश में प्रसिद्ध बाबा बदख्शानी दरगाह शरीफ के पिछले 2 सालों से सदर रहे मोहम्मद शफीक खान के जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2015 के विश्व योग दिवस मनाने का समर्थन करते हुए योग करना शुरू किया जो आज तक जारी है। मोहम्मद शफीक शासकीय सेवा पीडब्ल्यूडी में कर्मचारी होते हुए भी पिछले 10 साल में योग करना नहीं भूलते हैं, बल्कि जिले में आसपास लगने वाले योग शिविरों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। जिले में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले शफीक का मानना है कि योग किसी धर्म या संप्रदाय का नहीं है, यह तो स्वस्थ मानसिकता एवं स्वच्छ व्यवहार करने का एक माध्यम है। इससे इंसान की उग्रता समाप्त होती है और वह चिंतन व मननशील बनता है। शफीक मोहम्मद आगे बताते हैं कि उनके परिवार के कई सदस्यों ने योग को दैनिक तौर पर अपनाया है और वह प्रयास भी करते हैं कि उनके समाज के लोग भी स्वस्थ जीवन एवं मजबूत मष्तिस्क के लिए योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और अपना जीवन स्वस्थ बनाएं।

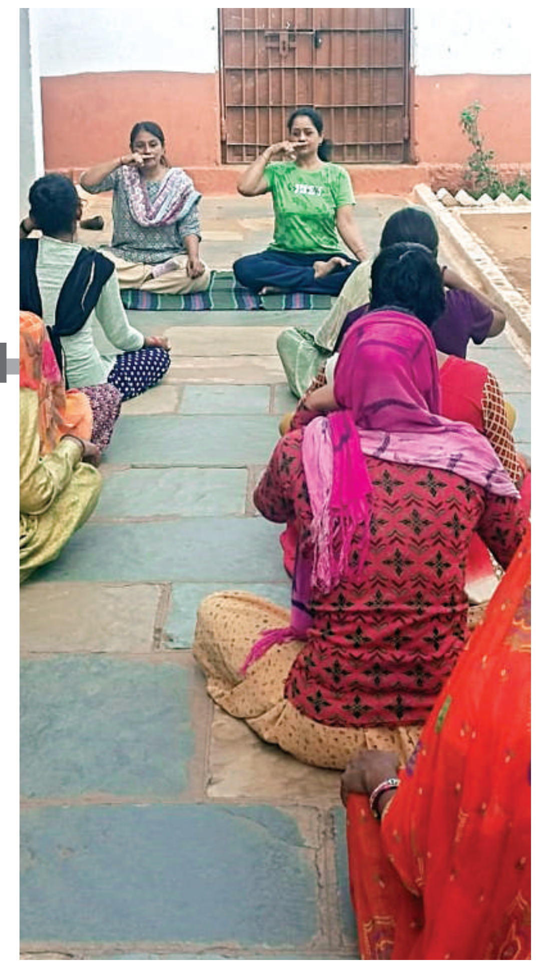

नीमच के गांवों तक योग पहुंचा रहीं शबनम, मिले कई सम्मान

विश्व योग दिवस आज : परिवार का हमेशा पूरा सहयोग मिला, आज सभी योग गुरू के नाम से जानते हैं शबनम को

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नीमच निवासी शबनम खान ने योग प्रशिक्षक के रूप में प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। आज वे नीमच जिले के छोटे-छोटे गांव सहित केंद्रीय जेल में कैदियों को योग के महत्व सिखाने के साथ ही इसके प्रचार-प्रसार में निःशुल्क बेहतर काम कर रही हैं। योग को स्वयं की दिनचर्या में शामिल करने के साथ ही अब तक 30 हजार से अधिक लोगों को निःशुल्क प्रशिक्षण दे चुकीं हैं। पेशे से शासकीय शिक्षक शबनम खान को जिला योग प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। शबनम बताती हैं कि वर्ष 2016 में शासन की ओर की उन्हे जिला योग प्रभारी का दायित्व सौंपा गया था। जिसके बाद से लगातार योग के प्रचार-प्रसार को लेकर वह कार्य कर रही हैं। इसमें परिवार का हमेशा पूरा सहयोग मिला और आज सभी लोग योग गुरू के नाम से जानते हैं। योग को लेकर बेहतर कार्य के चलते उन्हें जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कई सम्मान मिल चुके हैं।

योग सभी धर्म, मजहब, जाति, वर्ग के लिए है

शबनम का मानना है कि योग मानव जीवन कल्याण और सबके मंगल कामना की अनूठी पहल है। योग सभी धर्म, मजहब, जाति, वर्ग के लिए है। आज की पीढ़ी को इस दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। आपसी भेद-भाव मिटा कर मानवता के कल्याण और खुद सदैव स्वस्थ्य व प्रसन्न जीवन जीने के लिए प्रति दिन एक घंटा योग जरूर करना चाहिए।

ऐसे हुई शुरूआत

शबनम का कहना है कि योग को लेकर रुझान पहले से था। वर्ष 2016 में शासन की ओर से 1 माह का प्रशिक्षण भोपाल स्थित शा. योग प्रशिक्षण केंद्र में दिलाया गया। शबनम ने बताया कि उन्हे योग गुरु देवीदयाल भारती द्वारा योग की शिक्षा दी गई। इस दौरान योग का सही महत्व समझ आया और यह जाना कि योग भारतीय ज्ञान विज्ञान की अनूठी विद्या है। उसके बाद निरंतर आज तक वे नीमच में योग का प्रशिक्षण दे रही हैं।

खबर संक्षेप

योग दिवस: आज अटल पथ पर बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

भोपाल। विश्व योग दिवस 21 जून को राजधानी के अटल पथ पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके चलते इस दिन अटल पथ के चारों ओर सड़कों पर सुबह 6 से सभी वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा। अटल पथ की ओर आने वाले वाहन परिवर्तित मार्ग से ही आ-जा सकेंगे। इस दौरान रोशनपुरा चौराहा, अपैक्स बैंक तिराहा, माता मंदिर मार्ग पर यातायात का दबाव रहेगा एवं इस मार्ग पर लोक परिवहन, अनुमति प्राप्त भारी वाहन एवं अन्य भारी वाहन का आवागमन आवश्कतानुसार परिवर्तित मार्ग से संचालित रहेगा।

पुनः परीक्षा: 5वीं में 79.63, 8वीं में 74.98 प्रतिशत विद्यार्थी पास

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पेटर्न पुनः परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को भोपाल स्थित राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल पर घोषित कर दिया गया है। घोषित परिणामों के अनुसार पुनः परीक्षा में कक्षा 5वीं के 79.63% तथा कक्षा 8वीं के 74.98% विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि उक्त परिणामों को राज्य शिक्षा केन्द्र के वेबपोर्टल पर देख सकते हैं। प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 86 हज़ार 764 तथा कक्षा 8वीं के एक लाख 24 हज़ार 695 विद्यार्थी शामिल हुए थे।

सौरभ के साथी आरोपी चेतन गौर का जमानत आवेदन खारिज

भोपाल। परिवहन विभाग के करोड़पति पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के साथी चेतन सिंह गौर के जमानत आवेदन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के विशेष न्यायालय ने अपराध की गंभीर प्रकृति को देखते हुए शुक्रवार को निरस्त कर दिया। विशेष न्यायालय में गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान आरोपी के अधिवक्ता ने आरोपी के आईवीएफ से अपरिपक्व अवधि में उत्पन्न उसके दो जुड़वा बच्चों की देखरेख तथा आरोपी की पत्नी के मानसिक एवं भावनात्मक सहयोग के लिए अभियुक्त को एक माह की अवधि की जमानत एवं उसको हैदराबाद जाने की अनुमति दिये जाने का निवेदन किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने आरोपी के जमानत आवेदन पर अपनी आपत्ति व्यक्त करते हुए उसे अंतरिम जमानत पर रिहा किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं।

इग्नू के पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रारंभ

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई सत्र 2025 के लिए प्रवेश प्रारम्भ है, जिसकी अंतिम तिथि 15 जुलाई है। पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी इग्नू की वेबसाइट से समर्थ एडमिशन पोर्टल से ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। जुलाई सत्र में द्वितीय वर्ष-सेमेस्टर में पुनः प्रवेश लेने की भी प्रक्रिया प्रारम्भ है, जिसकी अंतिम तिथि 30 जून है।

पहली कार्रवाई: दशहरा मैदान के बेसमेंट में रखे गए जब्त वाहन

10 क्रेन से 3 घंटे में सड़क किनारे खड़े 40 वाहन जब्त, दुकानदारों ने किया हंगामा

मैकेनिक और ऑटो डीलर्स ने सड़क किनारे खड़े किए थे वाहन

आज एमपी नगर क्षेत्र में चलेगी अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के ट्रैफिक को सुधारने और जाम के वाहन चालकों को बचाने के लिए शुक्रवार से अतिक्रमण मुक्त करने की मुहिम शुक्रवार से शुरू हो गई है। जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस सहित अन्य विभागों की जिला स्तरीय टीम ने पहली कार्रवाई करते हुए टीटी नगर स्थित दशहरा मैदान के आसपास सड़कों किनारे खड़े वाहनों से शुरुआत की। तीन घंटे चली कार्रवाई के दौरान करीब 40 वाहनों को जब्त कर दशहरा मैदान के बैसमेंट में रखे गए हैं। साथ ही जो वाहन के मालिकों को चालान भी थमाए गए हैं। कार्रवाई के दौरान स्थानीय दुकानदारों ने हंगामा भी किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

अपर कलेक्टर अंकुर मेश्राम के नेतृत्व टीम शुक्रवार सुबह टीटी नगर दहशरा मैदान पहुंची, जिसमें एसडीएम, तहसीलदार, यातायात पुलिस अधिकारी, नगर निगम अधिकारी शामिल थे। टीम ने कार्रवाई के पहले वाहन चालकों को सूचना दी कि वह वाहनों को हटाकर मैदान को खाली कर दें। जब कुछ देर तक कोई नहीं आया तो दल ने नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले की मदद से मैदान में खड़े कंडम सहित अन्य वाहनों को उठाना शुरू कर दिया। इस दौरान लगभग सात से अधिक तीन पहिया और 25 से अधिक चार पहिया वाहनों को जब्त किया गया है। इनमें कुछ कंडम तो कुछ अच्छे वाहन शामिल हैं। टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा ने बताया कि कंडम सहित अन्य वाहन हटाते हुए मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। पहले दिन टीटी नगर क्षेत्र में कार्रवाई की गई है, अब दूसरे दिन शनिवार को एमपी नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पांच महीने से एक ही जगह पर खड़े थे वाहन

अमले ने 10 क्रेन बुलाकर वाहनों को खींचना शुरू कर दिया। करीब 3 घंटे में लगभग 40 वाहनों को सड़क किनारे से हटाकर टीटी नगर दशहरा मैदान के बेसमेंट में खड़े कर दिए। निगम ने इन वाहनों को ट्रैफिक पुलिस के कब्जे में सौंप दिए हैं। तहसीलदार कुणाल राउत ने बताया कि लोगों ने कंडम वाहन खड़े कर कब्जा कर रखा था। सड़क पूरी तरह से बंद हो गई थी, जगह-जगह ई रिक्शा खड़े किए गए थे, जिससे जाम और हादसे की स्थिति बन रही थी। यह सभी वाहन करीब पांच महीने से यहीं पर खड़े हुए थे।

आवासीय मकानों में दुकान

संपदा विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और आवासों का सर्वे किया। टीम सर्वे में यह देख रही है कि आवासों में व्यवसायिक गतिविधियां संचालित तो नहीं की जा रही हैं। ऐसे आवासों की लिस्ट बनाकर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, यह आवास लोगों को सिर्फ रहने के लिए दिए गए हैं। इनमें किसी भी तरह की दुकान या अन्य कोई व्यवसाय नहीं किया जा सकता है।

पुराने शहर में सबसे ज्यादा कंडम वाहन

पुराने शहर में जाम की सबसे बड़ी वजह सड़क किनारे खड़े कंडम वाहन हैं। इतवारा से लेकर बुधवारा चार बत्ती चौराहा, गिन्नौरी रोड, हाथी खाना, मंगलवारा, बैरसिया रोड, नादरा बस स्टैंड से छोला रोड, शाहजहांनाबाद, पुतली घर, पुरानी अदालत के पास के ऐसे सैंकड़ों वाहन खड़े हैं, जो महीनों से नहीं हटे। हर रोज इन वाहनों की वजह से जाम लग रहा है। वहीं, एमपी नगर, होशंगाबाद रोड की सर्विस रोड पर भी कार डीलरों ने कब्जा कर रखा है।

पंद्रह दिन में हटा देंगे अतिक्रमण

शहर को अतिक्रमण मुक्त करने, ई-रिक्शा को व्यवस्थित करने की कार्रवाई शुक्रवार से शुरू कर दी गई है। गठित दल यह कार्रवाई कर रहा है, जिसमें नगर निगम, पुलिस, प्रशासन के अधिकारी शामिल हैं। यह दल नियमित रूप से 15 दिन में सड़कों किनारे के सभी तरह के अतिक्रमण हटा देगा।

कौशलेंद्र विक्रम सिंह, कलेक्टर

डॉ.चौकीकर को अफसर ने थमाया नोटिस

सरकारी डॉक्टर निजी अस्पताल में कर रहा था इलाज, पहुंच गए सीएमएचओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सिविल अस्पताल बैरसिया में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पेंद्र चौकीकर को को बिना अनुमति लिए निजी संस्था में प्रैक्टिस करने पर सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने नोटिस दिया है। शुक्रवार को सीएमएचओ डॉ. शर्मा बैरसिया में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान जब सीएमएचओ बचपन डे केयर में पहुंचे तो वहां डॉ. पुष्पेंद्र चौकीकर बच्चों का इलाज करते हुए मिले। जबकि इस दौरान डॉ. चौकीकर को सिविल अस्पताल में ड्यूटी पर होना चाहिए था। निजी संस्था में प्रैक्टिस करने पर डॉ. चौकीकर को नोटिस जारी कर सीएमएचओ ने बीएमओ को संबंधित डॉक्टर की उपस्थिति, इमरजेंसी ड्यूटी, अवकाश इत्यादि की जानकारी भेजने के निर्देश दिए। वहीं शासकीय चिकित्सक की सेवाएं निजी संस्था द्वारा लिए जाने पर बचपन डे केयर सेंटर को मप्र उपचयार्गृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 एवं अधिनियम 1997 (यथा संशोधित) 2021 के तहत नोटिस दिया है। डॉ. शर्मा ने बैरसिया विकासखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, मैदानी संस्थाओं, सिविल अस्पताल एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने साफ-सफाई, पैथोलॉजी, एक्स-रे, आईपीडी, दवा वितरण, एनबीएसयू, लेबर रूम, इत्यादि का निरीक्षण किया।

सीएचओ को दिया नोटिस

सीएमएचओ ने ग्राम गोलखेड़ी में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण सत्र का निरीक्षण कर टीकाकरण सहित विभिन्न मैदानी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। वीएचएनडी सत्र में देर से पहुंचने पर उप स्वास्थ्य केंद्र रायपुर की कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर को कारण बताओ नोटिस दिया गया।

बर्थ वेटिंग रूम स्थापित करें

सिविल अस्पताल बैरसिया के निरीक्षण के दौरान डॉ. मनीष शर्मा ने सीबीएमओ डॉ. पुष्पा गुरु को निर्देशित किया कि प्रसव की संभावित तिथि से एक सप्ताह पूर्व या गर्भावस्था के 37 सप्ताह पूर्ण होने के बाद जटिलता की गंभीरता को कम करने के लिए अस्पताल में बर्थ वेटिंग रूम स्थापित किया जाए। साथ ही इन महिलाओं की जांच, भोजन, परिवहन, दवाइयों सहित सभी सेवाएं निशुल्क दिए जाने के लिए निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ कार्यालय को भेजा प्रस्ताव

बैरसिया क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान निजी स्वास्थ्य संस्था में प्रैक्टिस करते पाए जाने पर डॉ. पुष्पेंद्र चौकीकर के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव प्रेषित किया जा रहा है। साथ ही निजी स्वास्थ्य संस्था को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

डॉ. मनीष शर्मा, सीएमएचओ

संभागायुक्त ने ली बैठक...

मेट्रो लाइन के काम से पूर्व प्रशासन की टीम करेगी सर्वे और सीमांकन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में मेट्रो रेल लाइन का काम शुरू करने से पहले प्रशासन की टीम द्वारा सर्वे और सीमांकन का काम किया जाएगा। इसके लिए प्रशासन ने एक महीने का समय मांगा है, जिससे भूमि मालिकों की सूची तैयार कर उन्हें मुआवजा दिलाया जा सके।

यह बात संभागायुक्त संजीव सिंह द्वारा शुक्रवार को ली गई समीक्षा बैठक में सामने आई है। जिसमें शहर वृत्त के एसडीएम, निगमायुक्त और भोपाल मेट्रो के अधिकारी उपस्थित थे। जहांगीराबाद क्षेत्र में मेट्रो की ब्लू लाइन का काम शुरू हो गया है। यहां पर मुख्य रोड से होकर तय लाइन को अब जहांगीराबाद बाजार व रहवासी क्षेत्र में एक किमी लंबाई तक तय कर दिया गया। ऐसे में यहां बने 90 से अधिक आवास - दुकान निजी भूमि में बने हुए हैं। इनको मेट्रो रेल लाइन के लिए हटाया जाना है। निजी भूमि में बने होने की वजह से इनको हटाने से पहले मुआवजा देना होगा। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा सर्वे और सीमांकन किया जाना है। जिसको लेकर संभागायुक्त ने शुक्रवार को समीक्षा की।

बता दें कि पुल बोगदा से भारत टाकीज तक मेट्रो की ब्लू लाइन का काम शुरू हो गया है, जिसके लिए यहां का रास्ता तक बंद कर दिया गया है।

खंती में कचरे का लगा रहा ढेर, सुसज्जा कंपनी को नोटिस

भोपाल। आदमपुर स्थित लैंडफिल साइट पर निष्पादित कचरे का लगा ढेर खंती में कचरे का निष्पादन कर रही सुसज्जा फर्म के लिए मुसीबत बना हुआ है। निगमायुक्त के बार-बार कहने के बाद भी फर्म के जिम्मेदार अधिकारी नहीं बेच पा रहे हैं। इसके चलते शुक्रवार को निगमायुक्त ने अपने निरीक्षण के दौरान काम में लापरवाही बरतने पर फर्म को नोटिस जारी किया है। साथ ही यह चेतावनी दी है कि काम में सुधार नहीं हुआ तो फर्म को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। निगमायुक्त ने एनटीपीसी प्लांट के सिविल व मैकेनिकल कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही पौधरोपण स्थल का भी किया जायजा लिया। यहां लगी खरपतवार हटाने, खाद मिट्टी डालने को कहा।

बारिश पर चर्चा के लिए बैठक बुलाने की रखी मांग

परिषद बैठक के लिए संभाग कमिश्नर सिंह से मिले पार्षद, निगम अध्यक्ष ने भी लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर निगम की परिषद बैठक बुलाने के लिए कांग्रेस पार्षदों ने संभाग कमिश्नर संजीव सिंह से मिलकर ज्ञापन सौंपा। पार्षदों ने बताया कि 3 जून को परिषद सम्मेलन बुलाया जाना प्रस्तावित था, लेकिन अब तक बैठक की कोई सूचना नहीं है। इधर, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भी निगम कमिश्नर हरेन्द्र नारायन को पत्र लिखकर कहा है कि अगर कोई एजेंडा नहीं है तो बारिश में जलभराव पर ही चर्चा के लिए बैठक बुलाएं।

दरअसल, हर दो महीने में होने वाली नगर निगम की अंतिम परिषद बैठक 3 अप्रैल को आयोजित की गई थी। इस बैठक में निगम का बजट पारित किया गया था। अगली बैठक 3 जून को आयोजित होनी थी। लेकिन अब तक बैठक को लेकर कोई सूचना नहीं है। इससे नाराज कांग्रेस पार्षदों ने शुक्रवार को संभाग कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। परिषद में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि जनहित के मुद्दे पर चर्चा करवाई जाए, जल भराव, नाले-नाली पर सार्थक चर्चा हो।

निगम के पास नहीं कोई एजेंडा

निगम के पास परिषद बैठक के लिए कोई एजेंडा नहीं। शासन से एमआईसी को ही इतने पावर मिले हुए हैं कि प्रस्ताव को बिना परिषद में रखे ही पास किया जा सकता है। हालांकि एमआईसी भी तय समय में नहीं हो रही। अंतिम एमआईसी 9 जून को आयोजित हुई थी। जबकि इससे पहले 6 जनवरी को एमआईसी ने प्रस्तावों की मंजूरी दी थी। इसी तरह बीते साल 9 अगस्त 2024, 24 अगस्त 2024, 27 सितंबर 2024, 5 दिसंबर एमआईसी में प्रस्ताव पास किए गए थे।

बैठक में मिलेगा अपनी बात रखने का मौका

निगम अध्यक्ष ने निगम कमिश्नर को पत्र लिखा था। जिसमें पार्षदों से अपने-अपने इलाकों में होने वाले जलभराव, खराब सड़कें, नाला-नालियों का मेंटेनेंस और सीवेज समस्या पर चर्चा करवाई जाए। जिससे बारिश में आम लोगों को होने वाली समस्याओं का समाधान किया जा सके।

शहर को स्लम फ्री बनाने संभाग कमिश्नर ने अफसरों के साथ की समीक्षा, पीपीपी के तहत बनेंगे मकान

बाणगंगा,मेट्रो डिपो के पास शिफ्ट होंगी वल्लभ भवन क्षेत्र की 9 बस्तियां, बनेंगे 14 हजार मकान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर को स्लम फ्री बनाने के लिए पहली बार बड़े स्तर पर शुरू किए गए काम को रफ्तार मिल सकती है। पहले इसे वल्लभ भवन के आसपास वल्लभ नगर, वल्लभ नगर-2, ओम नगर, भीम नगर, दुर्गा नगर-1, दुर्गा नगर-2, अशोक सम्राट नगर, कुम्हारपुरा और झदा कॉलोनी की झुग्गियों को हटाकर ईडब्ल्यूएस केटगरी के मकान देने की योजना बनाई गई थी, लेकिन हाई सिक्योरिटी जोन होने की वजह से यहां का प्लान रद्द कर दिया गया। अब यहां रहने वाले परिवारों को बाणगंगा और जिंसी स्थित मेट्रो डिपो के पास खाली पड़ी सरकारी जमीन पर शिफ्ट किया जाएगा। जहां 14 हजार पक्के मकान बनाए जाने हैं। इन आवासों का निर्माण पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत कराया जाएगा। शुक्रवार को संभाग कमिश्नर संजीव सिंह ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण सहित अन्य विभागों के अफसरों के साथ समीक्षा बैठक रखी गई।

हाई सिक्योरिटी जोन होने से हटेंगी वल्लभ भवन की झुग्गियां

नौ कलस्टर में डेढ़ लाख पक्के मकान बनाने का टारगेट

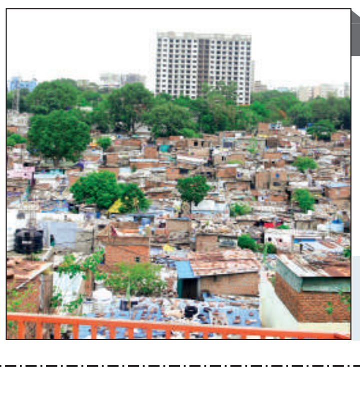

नगरीय प्रशासन सचिव के पास भेजा जाएगा प्रस्ताव

बैठक में अफसरों ने प्लान बी के बारे में कमिश्नर को विस्तार से बताया। जिसके लिए डीपीआर तैयार की जानी है। कमिश्नर ने भी सहमति दे दी है। इस प्रस्ताव को नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव के पास भेजा जाएगा। मंजूरी मिलते ही काम शुरू होगा। हालांकि जिला प्रशासन ने भोपाल में डेढ़ लाख मकान बनाकर शहर को स्लम फ्री करने का प्लान बनाया है। जिसकी शुरूआत बल्लभ भवन के आसपास की नौ बस्तियों से की जा रही है।

खाली हो जाएगी आसपास की सवा सौ एकड़ जमीन

बाणगंगा में 14 हजार आवास बनाए जाने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि वल्लभ भवन के आसपास की सवा सौ एकड़ जमीन खाली हो जाएगी। इसके साथ इन परिवारों को पक्के मकानों में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

आसपास क्षेत्र में बनेंगे कमर्शियल कांप्लेक्स

पहले चरण में वल्लभ भवन के आसपास की झुग्गियों का सर्वे किया गया है। यहां पीपीपी मॉडल के तहत पक्के मकान दिए जाएंगे। इसके साथ ही सुराज अभियान और रिडेंसीफिकेशन नीति के तहत आवासीय परियोजनाओं में मॉल, कमर्शियल कॉम्पलेक्स और प्राइम डेवलपमेंट कार्य भी किए जाएंगे। जिसके लिए कंपनी को जमीन दी जाएगी।

16 साल से चल रही कवायद

साल 2008 में जेएनएनयूआर प्रोजेक्ट के तहत सबसे ज्यादा 11 हजार 500 आवास बनाए गए। जिसमें अर्जुन नगर, मैनिट के पास बस्ती, कोटरा सुल्तानाबाद नेहरू नगर, 1100 क्वाटर्स के प्रोजेक्ट शामिल हैं। इन पर करीब 448 करोड़ खर्च हुए, पर अब कलियासोत कैचमेंट के भीतर झुग्गियां बन गईं। अब फिर शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 14 हजार फ्लैट बनाने का अभियान चल रहा है। इस पर करीब 546 करोड़ खर्च होंगे।

आपत्तिजनक दृश्य दिखाने पर वृंदावन में हड़कंप, संत समाज में आक्रोश

प्रेमानंद महाराज की एआई से तस्वीर बनाकर की वायरल

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

प्रेमानंद महाराज की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वृंदावन में हड़कंप मच गया है। इस मामले में प्रेमानंद महाराज के शिष्य गौतम चिलाना ने वृंदावन थाने में तहरीर दी है। जिसमें उन्होंने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। वृंदावन थाना प्रभारी प्रशांत कपिल ने बताया कि गौतम चिलाना की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है कि यह तस्वीर किसने बनाई और इसे किसने वायरल किया। वृंदावन के चतु संप्रदाय विरक्त वैष्णव परिषद के तत्वावधान में पंचकोसी परिक्रमा मार्ग स्थित गौतम ऋषि आश्रम में संत-महंतों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष महंत सनतकुमार दास महाराज ने की। इसमें प्रेमानंद महाराज की हाल ही में वायरल हुई विवादित फोटो को लेकर चर्चा की गई और संत समाज ने एक स्वर में इसका विरोध किया। वहीं, श्री हित राधा केली कुंज ट्रस्ट श्रीधाम की ओर से पत्र जारी कर अपील की गई है कि आप सभी को सूचना और सावधान करना है।

■ शिकायत के बाद पुलिस जांच में जुटी

फर्जी खबरों पर सख्ती की तैयारी में सिद्धारमैया सरकार

सात साल की सजा का प्रावधान, मसौदा तैयार किया

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

सोशल मीडिया पर फर्जी और गलत खबरों पर अंकुश लगाने के लिए कर्नाटक सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत सरकार ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और गलत जानकारी को रोकने के लिए एक सख्त कानून का मसौदा तैयार किया है। इस नए प्रस्तावित कानून का नाम है कर्नाटक मिसइनफॉर्मेशन एंड फेक न्यूज (प्रतिबंध) विधेयक, 2025। इसे जल्द ही कैबिनेट की अगली बैठक में पेश किया जाएगा। मामले में सरकार का कहना है कि भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है (वर्तमान में 27%) और सोशल मीडिया बहुत ताकतवर माध्यम बन चुका है। ऐसे में किसी भी झूठी खबर से देश में बड़ा बवाल मच सकता है। इसलिए लोगों को बिना सच्चाई जाने कोई भी मैसेज आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। वहीं इस कानून को लाने के पिछे के उद्देश्य की बात करें तो मामले में सिद्धारमैया सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया पर तेजी से फैलती झूठी और भ्रामक खबरें समाज की शांति, स्वास्थ्य, सुरक्षा और निष्पक्ष चुनावों में बाधा डालती हैं। इसी को रोकने के लिए यह सख्त कदम उठाया जा रहा है।

कानून में सख्त सजा का भी प्रावधान

कर्नाटक सरकार की ओर से जारी विज्ञाप्ति में बताया गया है कि अगर कोई जानबूझकर या लापरवाही से झूठी जानकारी फैलाता है, तो उसे 7 साल तक की जेल, या 10 लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। वहीं कर्नाटक के अंदर या बाहर कोई भी व्यक्ति अगर राज्य में रहने वाले लोगों को गलत जानकारी भेजता है, तो उसे 2 से 5 साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। इसके साथ ही अगर कोई फर्जी खबर फैलाने में किसी की मदद करता है, तो उसे 2 साल तक की जेल हो सकती है।

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम
Your host in the heart of India www.mpstdc.com
पर्यटन भवन, भदभदा रोड, भोपाल-462003
फोन : +91 755 4027100, 2774340/42, www.mpstdc.com
क्रमांक 235/यांत्रिकी/पविनि/25 दिनांक : 20.06.2025

निविदा सूचना 114/2025_STDC_432245_1

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम भोपाल द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा प्रपत्र APPENDIX 2.10 पर म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का नाम - **शौर्य स्मारक भोपाल की आर्ट गैलेरी हेतु एयर कंडीशनिंग का कार्य। (कार्यपूर्णता का समय 02 माह)। कार्य की अनुमानित लागत राशि रु. 49.00 लाख**
वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 04.07.2025** समय सायं 05:00 बजे तक निर्धारित है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
म.प्र. माध्यम/120742/2025 **कार्यपालन यंत्री**

पेज एक का शेष

माता परमेश्वरी...

सदा हमारे साथ रहेंगे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार, 21 जून को सुबह 10 बजे हमारे पैतृक गांव खांडा खेड़ी में होगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। याद रहे माता परमेश्वरी देवी जी आर्य समाज सेवा में हमेशा अग्रणी रहती थी। उन्होंने आर्य समाज से जुड़े सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिकाएं निभाईं। वो आर्य समाज के साथ-साथ खेती और समाज उत्थान में विशेष रुचि रखती थी। उनका हर संभव प्रयास रहता था कि हर जरूरतमंद की यदासंभव मदद की जाए। शनिवार को उनके अंतिम संस्कार में देशभर की अनेक राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक हस्तियां हिस्सा लेंगी।

40 लाख की गाएं दुग्ध...

निवास परिसर में राज्य स्तरीय गोशाला सम्मेलन में बोल रहे थे। इसमें प्रदेश भर से आए गो-पालक और गो-शाला संचालक शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गो-शालाओं को 90 करोड़ रुपए की अनुदान राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। उन्होंने भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के तीन हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप ऋण स्वीकृति आदेश भी दिए। गोसेवा और गोशाला संचालन के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाली संस्थाओं को वर्ष 2023-24 के लिए आचार्य श्री विद्यासागर जीवदया गोसेवा सम्मान पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर मंत्री, विधायक, महापौर समेत जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

दुग्ध उत्पादन समितियों...

हो रही हैं। सरकार इसके जरिए गरीबों के जीवन से कष्टों का नाश और सुख का मार्ग प्रशस्त करेगी।

प्राकृतिक खाद से...

व्यवस्था लागू की गई थी। अब राज्य सरकार ने अमृत समान गो-माता का दूध खरीदने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 7 गो-शालाएं पुरस्कृत हुई हैं और गो सेवी भी सम्मानित हुए हैं। यह भोपाल, दमोह, अनूपपुर, रायसेन, छिंदवाड़ा, हरदा और विदिशा जिलों के हैं। कार्यक्रम में 73 गो-शालाओं को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय के गोबर से किसान खाद बनाएं। सरकार प्राकृतिक खाद से उत्पादित अनाज का ज्यादा भाव देगी। उन्होंने कहा कि अभी हम गेहूं 2600 प्रति क्विंटल बेचते हैं, लेकिन यदि वह प्राकृतिक हो गया, तो 4000 से 5000 प्रति क्विंटल तक बिकेगा। वर्तमान में इंदौर, देवास, रीवा एवं कुछ अन्य जिलों में गो-शालाओं के माध्यम से सीएनजी गैस का उत्पादन किया जा रहा है। किसानों को रसायन मुक्त प्राकृतिक और जैविक खाद उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि बड़ी गोशाला खोलने के लिए राज्य सरकार 125 एकड़ जमीन प्रदान करेगी।

विशाखापत्तनम में...

लंबे गलियारे में आयोजित किया जाएगा और वहां 5 लाख से अधिक लोग एक साथ योग कर सकेंगे। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सुबह साढ़े छह बजे से आठ बजे तक निर्धारित इस कार्यक्रम को इस तरह से आयोजित किया जाएगा कि 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' सहित कई रिकॉर्ड स्थापित हों। दुनिया भर के कई देशों द्वारा मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की विषयवस्तु 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' रखी गई है।

सीएम डॉ. यादव...

सांसद जुराहो वीडी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आयुष सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिलेवार कार्यक्रमों में मंत्री, सांसद, विधायक शामिल होंगे। सभी को अनिवार्य रूप से कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए कहा गया है।

ईरान से भारतीय...

गया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का परिचायक माना जा रहा है। ईरान ने सिर्फ भारत के लिए खोला अपना हवाई क्षेत्र खोला है। इसके बाद 1,000 छात्र दिल्ली लौटेंगे। ईरान के इस कदम से तेहरान में फंसे हुए छात्रों की वापसी सुनिश्चित हो गई है। इससे उन सभी ने राहत की सांस ली है। पहली फ्लाइट देर रात और दूसरी और तीसरी फ्लाइट शनिवार को आएंगी। इनमें से एक सुबह और दूसरी शाम को नई दिल्ली पहुंचेगी। ईरान में कुल लगभग 10,000 भारतीय नागरिक मौजूद थे, जिनमें 6,000 छात्र शामिल हैं। अब तक विदेश मंत्रालय के अनुसार ईरान में कुल 10,320 भारतीय नागरिक मौजूद थे, जिसमें 445 भारतीय मूल के अन्य लोग भी शामिल हैं। यानी कुल मिलाकर 10,765 भारतीय ईरान में मौजूद हैं। वर्तमान युद्ध की स्थिति में, लगभग 6,000 भारतीय छात्र ईरान में हैं। जबकि बाकी अन्य नागरिक हैं। इनमें पेशेवर, व्यापारी आदि की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

जहर खाने से...

की प्रताड़ना से दोनों ने यह कदम उठाया। ससुर रुपयों को लेकर परेशान कर रहे थे। अशोकनगर जिले के बड़कागांव की उमा बाई ने बताया कि विगत 11 जुलाई को उनकी शादी राजकुमार से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद पति के घुटनों में पानी भरने की समस्या हुई, जिससे वे चलने-फिरने से भी लाचार हो गए। ऐसे में ससुर से रुपए लेकर पति इलाज करा रहे थे। इसी बात को लेकर ससुर परेशान करते थे। बीती शाम करीब चार बजे ससुर ने झगड़ा किया और दवा-गोली का हिसाब मांगा। चिकित्सा जांच का हिसाब पति ने दिया, लेकिन गोली-दवा का नहीं दे पाए, तो बोले कि इतने रुपए कहां से दूं, अपना कमाओ और इलाज कराओ। पति को चप्पल से भी मारा। साथ ही कहा घर से जाओ या जहर खाकर मर जाओ। इसके बाद नंद ने बचाव किया, तो उसे भी झगड़ा कर थप्पड़ मारा।

पति ने कहा...

इलाज के लिए भी नहीं लाए। नंद, सास और जेठ अस्पताल लेकर गए। पति राजकुमार की मौत के बाद गुना में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और मामले की जांच के लिए महिला के बयान दर्ज किए।

183 करोड़ की फर्जी...

जमा करवाईं, जिनकी कुल वैल्यू 183.21 करोड़ रुपए थी। हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने 9 मई 2025 को इस मामले में तीन अलग-अलग केस दर्ज किए थे। जांच के बाद सीबीआई ने 19 और 20 जून को देश के पांच राज्यों दिल्ली, पश्चिम बंगाल, गुजरात, झारखंड और मध्य प्रदेश में कुल 23 जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान कोलकाता से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें एक पंजाब नेशनल बैंक का सीनियर मैनेजर शामिल है। दोनों को कोलकाता की लोकल कोर्ट में पेश किया गया और अब इन्हें ट्रांजिट रिमांड पर इंदौर लाया जाएगा। सीबीआई फिलहाल इस पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी है। माना जा रहा है कि इसमें और भी सरकारी कर्मचारी और प्राइवेट एजेंसियां शामिल हो सकती हैं।

एयर इंडिया की...

को टिकट रद्द करने पर पूरे पैसों की वापसी या यात्रा को फिर से निर्धारित करने की पेशकश की है। रद्द की जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानें दुबई से चेन्नई के लिए एआई-906, दिल्ली से मेलबर्न के लिए एआई-308, मेलबर्न से दिल्ली के लिए एआई-309 और दुबई से हैदराबाद के लिए एआई-2204 थीं। ऐसे ही चार घरेलू उड़ानें पुणे से दिल्ली के लिए एआई-874, अहमदाबाद से दिल्ली के लिए एआई-456, हैदराबाद से मुंबई के लिए एआई-2872 और चेन्नई से मुंबई के लिए एआई-571 रद्द कर दी गई हैं। बयान में आगे कहा गया है कि विमानों पर बढ़ी जांच, हवाई क्षेत्र प्रतिबंध और खराब मौसम के कारण हम कुछ व्यवधानों से जूझ रहे हैं, जिसके बारे में यात्रियों को उचित रूप से सूचित किया जाएगा।

मदुरै जा रहे इंडिगो की उड़ान में तकनीकी खराबी चेन्नई लौटा: चेन्नई। मदुरै जाने वाली एक निजी एयरलाइन के विमान में शुक्रवार को बीच हवा में तकनीकी खराबी आ गई। इस वजह से उसे वापस चेन्नई लौटना पड़ा। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि करीब आधे घंटे की उड़ान के बाद इंडिगो एयरलाइंस के विमान के पायलट ने खराबी का पता लगाया और चेन्नई वापस आने और उतरने की अनुमति मांगी। इसके बाद करीब 68 यात्रियों को लेकर जा रहा विमान बाद में सुरक्षित रूप से यहां उतरा। सभी यात्रियों को विमान से उतार लिया गया।

मानवता के लिए ...

आमंत्रित किया गया। जब वे अमेरिकन विद्यार्थियों के बीच पहुंचे तो विद्यार्थियों ने सवाल किया कि पढ़ाई में मन नहीं लगता। स्वामी जी का जवाब था इसका एकमात्र उपाय है एकाग्रता। यह एकाग्रता उपजती है शांत मन से। शांत मन होता है ध्यान से। शांत मन दूषित विचारों से मुक्त होता है। शांति से निर्मित होती है सकारात्मक ऊर्जा। यह ऊर्जा सभी जीवों के लिए कल्याणकारी और हितकारी होती है। शांत चित्त वाला मनुष्य कभी गलत निर्णय नहीं ले सकता। जब शरीर, मन और आत्मा एकाकार हो जाएं तो अहित और अशुद्धि का सवाल कहां रह जाता है। कथा उपनिषद में योग को इंद्रियों पर नियंत्रण करने की विद्या कहा गया है। श्रीमद्भगवद् गीता में योग को दुख से वियोग होना कहा गया है। महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र में योग को मन के विचलन पर नियंत्रण की विधा बताया है। महर्षि अरविंद ने तो यहां तक कहा है कि संपूर्ण मानव जीवन ही एक योग है क्योंकि मनुष्य से कई चीजों का जोड़ है। योग का उद्देश्य परम चेतना में प्रवेश पाना है। यह परम चेतना क्या है जो योग से मिलती है? यह अवस्था ऐसी अवस्था है जब मन केवल न्याय और धर्म के साथ होता है। सिर्फ दया, करूणा, मैत्री और शांति जैसे मूल्य प्रखर होते है। यह अवस्था हर मनुष्य के लिये अनिवार्य है चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या समुदाय का हो या विश्व के किसी भी कोने में रहता हो। कल्पना करें कि जब एक साथ पूरा विश्व योग करे तो फिर भेदभाव कहां रह जाता है। मन में भौगोलिक सीमाओं का बोध समाप्त हो जाता है। फिर चाहे कोई भी देश हो पूरा विश्व एक हो जायेगा। यौगिक क्रियाओं से यदि मन एकरूप हो जाएं तो चित्त की प्रसन्नता निरंतर बनी रहती है।

भारतीय परंपरा में उल्लेख है कि प्रकृति ने ही तमाम योग मुद्राएं सिखाई हैं। यह सच है कि योग विद्या की विरासत को लगभग विस्मृत सा कर दिया गया था। हमें सिर्फ प्रयासपूर्वक जागने की जरूरत है। योग सदा से विदयमान था। किसी भी धर्म को देखें योग के दर्शन होंगे। योग और यौगिक क्रियाएं जीवन से गहरी जुड़ी हैं। अब एक नई और ओजपूर्ण शुरूआत हो चुकी है। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा स्थापित हुई है। मैं सभी प्रदेशवासियों से आहवान करता हूं कि वे योग को अपने जीवन का अहम हिस्सा बनाए, जिससे तन और मन दोनों स्वस्थ रह सकें।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Water Work Department
Municipal Corporation Rest House. Shyamla Hills. Bhopal Ph.no 0755-2701669
NOTICE INVITING e-TENDER
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

Online tenders are being invited for the following works . The bidder can obtained detailed information and tender documents on website http://mptenders.gov.in
Corrigendum for this NIT shall not be issued separately in newspapers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website http://mptenders.gov.in

S. No.	NIT No.	Tender ID	Details of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (EMD)	Bid Submission End Date
1	2	3	4	5	6	7
1	05/T.Sec./EE./W.W.D./2025-26 First Call	2025_UAD_432332_1	Supply and Installation of Monoblock pump set and Storage Tank with all fittings for water supply arrangement at Bhopal municipal corporation Headquarter under Zone No. 07	12,51,255.00	9,384/-	18.07.2025

Executive Engineer (WWD)
Municipal Corporation, Bhopal

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644

आवश्यकता

सभी जिला/ ग्रामीण क्षेत्र से अनुभवी / फ्रेसर Candidate की 10 वी पास एयरपोर्ट जॉब,ग्राउन्ड स्टाफ, हेल्पर, लोडर, ड्रायवर, सुपरवाइजर, वेतन-26500/- से 55000/- (रहना+खाना फ्री) 09013968764

नाम परिवर्तन

I, BORSE VAISHALI AMOL is legally wedded spouse of No. 15444323H Rank NK/LA Name BORSE AMOL GULAB and presently residing at UNIT- MH BHOPAL, I have change my name from VAISHALI AMOL BORSE to BORSE VAISHALI AMOL due to erronesouly mentioned my name as VAISHALI AMOL BORSE in service document of my husband. VAISHALI AMOL BORSE to BORSE VAISHALI AMOL both are name of mine and I am only one and same person. Affidavit-29AA 657175

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844
R- 20/06/25 to 24/06/25

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें। मो. 9407279644

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी **भोपाल बाजार** विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो. 9407279644

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय
(अल्पसंख्यक संस्थान) ऑन लाईन प्रकिया से मुक्त बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध

*DIRECT ADMISSION Admission Procedure According to MP Higher Education Guideline 2022-23
UG COURSE: B.A., BCA, BBA, B.P.E.S., B.Sc., B.Lib B.Com (Economics/Computer/Hon's)
PG COURSE: M.A : Hindi, English. Maths, Economics History, Political Science, Sociology & Social Work; M.Sc : Zoology, Botany, Chemistry, Physics, Computer Science, Microbiology & Biotechnology; M.Com : Accounts & Management; B.Ed. : Bachelor of Education (Online Counselling)
DIPLOMA COURSE: P.G.D.Y.S : PG Diploma In Yogic Science; P.G.D.C.A. : PG Diploma in Computer Appcation; D.El.Ed. : Diploma in Elementary Education
www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com
Mob. 9827208070, 9425346230, 9893194695, 9981291288, 7828186626
डी-1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

राशिफल

मेष: खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। लाभ में कमी रहेगी।

वृष: नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान रहेगा। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

मिथुन: नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यो में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

कर्क: शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सन्तान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। सुस्वाद खानपान में रुचि रहेगी।

सिंह: कारोबार में सुधार होगा। किसी मित्र का सहयोग मिलेगा। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा की मानसिकता हो सकती है। वाणी में सौम्यता रहेगी।

कन्या: किसी मित्र के सहयोग से नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

तुला: पिता से धन प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

वृश्चिक: तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। सेहत का ध्यान रखें। बातचीत में सन्तुलन बनाए रखें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

धनु: भाई-बहनों से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर: माता-पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में मेहनत अधिक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी। खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे।

कुंभ: कारोबार में कुछ परिवर्तन की सम्भावना बन रही हैं। आय में वृद्धि होगी। यात्रा खर्च बढ़ेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन: दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अपनी भावनाओं का वश में रखें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

शब्द पहेली - 5904

बाएँ से दाए
1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा-2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरूर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा-2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली - 5903 का हल

सूडोकु नवताल- 5914

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5913 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

जन्म : 30 अप्रैल 1936

परमेश्वरी देवी जी का जन्म हरियाणा के जींद जिले के जुलानी गांव में चौधरी अमृत सिंह सहारण के घर हुआ

वैदिक पथ के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी परमेश्वरी देवी के निधन से शोक की लहर

भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि बहू के कदमों में मां लक्ष्मी के क़दमों की आहट होती है। अगर अकेले मां शब्द का वाचन किया जाता है तो उसी में शक्ति की प्रतीक दुर्गा, ज्ञान की देवी सरस्वती, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी और आतिथ्य की देवी अन्नपूर्णा का समावेश एकमात्र मां शब्द में ही हो जाता है। माता परमेश्वरी देवी इन्हीं स्वरूपों का जीता जागता उदाहरण थी। वो जब बहू के रूप में सिंधु परिवार में आई तो परिवार में समृद्धि की नई उड़ान शुरू की। इसके बाद मां के रूप में माता परमेश्वरी देवी ने संस्कारों की नई बेल रोपित की, जिसमें पूरा परिवार सम्माहित था। हमेशा आर्य समाज के सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली माता जी हर जरूरतमंद की सहायता को अपना परम कर्त्वय समझती थी। उनका जीवन केवल सिंधु परिवार ही नहीं अपितु हर इंसान के लिए प्रेरणापुंज है: -

देहांत : 20 जून 2025

परमेश्वरी देवी जी दिल्ली में सांसारिक यात्रा पूरी कर परमात्मा के चरणों में विलीन हो गईं

दान, समर्पण, स्नेह और त्याग की प्रतिमूर्ति परमेश्वरी देवी

गुरुकुलीय शैक्षणिक संस्थाओं की कुलाधिपति थीं माताजी

माताजी परिवार द्वारा संचालित और पोषित सभी गुरुकुलीय शैक्षणिक संस्थाओं की कुलाधिपति थीं। वे सभी परिवार के सदस्यों एवं सभी संस्थाओं के आचार्यों से निरंतर उनके कार्यकलापों के बारे में जानकारी प्राप्त करती रहती थीं। माता जी पूर्वजों द्वारा स्थापित कुल परम्परा व संस्कारों की वाहिनी और एक स्पष्ट व्यक्तित्व के रूप में उभरीं। उन्होंने इस विरासत को आगे पीढ़ी-दर-पीढ़ी कैसे सुरक्षित रखा जाए, इसका हमें स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी प्रेरणा से खांडा खेड़ी गांव में भारत मित्र स्तंभ का निर्माण करने में इसी विरासत को मूर्त रूप प्रदान करने में प्रमुख योगदान रहा।

सिंधु भवन में भव्य वेद मंदिर का निर्माण करवाया

वैदिक संस्कृति को प्रकाशमान करने वाली परमेश्वरी देवी जी ने अपने पति चौ. मित्रसेन जी के साथ मिलकर सिंधु भवन में भव्य वेद मंदिर का निर्माण भी करवाया। इनके निवास स्थान सिंधु भवन में भव्य और विराट वेद मंदिर का निर्माण किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जन्मोत्सव हो या विवाह सहित कोई शुभ अवसर, पूरा सिंधु परिवार माताजी के सानिध्य में बैठकर यज्ञ करता था, यह क्रम आज भी जारी है। सिंधु परिवार में विवाह का विशेष अवसर होता तो परमेश्वरी देवी जी के मार्गदर्शन में वेद मंदिर में सुबह शाम 3 दिन तीन-तीन घंटे हवन किया जाता था।

महान आर्यसमाजी परमेश्वरी देवी जी के समूचे व्यक्तित्व और कृतित्व को शब्दों में बांधना अत्यंत दुष्कर कार्य है। जिसकी महिमा का वर्णन वाणी भी नहीं कर सकती, ऐसे विराट व्यक्तित्व की धनी थीं माता परमेश्वरी देवी जी। माता परमेश्वरी देवी जी धर्म और संतत्व की ऐसी प्रतिमूर्ति थीं जिनका सानिध्य पाकर आर्य संतों को भी अपार आनंद की अनुभूति होती थी। अथाह भौतिक संपदा के बावजूद इनकी सरल जीवन शैली सबको आश्चर्य में डाल देती थी। अपने अनन्य समर्पण, त्याग और संस्कारों से सिंधु परिवार को आलोकित करने वाली परमेश्वरी देवी जी का जन्म 30 अप्रैल 1936 को हरियाणा के जींद जिले के जुलानी गांव में हुआ था। जुलानी गांव के चौधरी अमृत सिंह सहारण के घर जब इस कन्या ने जन्म लिया तो कोई नहीं जानता था कि यह कन्या भविष्य में न केवल अपने गांव का नाम बल्कि अपने कुल, परिवार और समाज के साथ साथ वैदिक संस्कृति को भी गौरवान्वित करने वाली होगी। इस कन्या के चेहरे पर ईश्वरीय आभा थी और देवियों जैसा तेज था। ईश्वरीय गुणों का आभास होते ही माता-पिता ने प्रेम से अपनी कन्या का नामकरण ईश्वरी देवी के रूप में किया। कन्या के जन्म से पिता अमृत सिंह और माता भरपाई देवी का हृदय प्रसन्नता से भर गया। परमेश्वरी देवी जी जब मात्र 7 बरस की थीं तो नियति ने इनसे इनकी मां को छीन लिया। छोटी सी बच्ची के सिर से मां का साया उठ गया था। वे बचपन से ही निर्णय लेने में इतनी निपुण थीं कि परिवार के अतिरिक्त गांव में भी चर्चा होने लगी कि हरफूल जाट के कुनबे में बेटी के रूप में बेटे ने जन्म लिया है। किशोरावस्था में परमेश्वरी देवी अपने दादाजी की घोड़ी पर बैठकर खेतों की रखवाली करने जाती थी। परमेश्वरी देवी जी अपने सभी भाई बहनों में सबसे बड़ी थीं। इन्होंने अपने नौ भाइयों और तीन बहनों को बड़ी बहन के रूप में नहीं अपितु एक मां की तरह पाला पोसा। पिता अमृत सिंह अक्सर कहा करते थे कि हमारे नौ बेटों में जो शक्ति नहीं है, वह शक्ति इस अकेली बेटी में देखने को मिलती है।

8 मार्च 1949 : परमेश्वरी देवी और चौधरी मित्र सेन विवाह के सूत्र में बंधे

युवावस्था की ओर कदम बढ़ाने वाली परमेश्वरी देवी जी के गुणों की ख्याति आस-पास के गांवों में फैलने लगी। आर्य जगत के महान पथिक चौधरी शीशराम जी को जब परमेश्वरी देवी जी के गुणों के बारे में पता चला तो उन्होंने अपने यशस्वी पुत्र चौधरी मित्र सेन से इनका रिश्ता पक्का कर दिया। 8 मार्च 1949 को परमेश्वरी देवी जी और चौधरी मित्र सेन जी विवाह के सूत्र में बंध गए। परमेश्वरी देवी जी को कुलवधू के रूप में प्राप्त कर सास ससुर और समस्त सिंधु परिवार और उनका विशाल कुनबा प्रसन्नता से भर गया। परमेश्वरी देवी जी ने आदर्श बहू बनकर अपने सास-ससुर का हृदय जीत लिया। सर्वगुण संपन्न बहू पाकर सास श्रीमती जिओ देवी जी धन्य हो गई। श्रीमती जिओ देवी जी एक साध्वी की तरह परमात्मा की भक्ति में लीन रहती थीं। वे वैदिक जीवन के अनुसार अपना जीवन यापन करती थी। नई नवेली बहू ने गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी सास के वैदिक धर्म को भी अपना लिया। धर्म परायण बहू और सास के मैत्री भाव को देखकर ससुर चौधरी शीशराम जी अक्सर कहा करते थे कि हमें बहु नहीं बल्कि बेटी मिली है।

सेवा की मिसाल : 35 साल तक ससुर की आंखें बनीं परमेश्वरी

सौ वर्ष तक जीवित रहने वाले आपके ससुर चौधरी शीश राम जी को काला मोतिया था। जब चौ. शीशराम जी की आंखों की रोशनी धीरे-धीरे खत्म होने लगी तो पूरा परिवार घबरा गया था। इस खतरनाक बीमारी के कारण अंत में उनकी आंखों की रोशनी पूरी तरह चली गई। उन्होंने अपने ससुर की जो सेवा की वह मिसाल बन गई। चौधरी शीशराम जी बिना किसी भय के 35 वर्ष तक नेत्रहीन का जीवन जिए क्योंकि माता परमेश्वरी देवी उनकी आंखों की रोशनी बन चुकी थीं।

देश प्रेम

अपने तीन पुत्रों को सेना में अधिकारी बनाया

परमेश्वरी देवी जी ने अपनी सभी संतानों को राष्ट्रवाद और देशभक्ति के संस्कारों से पोषित किया। आपने अपने छह पुत्रों में से तीन पुत्रों को भारत माता की सेवा करने के लिए सेना में भेजा। एक ही परिवार से तीन पुत्रों का सेना में जाना बहुत बड़ी बात है। इनके दो पुत्र कैप्टन तथा एक पुत्र मेजर जैसे सम्माननीय पदों को सुशोभित कर चुके हैं। आपके सबसे बड़े पुत्र कैप्टन रूद्रसेन जी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी हैं और सेना में कैप्टन रह चुके हैं। कैप्टन अभिमन्यु जी ने भी भारतीय सेना में 5 वर्ष तक भारत माता की सेवा की। सबसे कम उम्र में सेना में कमीशन प्राप्त किया और कैप्टन का गौरवशाली पद प्राप्त किया। परमेश्वरी देवी जी के तीसरे पुत्र मेजर सत्यपाल आर्य जी 12 वर्ष तक भारतीय सेना में रहे और देश की सेवा करते हुए मेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

2011 में चौधरी मित्रसेन आर्य जी का देहावसान

27 जनवरी 2011 को लंबी बीमारी के बाद वैदिक पथ के पथिक चौधरी मित्रसेन आर्य जी का देहावसान हो गया। परमेश्वरी देवी जी ने संकट की इस घड़ी में पूरे परिवार को संभाला और कभी भी अपने बच्चों को पिता की कमी महसूस नहीं होने दी। परमेश्वरी देवी जी की नम्रता का परिचय इसी बात से मिलता है कि जब भी कोई उनसे पूछता कि माता जी आपने इतना लंबा सफर कैसे बिताया और अकेले सब समाज, परिवार सबको किस तरह संभाला तो वे अक्सर यही जवाब देती थीं कि मनै के करया है मनै तो अपणे बालक पाले हैं और अपणा फर्ज निभाया है।

सांसारिक यात्रा पूरी करने तक सेवा में लगी रहीं

2020-21 में आए कोरोना काल के समय भी परमेश्वरी देवी जी ने पूरे परिवार और रिश्तेदारों, और उनके बच्चों का मनोबल बढ़ाया।अपने पति चौधरी मित्र सेन जी के पदचिन्हों पर चलते हुए वे सेवाभाव का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कोरोना पीड़ितों की मदद करने के लिए राहत कोष में अभूतपूर्व योगदान दिया। 12 अक्टूबर 2023 को परमेश्वरी देवी जी के संरक्षण में खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ देश को समर्पित किया गया। इसका लोकार्पण आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत जी और योग गुरु रामदेव जी ने किया। 20 जून 2025 को परमेश्वरी देवी जी सांसारिक यात्रा पूरी कर परमात्मा के चरणों में विलीन हो गईं।

भरे पूरे परिवार के साथ माता जी

परमेश्वरी देवी जी का जन्मदिन पूरा परिवार एक साथ मिलकर मनाता था। तस्वीर में पूरा परिवार एक साथ नजर आ रहा है।

मित्रसेन जी के साथ परमेश्वरी देवी

परमेश्वरी देवी जी मित्रसेन जी के साथ हर काम में कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं। घर का काम हो या खेत खलिहान का कभी पीछे नहीं हटीं। दोनों की एक यादगार तस्वीर।

स्वामी धर्मानंद सरस्वती, आचार्य, गुरुकुल आश्रम आमसेना, ओडिशा

परमेश्वरी देवी ने हमेशा पुरुषार्थ को जीवन का आधार बनाया

परमेश्वरी देवी जी के साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति को मैंने अनेक बार स्वयं अनुभव किया है। मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति में भी उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनी रहती थीं। अनेक ऐसे अवसर आए जब चौधरी साहब का परिवार संकट के दौर से गुजर रहा था, उस समय इन्होंने अपनी इच्छा शक्ति के बल पर परिवार को न केवल शक्ति प्रदान की, बल्कि पूरे परिवार को निराशा के दौर से भी बचाया। परमेश्वरी देवी ने हमेशा पुरुषार्थ को अपने जीवन का आधार बनाया और अपने बच्चों को भी हमेशा पुरुषार्थ के बल पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इनका जीवन नारी जाति के लिए अनुकरणीय है। इतनी अधिक आयु होने के बावजूद ये सदैव कर्म और पुरुषार्थ को अपने जीवन का आधार मानती रहीं। अनुशासन और नियमों का पालन करना उनकी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।

कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं

स्व. चौधरी मित्र सेन जी आर्य उच्च कोटि के नेता महान पुरुषार्थी थे। चौधरी मित्रसेन जी आर्य के फर्श से अर्श तक ऊंचा उठने का श्रेय माता परमेश्वरी देवी के पुरुषार्थ को जाता है। जब चौधरी मित्रसेन जी आर्य की आर्थिक स्थिति सामान्य थी तब भी तथा बाद में भी परमेश्वरी देवी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं। उन्होंने पग-पग पर अपने पति का साथ दिया। यह कहावत प्रसिद्ध है कि मनुष्य की सफलता के पीछे किसी महिला का सहयोग होता है, इस प्रकार सिंधु परिवार की उन्नति के पीछे माता परमेश्वरी का सर्वाधिक सहयोग रहा है। माता जी जैसी सूझबूझ की धनी उदार, यज्ञ प्रेमी, अतिथि सेवा करने वाली कोई-कोई महिला मिलेगी।

परमेश्वरी देवी जी ने विशाल परिवार को एक सूत्र में बांधे रखा

पूज्या श्रद्धामयी माता परमेश्वरी देवी जी के जीवन का मैंने बहुत ही गंभीरता से मूल्यांकन किया है। एक बड़े संयुक्त परिवार को एक सूत्र में बांधे रखने के लिए जिस विवेक, सूझबूझ, उदारता, सबके प्रति पूर्ण प्रीति, एकात्मता, क्षमाशीलता, धैर्य, त्याग, तेजस्विता, शुचिता एवं पूर्ण सात्विकता या दिव्यता होनी चाहिए, वे सभी गुण पूज्या माताजी में थे। हम सबके पिता समान चौधरी मित्रसेन आर्य जी कहते थे कि ईश्वर भक्त कभी भी उदास व पहाड़ के समान दुःख आने पर भी विचलित नहीं होता एवं कभी भी अकेलापन अनुभव नहीं करता, अपने नाम के अनुरूप ही पूज्या माताजी परमेश्वरी देवी परमेश्वर के साथ सदा एकीकृत होकर जीती थीं।

-स्वामी रामदेव, योग गुरु, पंतजलि योगपीठ, हरिद्वार, उत्तराखंड।

संघर्षों से तपकर कुंदन बनीं माता परमेश्वरी देवी जी

वैदिक पथ के पथिक, आर्यश्रेष्ठी चौ. मित्रसेन आर्य की सहधर्मिणी माता परमेश्वरी देवी नारी जाति का गौरव थीं। भारतीय संस्कृति के ग्राम्य परिवेश में पली-बढ़ी एक बाला आर्यकुल की वधू बनकर स्वयं को आर्य परम्परा के लिए समर्पित कर देती है। इनका जीवन श्रम व संघर्ष का जीवन रहा है। वे निर्भीकता, विचारशीलता तथा जीवन्तता के साथ संघर्षों से निकलकर कुंदन बन गईं। उन्होंने सदैव मर्यादित जीवन की जीवनी बनकर जीवन-यापन किया। आपने कर्मयोगी पतिदेव तथा पुत्रों को व्यापार व उद्योग के क्षेत्र में भावनात्मक सम्बल प्रदान करते हुए सदैव उत्साहित किया। इसी कारण संकटापन्न स्थिति में भी आप दृढ़तापूर्वक चौधरी साहब के साथ खड़ी रहीं।

-डॉ. सुकामा, पद्मश्री अवॉर्ड विभूषित

माता जी के समूचे जीवन में आर्यत्व निहित

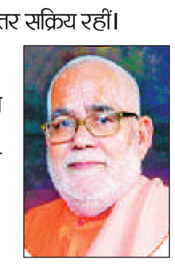

परमेवरी देवी जीवन भर वैदिक और आर्ष शिक्षा के प्रचार-प्रसार में निरंतर सक्रिय रहीं। शिक्षक होने के साथ-साथ आप महान संन्यासी और यज्ञ प्रेमी भी रही हैं। आप माता के सभी गुणों से ओत-प्रोत थीं। आपके समस्त जीवन में आर्यत्व निहित था। आपका परोपकारमय जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी रहेगा। आपने अपने पुत्र-पुत्री, पौत्र-पौत्री, प्रपौत्र-प्रपौत्री आदि को सभ्य संस्कार प्रदान किए हैं। परिवार के सदस्यों के सभ्य गुणों का अवलोकन कर यह निश्चित हो जाता है कि माता जी का जीवन पूर्णरूपेण सफल रहा। माताजी सुख-दुःख, लाभ-हानि, जय-पराजय आदि में धर्मपूर्वक एक समान रहती थीं। ये गुण सरलता से प्राप्त नहीं होते हैं, इनके लिए यज्ञ, जप, तप, ध्यान, योग, दान आदि को अपने जीवन में समाहित करना पड़ता है। आदरणीया माता परमेश्वरी देवी जी ने आदरणीय स्व. चौ. मित्रसेन जी के साथ निरन्तर अहर्निश सत्प्रयत्न कर परिवार को उन्नतिपथ पर अग्रसरित किया था।

-स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, गुरुकुल गौतम नगर, नई दिल्ली

मोहन भागवत सिंधु भवन मिलने आए

आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत जी रोहतक में आए तो उन्होंने सिंधु भवन पहुंचकर माता परमेश्वरी का आशीर्वाद लिया और उनके स्नेह के कायल हो गए।

लड़कियों की पढ़ाई पर जोर

परमेश्वरी देवी जी के मार्गदर्शन में परम मित्र मानव निर्माण संस्थान अनेक गुरुकुल संचालित कर रहा है। विशेषकर लड़कियों की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। ओड़िशा में छात्राओं के लिए छात्रावास और भोजन की व्यवस्था भी संस्थान की ओर से की जाती है।

मित्र स्तंभ की यादगार तस्वीर

परमेश्वरी देवी जी के संरक्षण में खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ 2023 में देश को समर्पित किया गया। चौधरी मित्रसेन की प्रतिमा के साथ परमेश्वरी देवी जी की यादगार तस्वीर।

ऋषियों जैसे स्वभाव से विभूषित माता परमेश्वरी देवी ने उपनिषद के सूत्र 'अतिथि देवो भवः' को अपने जीवन में आत्मसात किया

आतिथ्य सत्कार का सर्वोच्च आदर्श, आर्य जगत अन्नपूर्णा देवी के रूप में जानता है

ऋषियों जैसे स्वभाव से विभूषित माता परमेश्वरी देवी जी का आतिथ्य सत्कार अतुलनीय रहा। उपनिषद के सूत्र अतिथि देवो भवः को अपने जीवन में आत्मसात करने वाली माताजी अतिथि सेवा को अपना सौभाग्य मानती थीं, जिसके कारण समस्त आर्य जगत माता जी को अन्नपूर्णा देवी के रूप में जानता है। इनके आतिथ्य भाव का साक्षात्कार साधु-संतों, योगियों, आर्य विद्वानों से लेकर देश के प्रधानमंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने भी अनेक बार किया है। बड़े-बड़े उद्योगपति, नामी समाजसेवी और राजनेता माता जी का अतिथि सत्कार ग्रहण करने के लिए बरबस ही सिंधु भवन की ओर खिंचे चले आते थे। आध्यात्मिक, राजनीतिक, सामाजिक और उद्योग जगत की विशिष्ट हस्तियों के अतिरिक्त बॉलीवुड के सदाबहार कलाकार धर्मेंद्र भी माता जी के आथित्य सत्कार की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर चुके हैं। देश के विभिन्न भागों से दिल्ली और चंडीगढ़ आने वाले विशिष्ट लोग फाइव स्टार होटल में भोजन करने के बजाए माता जी द्वारा परोसे गए सात्विक भोजन को ग्रहण करने के लिए लालायित रहते थे। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी जब स्वर्गीय चौ. मित्र सेन जी से सिंधु भवन में मिलने आए थे तो वे भी माता परमेश्वरी देवी जी द्वारा निष्काम भाव से किए गए आथित्य सत्कार से अभिभूत हो गए थे। अतिथि सेवा से गदगद होकर उन्होंने माता जी को अन्नपूर्णा देवी की संज्ञा दी थी। कवि हृदय वाले वाजपेयी जी ने चौ. मित्र सेन जी की ओर देखकर कहा था कि आप अत्यंत सौभाग्यशाली हैं क्योंकि आपको अन्नपूर्णा जैसी धर्मपत्नी प्राप्त हुई है।

जब स्वामी रामदेव भावुक हो गए, बच्चे की तरह माता जी के कंधे पर रख लिया सिर

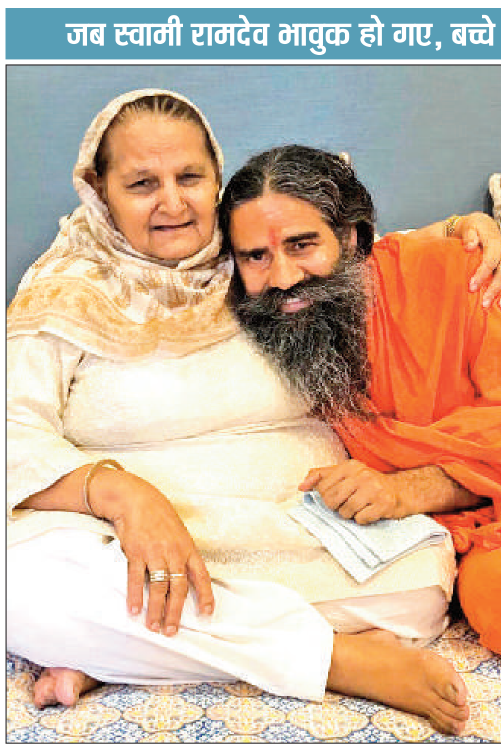

बॉलिवुड अभिनेता धर्मेंद्र जब सिंधु भवन पहुंचे तो वहां का संस्कारित माहौल देखकर चकित रह गए। स्वामी रामदेव एक बार माताजी के वात्सल्य और अतिथि के प्रति समर्पण भाव को देखकर इतने भावुक हो गए कि उन्होंने अपना सिर माताजी के कंधे पर रख दिया। एक बालक की तरह उन्होंने अपनी आंखें बंद कर लीं और भाव विह्लल होकर माताजी के गले लग गए। चौधरी मित्र सेन जब भी हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में जाते थे तो माताजी स्वामी रामदेव जी के लिए देसी घी और बूरा अवश्य भिजवाया करती थीं। योग गुरु स्वामी रामदेव जी के साथ पतंजलि योगपीठ के पीठाधीश्वर आचार्य बालकृष्ण जी भी सिंधु भवन में माता जी की अतिथि सेवा का आत्मिक सुख प्राप्त कर चुके हैं।

देखा माता जी का वात्सल्य

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, ओम प्रकाश जिंदल, स्वामी अग्निवेश जी, स्वामी इंद्रवेश जी, महान तपस्वी स्वामी दीक्षा नंद सरस्वती जी, प्रख्यात पत्रकार एचडी शौरी आदि माता जी के आतिथ्य सत्कार का साक्षात्कार कर चुके हैं। आर्य समाज संस्थाओं के प्रख्यात विद्वानों, मनीषियों, भजनोपदेशकों और गुरुकुलों के आचार्यों ने भी माताजी के अन्नपूर्णा स्वरूप के दर्शन किए हैं।

घृतश्च्युतो विराजो नाम कामदुधा अक्षीयमाणाः

वेदों में नारियों को अन्नपूर्णा कह कर संबोधित किया गया है। यहां अनायास यजुर्वेद का एक मंत्र याद आ जाता है : **घृतश्च्युतो विराजो नाम कामदुधा अक्षीयमाणाः।।**
अर्थात हे! घर में रहने वाली देवियों, तुम घी बहाने वाली हो, मधु बहाने वाली हो, विविध खानपान आदि वस्तुओं से शोभित हो। तुम कामधेनु हो। तुम्हारे पास अन्न, दूध, घृत आदि ऐश्वर्य भरे रहते हैं जो कभी समाप्त नहीं होते। उनसे तुम परिजनों और अभ्यागतों को तृप्त करती रहो। अन्नपूर्णा के रूप में विराजमान माता परमेश्वरी देवी जी की रसोई में भी दूध, घी और अन्न के भंडार कभी समाप्त नहीं होते थे। सिंधु भवन में पधारने वाले संतों, विद्वानों और अतिथियों को माताजी कामधेनु के रूप में तृप्त करती हैं।

खबर संक्षेप

नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर वर्कशॉप

भोपाल। भारत सरकार द्वारा लागू नवीन आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न स्तंभों के लिए रविवार को मिंटो हॉल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में एडीजी, आईजी, एसपी तथा एडीशनल एसपी तथा जिलों के न्यायाधीश, मेडीकल ऑफिसर्स, अभियोजन, कारागार तथा फोरेंसिक साइंस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहभागिता करेंगे।

नशा मुक्ति जागरुकता की दिलाई गई शपथ

भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर में शुक्रवार को केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो भारत सरकार के नशा मुक्ति पखवाड़ा अंतर्गत परिसर में प्राध्यापकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं को नशे के विरुद्ध जागरूकता के लिए निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर परिसर के व्याकरण विभाग के आचार्य प्रो. सुबोध शर्मा ज्योतिष विभाग के आचार्य प्रोफेसर भारत भूषण मिश्रा शिक्षा विभाग के प्रोफेसर गोविंद गोविंद पाण्डेय प्रोफेसर अशोक कुमार कछुवाह कार्यक्रम के संयोजक एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉण राकेश कुमार वर्मा, नाटक विभाग के डॉ. प्रसाद भिड़े, डॉ. संगीता गुंदेचा सुमित सक्सेना सहित पंकज पाण्डेय, हर्षराज दुबे, श्रेष्ठा, मयूर सनित आदि मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में वीडी करेंगे योग

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सुबह 7.30 बजे प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक योग करेंगे। योग दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेश भर में योग शिविर आयोजित कर सामूहिक योग में भाग लेंगे।

अपेक्स बैंक मुख्यालय में हुई कार्यशाला

भोपाल। राजधानी स्थित अपेक्स बैंक मुख्यालय में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की महत्वाकांक्षी सहकार से समृद्घि योजनान्तर्गत जिला सहकारी बैंकों से सम्बद्ध बहुदेशीय सहकारी समितियों में व्यवसाय के विविधीकरण के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला को बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने सम्बोधित करते हुए विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर बैंक के वि.क.अ. अरुणा दुबे, अरुण मिश्र, संजय मोहन भटनागर, कृति सक्सेना, उप महाप्रबंधक केटी.सज्जन, विकअ अरविन्द बौद्ध व आरसी पटले सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण व समिति प्रबंधक उपस्थित हुए।

वन ग्रामों में सर्वे कराएंगे, जो छूट गए हैं, उन्हें भी दिए जाएंगे पट्टे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की वन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वन ग्रामों में भी पट्टे दिए जाएंगे। वन ग्रामों में सर्वे करवाया जाएगा। जो पात्र व्यक्ति छूट गए हैं, उन्हें भी ससम्मान पट्टे दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सघन वन मध्यप्रदेश की पहचान है, इसलिए वन विभाग प्रदेश की बेजोड़ सघन वन सम्पदा एवं वन्य जीव पर्यटन सुविधाओं में और अधिक विस्तार कर अपनी स्थाई आय के साधन बढ़ाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा रहे थे। उन्होंने कहा कि मप्र में आने वाले पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बाघ का दिखाई देना है, जो वन विभाग की आय का प्रमुख साधन भी है। उन्होंने कहा कि बफर एरिया में जरूरी सुविधाओं का विस्तार करें और विशेषज्ञों की सेवाएं लें। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ वन अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे गुजरात के वनतारा जाएं, उनका वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर देखें और मप्र में भी ऐसे ही बड़े रेस्क्यू सेंटर की स्थापना की संभावनाओं पर गहनता से अध्ययन करें।

देश के पांच सर्वोत्तम टाइगर रिजर्व में तीन मप्र के

अपर मुख्य सचिव वन वर्णवाल ने बताया कि केंद्र सरकार ने देश के सभी टाइगर रिजर्व की ग्रेडिंग की थी। देश के पांच सर्वोत्तम टाइगर रिजर्व में से तीन मप्र के हैं। यह प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि गत वित्त वर्ष में देश में 1.67 लाख से अधिक वन पर्यटक टाइगर रिजर्व में आए। इनमें से 80 हजार से अधिक वन पर्यटक मध्यप्रदेश के तीन टाइगर रिजर्व में आए। मप्र में वर्तमान में 9 टाइगर रिजर्व संचालित हैं। सागर जिले में 258.64 वर्ग किमी वन क्षेत्र में डॉ. भीमराव आंबेडकर अभयारण्य की स्थापना की अधिसूचना जारी की गई है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पदस्थ वनकर्मियों का करेंगे सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पदस्थापना वाले वनधिकारियों एवं कर्मचारियों को पौष्टिक आहार भत्ता एवं विशेष भत्ता आदि देकर उनका सम्मान किया जाएगा। साथ ही वन सुरक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले वनकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देने पर भी वन विभाग विचार कर प्रस्ताव दें।

4.31 लाख हेक्टेयर बिगड़े वन अब अच्छे वन में बदले

बैठक में बताया गया कि वन विभाग के सभी नक्शे गतिशक्ति पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं। यह नक्शे गूगल अर्थ पर उपलब्ध हैं। संयुक्त वन प्रबंधन पद्धति के माध्यम से प्रदेश में 4.31 लाख हेक्टेयर बिगड़े वनों को अब अच्छे वन में परिवर्तित कर दिया गया है। प्रदेश के 925 वन ग्रामों में से 792 वन ग्राम, राजस्व ग्राम में परिवर्तित कर दिए गए हैं। संरक्षित क्षेत्र के 66 वन ग्रामों में कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि मप्र राज्य जैवविविधता बोर्ड के तहत प्रदेश के पांच स्थलों यथा पातालकोट, नरो हिल्स, अमरकंटक, सिरपुर झील एवं वाल्मी परिसर भोपाल को जैवविविधता विरासत स्थल घोषित किया गया है।

उज्जैन और जबलपुर जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना की तैयारी

अपर मुख्य सचिव वन वर्णवाल ने बताया कि वन विभाग ने 160 किमी संरक्षित क्षेत्रों में फेंसिंग कराने का प्रस्ताव दिया है। उज्जैन में जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना के लिए डीपीआर तैयार कर मंजूरी के लिए (सीजेडए), नई दिल्ली को भेज दी गई है। जबलपुर में भी जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है।

केंद्र और प्रदेश के मंत्रियों समेत विधायकों और राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने व्यक्त की शोक संवेदनाएं

देश के गुरुकुलों, आर्य समाज की संस्थाओं में निभाई अग्रणी भूमिका, परमेश्वरी देवी जी ने की हर जरूरतमंद की सहायता

श्रद्धांजलि

भोपाल। राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार हरिभूमि-पत्र समूह के मालिक, वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु जी की माताजी श्रीमती परमेश्वरी देवी जी का शुक्रवार को निधन हो गया। उनके निधन पर केंद्रीय, प्रदेश के मंत्रियों समेत विधायकों और राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। सभी ने दिवंगत आत्मा को ईश्वर के श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

इन दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

ईश्वर दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु जी की पूज्य माता श्रीमती परमेश्वरी देवी जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति दें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने माताजी परमेश्वरी देवी जी के निधन पर जताया शोक

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार हरिभूमि-पत्र समूह के मालिक एवं हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यू की माताजी श्रीमती परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अग्रवाल ने पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदनाएं

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने बाबा महाकाल से अभिमन्यु परिवार को इस वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना भी की है। अग्रवाल ने कहा कि श्रीमती परमेश्वरी देवी जी आर्य समाज सेवा में हमेशा अग्रणी रहती थी। उन्होंने आर्य समाज से जुड़े सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिकाएं निभाईं। उनका हर संभव प्रयास रहता था कि हर जरूरतमंद की यथासंभव मदद की जाए।

केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उईके ने जताया शोक

केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी परमेश्वरी देवी जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि देशभर के अनेक गुरुकुलों व आर्य समाजी संस्थाओं में उनकी अग्रणी भूमिका थी। वे अपने पीछे 6 बेटों और 3 बेटियां का भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं हैं। उनका उच्च संस्कार परिवार व समाज के बीच सदैव अमिट रहेंगे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

पटवारी ने प्रकट की शोक संवेदनाएं

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार हरिभूमि-पत्र समूह के मालिक एवं हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी श्रीमती परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से शोकाकुल परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

विधायक रामेश्वर ने पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी के निधन पर जताया शोक

वैदिक पथ के पथिक चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी व हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी परमेश्वरी देवी के निधन पर भोपाल से हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने गहन दुख व्यक्त किया है। रामेश्वर शर्मा ने कैप्टन अभिमन्यु और अन्य परिजन के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए परमपिता परमात्मा से मृत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने बाबा महाकाल से अभिमन्यु परिवार को इस वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना भी की है।

माताजी परमेश्वरी देवी जी के निधन पर सारंग ने व्यक्त की शोक संवेदनाएं

मंत्री विश्वास सारंग ने वैदिक पथ के पथिक चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी व हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। सारंग ने कैप्टन अभिमन्यु को ढांढस बंधाया है। सारंग ने कहा है कि माता के समान कोई सहारा नहीं है। माता के समान कोई रक्षक नहीं है और माता के समान कोई प्रिय नहीं है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं पूरे परिवार के साथ है। सारंग ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

शोकाकुल परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें ईश्वर

मप्र सरकार के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार हरिभूमि-पत्र समूह के मालिक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता, हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता श्रीमती परमेश्वरी देवी जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मंत्री शुक्ला ने दिवंगतआत्मा की शांति के साथ प्रभु के श्री चरणों में स्थान एवं दंदरौआ धाम श्री हनुमान जी महाराज डॉक्टर साहब से शोकाकुल परिवार को इस वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

दिवंगत आत्मा को प्रभु चरणों में स्थान प्रदान करें

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यू की माताजी परमेश्वरी देवी जी के देवलोक गमन का समाचार मिला, जिससे काफी व्यथित हूं। भगवान से प्रार्थना है कि उन्हें श्री चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

मुकेश नायक, अध्यक्ष मीडिया विभाग मप्र कांग्रेस

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने जताया शोक

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार हरिभूमि-पत्र समूह के मालिक और पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। हितानंद ने दिवंगत आत्मा को प्रभु के श्री चरणों में स्थान प्रदान करने और शोकाकुल परिवार को इस वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पचौरी ने जताई शोक संवेदनाएं

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी ने हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माताजी श्रीमती परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्री चरणों में स्थान देने एवं शोकाकुल परिवार को इस वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

अब सार्थक होकर ही रहेगा यह एप...

कॉलेजों के प्रोफेसर्स के अलावा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को शासन की ओर से सार्थक एप जारी किया गया है, जिस पर उपस्थिति होने पर ही तन्ख्वाह मिलने की बात बार बार दोहराई जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग भी इस पर जोर देते हुए दो बार नोटिफिकेशन जारी कर चुका है। लेकिन आखिर वह कौन से वजह है जिसका लगातार विरोध होता रहा है। अब भले ही विरोध नहीं हो, लेकिन कुछ समय पहले इसकी तमाम कमियां गिनाते हुए जमकर विरोध किया गया। यहां एक बात ऐसी भी सुनने में आई है कि इसका ज्यादा विरोध वहीं से हो रहा है, जहां शिक्षक या अन्य अधिकारी अपने काम के समय पर नहीं पहुंचते थे। यहां तक की वेतन भी बटाई चल रहा था। हर काम के दाम की स्थिति अब भले ही नहीं होगी, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में किसी समय पर इनकी हाजिरी और वेतन को लेकर मनमर्जी के हालात बेकाबू होने तक की बात सुनी गई। धीरे-धीरे माहौल काबू में आ रहा है। अब लगता है, इस बार यह एप असली हाजिरी लेकर ही वेतन देगा और अपनी सार्थकता सिद्ध करके की मानेगा।

साहब के पास बात करने का समय निकलने लगा

शहर के एक विश्वविद्यालय में हाल ही में एक साहब का ट्रांसफर हो गया है। अब वे शहर के ही दूसरे विश्वविद्यालय में सेवारत हैं। उनके कार्यकाल में पहले वाले विश्वविद्यालय में कामों का बोझ इतना अधिक होता था कि वे किसी से बात तक नहीं कर पाते थे। लेकिन उनके जाने के बाद नए साहब आए हैं। वे भी लगता है उतना ही काम करते होंगे, लेकिन उनके पास कम से कम कुछ सेकंड की बात के लिए समय निकल पा रहा है। यह बड़ी सुखद बात है, क्यों कि कई बातें ऐसी होती थीं, जो बिना वार्तालाप के अधूरी और अपुष्ट मानी जाती थीं। अब ऐसे में क्या कहें, पहले वाले साहब के जाने का काम पर तो नहीं दिखा, लेकिन फोन पर ही रही पर कुछ सेकंड के आवश्यक संपर्कके सुख की चर्चाएं अब विवि से जुड़े लोगों के मुंह से सुनी जाने लगी हैं। अच्छी बात है।

साहब हो गए फटकार के शिकार

स्कूल शिक्षा विभाग लगातार अपने आदेशों और शिक्षक भर्ती को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। हालांकि इस बार तबादलों को लेकर ज्यादा सुर्खियों में है। ताबड़तोड़ आदेश के होड़ में कई आदेश पहले जारी और फिर इनमें संशोधन किए जा रहे हैं। इसी भागदौड़ में भोपाल के एक बड़े अधिकारी आला अफसरों की फटकार शिकार हो गए। दरअसल, जिले के कुछ कर्मचारियों की तबादले को लेकर आई फाइल को साहब ने लेट कर दिया, जबकि 16 जून को वह फाइल डिस्पेच होनी, लेकिन नहीं हो सकी। फाइल अटकने के चक्कर में साहब को आला अधिकारियों ने तलब कर लिया और जमकर फटकार लगाई। जिसके बाद अब फाइल लोक शिक्षण संचालनालय भेजी गई है।

आला अधिकारी भी बाबू को नहीं हटा पाए

राजधानी के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ एक बाबू इन दिनों जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के आला अधिकारी पर भारी पड़ रहा है। दर्जनों शिकायतों के बाद कई माह तक जांच और फिर फाइलों के गायब होने को लेकर सुर्खियों में रहने वाला बाबू को हटाने के लिए मुख्यालय से लेकर संभाग स्तर से भी सिफारिश की गई, लेकिन सब सिफारिशों पर वह भारी पड़ गए। कई वर्षों से यहां पदस्थ होने के चलते बाबू पर गंभीर आरोपों के साथ शिकायतें पेंडिंग हैं, लेकिन बाबू के मैनेजमेंट के आगे सभी जांचे फीकी पड़ गई हैं।

- संजीव सक्सेना/दीपेश कौरव

जूट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने जानी मप्र की एडवांस्ड फूड ग्रेन प्रोक्योरमेंट प्रणाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जूट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया और कॉटन कार्पोरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल में मप्र की एडवांस्ड फूड ग्रेन प्रोक्योरमेंट प्रणाली के बारे में जानकारी ली।

एमडी नागरिक आपूर्ति निगम अनुराग वर्मा प्रणाली ने इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने मप्र के प्रोक्योरमेंट सिस्टम की सराहना करते हुए कहा कि इस सिस्टम को अपने कार्पोरेशन में भी लागू करेंगे।

पारदर्शिता और प्रभावशीलता के हिसाब से बेंचमार्क

प्रतिनिधिमंडल ने किसानों के रजिस्ट्रेशन, डिजिटल पेमेंट और सप्लाई चेन लॉजिस्टिक्स के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह पारदर्शिता और प्रभावशीलता के हिसाब से बेंच मार्क है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य जूट और कॉटन के नेशनल प्रोक्योरमेंट फ्रेमवर्क की दक्षता को बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश में किए जा रहे नवाचारों का अध्ययन करना था। प्रतिनिधिमंडल ने विभागीय अधिकारियों से भी विस्तार से संवाद किया।

पटवारी बोले-अब पर्ची से नहीं, लोकतांत्रिक तरीके से बनाए जाएंगे अध्यक्ष और सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस का दावा ह कि आगामी 2028 में पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। दरअसल यूथ कांग्रेस के सदस्यता अभियान का आगाज प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शुक्रवार को किया है। इस दौरान उन्होने कहा कि अब पार्टी में पर्ची से अध्यक्ष अथवा कोई सदस्य नहीं बनाए जाएंगे बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तरीके से पार्टी में कोई भी सदस्य बनाए जाएंगे, जिसकी शुरूआत यूथ कांग्रेस से की गई है।

गौरतलब है कि 21 जुलाई तक यूथ कांग्रेस की ओर से प्रदेश भर में सदस्यता अभियान चलाया जाना है, जिसके लिए 18 से 35 साल की आयु सीमा निर्धारित की गई है। इसी दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि अब पार्टी का नए सिरे से सृजन चल रहा है और अच्छे कार्यकर्ताओं को चिन्हित किया जा रहा है। सारी प्रक्रिया होने के बाद पार्टी को आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा।

19 जुलाई तक चलेगा सदस्यता और मतदान अभियान

इससे पूर्व भारतीय युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण द्वारा मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस चुनाव के संबंध में प्रेस कांफ्रेस के माध्यम से सदस्यता और मतदान अभियान के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई। मध्यप्रदेश में यह चुनाव अभियान 20 जून 2025 से प्रारंभ होकर आगामी माह 19 जुलाई को सायंकाल 5 बजे तक चलेगा।

भोपाल में 'सेंटर ऑन एनर्जी ट्रांजिशन' की स्थापना का प्रस्ताव

नवकरणीय ऊर्जा में मध्यप्रदेश को बनाएंगे मॉडल स्टेट

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नवकरणीय ऊर्जा आज की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सबसे बड़ा माध्यम है। हमारी सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है।

नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के जरिए हम मध्यप्रदेश को इस मामले में देश का एक मॉडल स्टेट बनाने की ओर तेजी से अग्रसर हैं, इसके लिए हम प्रतिष्ठित संस्थाओं से विशेषज्ञों से सहयोग भी लेंगे। डॉ. यादव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में राज्य सरकार और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले के प्रतिनिधियों के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया।

रीवा में भारत का पहला सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले द्वारा ऊर्जा मॉडलिंग, डेटा समेकन तथा नियामकीय विशेषज्ञता के माध्यम से यह परिकल्पना प्रस्तुत की गई है कि ऊर्जा भंडारण आधारित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से थर्मल ऊर्जा की तुलना में कम टैरिफ प्राप्त किया जाना संभव है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर ने भारत का पहला ऐसा सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट रीवा में वर्ष 2017 में विकसित किया था। बर्कले विश्वविद्याल द्वारा मध्यप्रदेश सरकार और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर के साथ मिलकर एक साझा उद्देश्य प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध होकर प्रयासरत है। भोपाल के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में 'सेंटर ऑन एनर्जी ट्रांजिशन' की स्थापना करने का प्रस्ताव है।

शिपमेंट रुकने और भुगतान संकट से व्यापारियों को भारी नुकसान

सरकार से मदद की अपील, व्यापारियों की चिंताएं बढ़ीं

ईरान-इजराइल युद्धः धान में भारी मंदी चावल कारोबारियों पर.... जंग की मार

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

धान के भाव 600 रुपए क्विंटल तक टूट गए

इजरायल-ईरान जंग के चलते स्थानीय स्तर पर मंडियों में धान के भाव में भारी मंदी आई है। धान के भाव 600 रुपए क्विंटल तक टूट गए है। अनाज कारोबारी संजीव जैन के अनुसार युद्ध शुरू होने से पहले मंडियों में जो धान ऊंचे 3600 से 3800 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिक रही थी, वह अब 3000 से 3100 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिक रही है। वहीं चावल व्यापारियों के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से चावल की कीमतों में भी भारी गिरावट आई है। पिछले कुछ दिनों में सेला चावल के रेट प्रति क्विंटल करीब 1,000 रुपए तक नीचे आए हैं। बताया जा रहा है कि ईरान और इजरायल के बीच जारी सैन्य संघर्ष का असर अब भारत के चावल व्यापारियों पर पड़ने लगा है। व्यापारियों ने बताया कि युद्ध के कारण उनके कारोबार पर गंभीर संकट मंडरा रहा है.। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब और इराक के बाद ईरान भारत के सेला चावल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। यहां हर साल लगभग 6,500 करोड़ रुपए का व्यापार होता है, लेकिन युद्ध के चलते शिपमेंट रुकने और भुगतान संकट के कारण व्यापारियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारी आशंका जता रहे हैं कि अगर युद्ध लंबा खिंचा तो नुकसान और बढ़ सकता है। स्थानीय कारोबारी ईश्वरदास संगतानी ने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से चावल की कीमतों में भारी गिरावट आई है। पिछले कुछ दिनों में सेला चावल में गिरावट दर्ज हुई। पहले 70 रुपए प्रति किलो पर निर्यात होने वाला चावल अब 60 रुपए किलो तक पहुंच गया है फिर भी ग्राहक नहीं मिल रहे। स्टॉक में जमा माल और बंदरगाहों पर रुके शिपमेंट ने कारोबारियों की परेशानी बढ़ा दी है। निर्यातकों के अनुसार जो माल पहले ही समुद्र में रवाना हो चुका है, उसे वापस लाना संभव नहीं है। ऐसे में उसे अन्य बाजारों में डाइवर्ट करना पड़ रहा है जो अतिरिक्त लागत और जोखिम ला रहा है। ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के महासचिव विनोद कुमार सिंघल ने कहा कि भारत से ईरान को हर साल लगभग 8 लाख मीट्रिक टन सेला चावल निर्यात होता है. युद्ध के कारण जो माल भेजा गया, उसकी भुगतान प्रक्रिया में दिक्कतें आ रही हैं। जानकारों का मानना है कि युद्ध लंबा नहीं चलेगा, लेकिन अगर यह स्थिति बनी रही तो व्यापारियों के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो सकती है। उन्होंने बताया कि ईरान में इमरजेंसी लागू होने के कारण वहां के बंदरगाह ठप हैं, जिससे माल की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हो गई है।

युद्ध के कारण माल आगे नहीं बढ़ पा रहा

चावल व्यापारी सचिन शर्मा ने अपनी परेशानी साझा करते हुए कहाकि ईरान हमारा तीसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। युद्ध के कारण माल आगे नहीं बढ़ पा रहा और स्टॉक जमा हो रहा है, जो शिपमेंट समुद्र में हैं, उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता, इसलिए हमें उन्हें अन्य बाजारों में भेजने की कोशिश करनी होगी, लेकिन इसकी लागत और अनिश्चितता बढ़ गई है। चेतावनी दी कि अगर कोई और देश इस संघर्ष में शामिल होता है, तो नुकसान और गहरा हो सकता है।

फिलहाल ईरान से कोई शिपमेंट न भेजें

व्यापारियों का कहना है कि वे इस संकट से निपटने के लिए भारत सरकार से मदद की उम्मीद कर रहे हैं। कारोबारी बताते हैं कि सरकार भी सलाह दे रही है कि फिलहाल ईरान से कोई शिपमेंट न भेजें। व्यापारी समुदाय आशंकित है कि अगर युद्ध लंबा चला तो न केवल वित्तीय नुकसान होगा, बल्कि वैश्विक बाजार में भारत की चावल निर्यात छवि को भी धक्का लग सकता है।

भू-राजनीतिक तनाव में नरमी से सेंसेक्स 1,000 अंक से ज्यादा उछला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव कम होने से निवेशकों को राहत मिली और लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद शुक्रवार को कारोबार के अंत में भारतीय शेयर बाजारों में उछाल दर्ज किया गया। अमेरिका ने कहा कि वह अभी भी ईरान के साथ बातचीत के लिए तैयार है और दो सप्ताह के भीतर इजरायल को समर्थन देने के बारे में फैसला करेगा। इस बयान से निवेशकों की चिंताएं कम हुईं और बाजारों में व्यापक स्तर पर तेजी आई। मजबूत शुरुआत के बाद, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने कारोबार का अंत बढ़त के साथ किया। सेंसेक्स 1,046.30 अंक या 1.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,408.17 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इंडेक्स ने 82,494.49 का इंट्रा-डे हाई छुआ था। निफ्टी भी 319.15 अंक या 1.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,112.4 पर बंद हुआ। एनएसई पर सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी रियलिटी इंडेक्स 2.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप परफॉर्मर रहा। बैंकिंग शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, तीनों प्रमुख बैंकिंग सूचकांकों – बैंक निफ्टी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक में 1 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

मई में वनस्पति तेलों के आयात में बड़ी गिरावट

चालू तेल वर्ष के दौरान वनस्पति तेलों के आयात में गिरावट देखने को मिल रही है। मई महीने में इन तेलों के आयात में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। नवंबर-मई अवधि के दौरान भी आयात में कमी आई है। इस बीच, सोयाबीन तेल के आयात में लगातार इजाफा हो रहा है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक तेल वर्ष 2024-25 (नवंबर से अक्टूबर) की नवंबर-मई अवधि के दौरान 78.84 लाख टन वनस्पति तेलों का आयात हुआ है, जो पिछले तेल वर्ष की समान अवधि में 86.78 लाख टन वनस्पति तेलों के आयात से 9 फीसदी कम है।

खबर संक्षेप

बिरला ने लांच किया 'फर्टिलिटी सर्कल'

भोपाल। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने फर्टिलिटी सर्कल लांच किया है भारत की पहली टोल-फ्री और अनरिकॉर्डेड सपोर्ट लाइन। यह फर्टिलिटी काउंसलिंग सेवा पूरे भारत में अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध है, और जल्द ही इसे क्षेत्रीय भाषाओं में भी शुरू करने की योजना है। यह सेवा उन लोगों के लिए है जो प्रेग्नेंसी की प्लानिंग कर रहे हैं, पेरेंट्स बनने की कोशिश कर रहे हैं, इससे संबंधी ट्रीटमेंट पर विचार कर रहे हैं या फर्टिलिटी समस्याओं से संभंदित मन में सवाल लिए हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने केडीएम को किया सम्मानित

मुंबई। केडीएम को 'भारत का चार्जर महाकुंभ पहल' के लिए 'जी भारत की उड़ान अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। जी भारत के कार्यक्रम 'भारत की उड़ान' में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री,नितिन गडकरी ने केडीएम के संस्थापक, एनडी माली को यह अवॉर्ड दिया। केडीएम के संस्थापक, एनडी माली ने कहा कि केंद्रीय मंत्री, नितिन गडकरी के हाथों 'जी भारत की उड़ान' अवॉर्ड पाना मेरे लिए बड़े सम्मान और गौरव की बात है। जिससे मुझे 'भारत का चार्जर' कैंपेन को आगे बढ़ाने के लिए जबरदस्त जोश, प्रेरणा और हौसला मिल रहा है। 'भारत का चार्जर' पहल सचमुच इनोवेटिव सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का एक बेहतरीन उदाहरण है।

बजाज फ्रीडम 125 सीएनजी साबित हो रहा गेम चेंजर

नई दिल्ली। बजाज ऑटो लिमिटेड ने एक ऐसा वाहन तैयार किया है जो खास मकसद से बना है। बजाज फ्रीडम 125 सीएनजी दुनिया की पहली सीएनजी मोटरसाइकल, डिलिवरी रायडर्स और गिग इकोनॉमी में काम करने वालों की जिंदगी बदल रही है। बेहतरीन माइलेज, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और अफॉर्डेबल कीमत के साथ यह बाइक आज के चुनौतीपूर्ण हालात में राइडर्स के लिए एक समझदारी भरा विकल्प बन गई है। पेट्रोल की बढ़ती कीमतें अब भी जेब पर भारी पड़ रही हैं और शहरों में रायडर्स रोजाना 50 से 250 किलोमीटर तक सफर कर रहे हैं।

महिला निवेशकों की बढ़ रही है संख्या : धनवेस्टर

कोलकाता। धनवेस्टर ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया की रिपोर्ट के नतीजों का स्वागत की है क्योंकि ये नतीजे भारतीय निवेश के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव को उजागर करते हैं। म्यूचुअल फंड एसेट्स में महिलाओं की हिस्सेदारी 33 फीसदी हो गई है, जो पांच साल पहले की तुलना में दोगुनी है। हालांकि धनवेस्टर ने हाल ही में म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में कदम रखा है, लेकिन मौजूदा प्रगति को भारत के निवेश के सफर में, खासकर महिलाओं की अगुवाई वाले वित्तीय उद्यमों के लिए, एक अहम मोड़ के रूप में देखा जा रहा है।

मंडी बोर्ड स्थापना और भोपाल मंडी सचिव दोनों ही पदों पर एक ही अधिकारी नियुक्त

व्यापारी बोले- सचिव बारह, एक बजे चले जाते हैं तो कर्मचारी बोले सप्ताह में दो-तीन दिन ही आते हैं

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य विपणन (मंडी) बोर्ड में स्थापना में उपसंचालक और भोपाल मंडी में सचिव इन दोनों पदों पर एक साथ मंडी बोर्ड प्रबंध संचालक कुमार पुरूषोत्तम ने प्रवीण वर्मा को नियुक्त कर रखा है। जिसके चलते प्रवीण वर्मा भोपाल मंडी कार्यालय में सप्ताह में तीन से चार दिन ही आते हैं और दोपहर बाहर, एक बजे चले जाते हैं । यह कहना है कि राजधानी की ए-क्लास और सर्वाधिक राजस्व प्रदाय करनी वाली मंडी के थोक सब्जी मंडी, अनाज मंडी और मंडी के कर्मचारियों का। मंडी व्यापारियों के अनुसार स्थापना शाखा में उपसंचालक का दायित्व और कृषि उपज मंडी भोपाल में सचिव पद का कार्यभार संभालना दोनों ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वाले कार्य है, लेकिन इन दोनों महत्वपूर्ण पद का दायित्व एक ही अधिकारी को सौंपना मंडी व्यापारियों और अधिकारी,कर्मचारियों को रास नहीं आ रहा है । बतौर प्रभारी सचिव के रूप में नियुक्त उपसंचालक प्रवीण वर्मा की कार्य प्रणाली और मंडी समिति कार्यालय से दोपहर बाद नदारद रहने से मंडी के व्यापारी नाराज है।

पूरे मामले के संदर्भ में पक्ष जानने के लिए सचिव प्रवीण वर्मा से संपर्क साधा गया लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया

सचिव के पास इतना समय नहीं कि मंडी कार्यालय में पूरा दिन बैठें

यहां के व्यापारियों का कहना है कि मंडी में भर्राशाही का माहौल है। राजधानी की मंडी में जब जिम्मेदार अधिकारी ही संपूर्ण जिम्मेदारी अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहे है तो प्रदेश की अन्य मंडियों के हालात क्या होंगे , इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता हैं। मंडी व्यापारियों के अनुसार मंडी कार्यालय में पूर्णकालिक सचिव नहीं होने से जहां मंडी के विकास कार्य रूके पड़े है तो वहीं व्यापारियों और किसानों की समस्याओं का निदान भी सही ढंग से नहीं हो पा रहा है।

दोनों पदों से जुड़ने से प्रवीण वर्मा को हो रहा लाभ और प्रभाव प्राप्त

प्रवीण वर्मा, मंडी बोर्ड में स्थापना और भोपाल मंडी में सचिव इन दोनों पदों पर एक साथ नियुक्त है जिससे उन्हें दोनों पदों से जुड़े लाभ और प्रभाव प्राप्त हो रहा हैं। ये दोनों पद मलाईदार पद माने जाते हैं। जो मंडी बोर्ड प्रबंध संचालक और उच्च अधिकारी की मेहरबानी की बदौलत संभव है। किसान भगवानदास परमार ने कहा कि मंडी के सुचारू कामकाज और किसानों के हितों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

भोपाल मंडी में प्रभारी नहीं पूर्णकालिक सचिव को नियुक्त किया जाना चाहिए

कृषि उपज मंडी भोपाल, मध्यप्रदेश की बड़ी और ए-क्लास की मंडी है। यह सर्वाधिक राजस्व देने वाली है और प्रभारी सचिव के दम पर नहीं चल सकती। अतः मंडी बोर्ड मुख्यालय में स्थापना और सचिव का कार्यभार सौंपना बोर्ड के उच्च अधिकारी की नाकामी साबित करता है या फिर वे अपना स्वार्थ साधने के लिए किसी संभागीय अधिकारी को दो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते है। मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री से मांग है कि प्रवीण वर्मा जो मंडी कार्यालय में नहीं बैठते उन्हें तत्काल हटाए और मंडी सचिव का दायित्व ऐसे कर्मचारी को सौंपे जो पूर्णकालिक सचिव का भार उठाने में समक्ष हो।

भागीरथ पाटीदार
पूर्व अध्यक्ष, कृषि मंडी समिति भोपाल

विभिन्न मंडियों के 19 दैनिक वेतन/स्थायीकर्मी को नियमित किए जाने की आदेश जारी

संयुक्त संघर्ष मोर्चा मंडी बोर्ड ने एमडी और संयुक्त संचालक का माना आभार

वाणिज्य प्रतिनिध ▶▶ भोपाल

संयुक्त संघर्ष मोर्चा मंडी बोर्ड भोपाल मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी)बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरूषोत्तम और संयुक्त संचालक स्थापना श्रीमती रितु चौहान को प्रदेश की विभिन्न मंडी एवं बोर्ड में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों दैनिक वेतन/स्थायी कर्मी को नियमित किए जाने की आदेश जारी किए जाने का आभार एवं अभिनंदन किया गया। मोर्चा के संयोजक बीबी फौजदार और प्रांताध्यक्ष अंगीरा पांडेय अनुसार प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड ने बताया कितृतीय श्रेणी के दैनिक वेतन/स्थायी कर्मी को नियमित किए जाने संबंध में शासन से शीघ्र स्वीकृति प्राप्त कर कार्यवाही की जाएगी। इस दरमियान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने शेष लंबित मांगों के साथ ही मुख्य मांग में आमेलन की कार्यवाही की नस्ती पर कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 के अंतर्गत अधिसूचना जारी किए जाने की मांग की। जिस पर प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड ने आमेलन किए जाने का आश्वासन दिया । आमेलन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण होगी। इसके साथ ही उच्च प्रभार, पदोन्नति दिए जाने की कार्यवाही भी शीघ्र पूर्ण किए जाने का आश्वासन दिया गया है।

न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति के चुनाव

दस पदों के लिए 16 नामांकन फार्म वितरित

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

न्यूमार्केट व्यापार संरक्षण समिति (रजि) के 10 पदाधिकारियों के निर्वाचन की शुरू चुनाव प्रक्रिया के प्रथम चरण नामांकन फार्म वितरण के तहत 16 नामांकन फॉर्म वितरित किए गए। मुख्य चुनाव अधिकारी रंजीत मांझी ने बताया कि पूर्व घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को विभिन्न पदों पर निर्वाचन के लिए नामांकन फॉर्म का वितरण किया गया। जिसमें एक अध्यक्ष पद के लिए 2 नामंकन फार्म, दो उपाध्यक्ष पदों के लिए 3 नामांकन फार्म, एक सचिव पद के लिए 2 नामांकन फार्म, दो सहसचिव पदों के लिए 3 नामांकन फार्म, एक कोषाध्यक्ष पद के लिए 2 नामांकन फार्म और 3 कार्यकारणी सदस्य पदों के लिए 4 नामांकन फार्म विभिन्न सदस्यों द्वारा लिए गए । शनिवार 21 जून को दोपहर 12 से 4 तक नामांकन फॉर्म जमा करने का समय निश्चित है जमा किए गए फार्मों की जांच के उपरांत शाम 6 बजे जमा वैध नामांकन फार्म की सूची(वैध प्रत्याशियों की सूची) जारी कर दी जाएगी। जिन पदों पर पद संख्या के बराबर ही वैध नामांकन फार्म प्राप्त होंगे, उन पदों पर शाम प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाएगा।

बिजनेस न्यूज

भाभा विश्वविद्यालय के भाभा कॉलेज ने आयोजित किया डेंटल स्क्रीनिंग कैंप

भोपाल। भाभा विश्वविद्यालय के भाभा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज ने समस्त कर्मचारियों के लिए डेंटल स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। यहां आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री के तत्वाधान में राष्ट्रीय पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री दिवस के उपलक्ष में आयोजित किया गया। संस्था की अधिष्ठाता डॉ उन्नति पितले द्वारा सही ब्रशिंग करने के तरीके पर व्याख्यान दिया गया। एवं डॉ अभिषेक गुप्ता ने तंबाकू से होने वाले नकारात्मक प्रभाव और तंबाकू छोड़ने उनके सटीक तरीकों का विवरण दिया गया। इस आयोजन में संस्था की ही डॉ.असमा बाहर और इंटर छात्र छात्राओं द्वारा विस्तृत दंत परीक्षण किया गया। होटल जहांनुमा के मैनेजमेंट ने आगे भी इस प्रकार के आयोजन को और भी विस्तृत रूप में करने के लिए इच्छा जताई।

भारतीय स्टेट बैंक ने किया मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन

भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपने 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर देशभर में आयोजित किए जा रहे विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में भोपाल सर्कल के अंतर्गत मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों में मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज एसबीआई के स्थानीय प्रधान कार्यालय, भोपाल में एक प्रेरणादायक और मानवता से ओतप्रोत रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें भोपाल सर्कल के उपप्रबंध निदेशक चंद्रशेखर शर्मा ने न सिर्फ कार्यक्रम का शुभारंभ किया, बल्कि स्वयं रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में सहभागिता निभाई। शर्मा ने इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों एवं उनके परिवारजनों से अपील की कि वे आगे आकर रक्तदान करें और इस जीवनदायी पहल का हिस्सा बनें। कार्यक्रम में महाप्रबंधक कुंदन ज्योति सहित स्थानीय प्रधान कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया गया, जिससे आयोजन को और भी प्रेरणादायी स्वरूप प्राप्त हुआ।

बजाज आलियांज ने मप्र के वासियों के लिए बनाया एक हेल्थ इंश्योरेंस

भोपाल। प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी आपके लिए नाम से एक नया हेल्थ प्लान लेकर आई है। यह मध्य प्रदेश के लोगों की खास स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया एक अग्रणी हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट है। आपके लिए बस एक हेल्थ प्लान नहीं है, बल्कि मध्य प्रदेश के लोगों से किया गया एक वादा है, जो राज्य की विशेष मेडिकल स्थितियों के अनुसार कवरेज और उच्च क्वालिटी हेल्थकेयर सुनिश्चित करता है। इस बात को समझते हुए कि स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, खर्च और उपचार की उपलब्धता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग होती है, बजाज आलियांज ने हर किसी के लिए एक जैसे प्लान की बजाय, पर्सनलाइज्ड कवरेज प्रदान करने के लिए आपके लिए को तैयार किया है। यह प्लान मध्य प्रदेश के निवासियों के लिए अस्पतालों की स्थिति और किफायत को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि लाभार्थियों को आवश्यकता के अनुसार सुरक्षा मिल सके। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, डॉ. तपन सिंघल ने कहाकि भारत की सबसे बड़ी ताकत है उसकी विविधता है और हेल्थकेयर में भी यही बात लागू होती है। आप के लिए यानी, खास आपके लिए बनाए गए इंश्योरेंस-के साथ हम हेल्थ इंश्योरेंस को एक नया रूप दे रहे हैं। हर राज्य के यूनीक मेडिकल इकोसिस्टम के हिसाब से तैयार किया है।

केआरएन एचवीएसी की नीमराना में नई शुरुआत, बढ़ी क्षमता

मुंबई। केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने घोषणा की है कि इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी केआरएन एचवीएसी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने राजस्थान के अलवर जिले में नीमराना स्थित प्लॉट नं. एसपी1-24, रीको इंडस्ट्रियल एरिया, कोलीला जोगा में अपने नए विनिर्माण संयंत्र में 31 मई 2025 से वाणिज्यिक उत्पादन और संचालन सफलतापूर्वक शुरू कर दिया है। यह रणनीतिक विकास केआरएन की व्यापक वृद्धि और क्षमता विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो संचालन के स्तर को ऊंचा उठाने और प्रमुख औद्योगिक व अवसंरचना क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को और गहरा करने की इसकी दृष्टि को फिर से पुष्टि करता है।

कोर डिजिटल के शुद्ध लाभ में 176 फीसदी की वृद्धि

मुंबई । कोर डिजिटल लिमिटेड ने वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने ऑडिट किए गए वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। वित्त वर्ष में कंपनी ने कुल आय 327.82 करोड़, एबिटडा 47.55 करोड़, वार्षिक वृद्धि 178.43 फीसदी, एबिटडा मार्जिन 14.50 फीसदी, शुद्ध लाभ 31.70 करोड़, वार्षिक वृद्धि 175.83 फीसदी , शुद्ध लाभ मार्जिन 9.67 फीसदी ,प्रति शेयर आय 26.37, वार्षिक वृद्धि 129.30 फीसदी रही। जबकि चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय 116.57 करोड़, एबिटडा 17.25 करोड़ रहा। वार्षिक वृद्धि 136.97 फीसदी, शुद्ध लाभ 11.71 करोड़, शुद्ध लाभ मार्जिन 10.05 फीसदी रहा। कोर डिजिटल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रविंद्र दोशी ने कहाकि हमें वित्तीय वर्ष में शानदार प्रदर्शन की रिपोर्ट करते हुए गर्व हो रहा है।

यह पहल दर्शाती है रेलवे कर्मचारियों के कल्याण के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने मृतक रेल कर्मचारी के परिजनों को बीमा राशि 1 करोड़ का चेक सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर रेलवे ने महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा की अगुवाई में अपने रेल कर्मचारियों को विशेष सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए एक विशेष सैलरी पैकेज स्कीम को जनवरी 2025 में स्वीकृत किया था, जिसके अंतर्गत कर्मचारी की दुर्घटना में आक्समिक मृत्यु हो जाने पर उनके परिवारजनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके।

इस विशेष रेल सैलरी पैकेज के तहत, शुक्रवार को उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने एक मृतक रेल कर्मचारी के परिजनों को 1 करोड़ रुपए का चेक सौंपा । यह चेक उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में कार्यरत लोको पायलट सुशील लाल के परिजनों को दिया गया, जिनका निधन 11 मार्च 2025 को हुआ था। उनकी पत्नी को बीमा राशि का भुगतान किया गया। परिवार को रेलवे के कार्मिक विभाग द्वारा समापन भुगतान, अनुग्रह राशि के अतिरिक्त 1 करोड़ रुपए का चेक दुर्घटना बीमा राशि के रूप में प्रदान किया गया है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने रेलवे के कार्मिक विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस तरह की पहल रेल कर्मचारी और उनके परिवारजनों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण योगदान देगी। निसंदेह जान की भरपाई नहीं की जा सकती, मगर परिवार के भविष्य के लिए वित्तीय मदद बड़ा सहयोग करेगी। यह पहल रेलवे कर्मचारियों के कल्याण के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। जिन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। डॉ. अजय सॉयल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, मुरादाबाद मंडल उत्तर रेलवे एवं हिमांशु चौहान, ब्रांच प्रबंधक, एसबीआई मुरादाबाद ब्रांच ने इस संबंध में सराहनीय प्रयास किए। उत्तर रेलवे के कार्मिक विभाग अपने रेल परिवार के साथियों के कल्याण के लिए सदैव उपलब्ध हैं जिससे कर्मचारियों का मनोबल हमेशा सकारात्मक रहता हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद टीकमगढ़ (म.प्र.)

Email - cmoTikamgarh@mpurban.gov.in Phone-07683-245323

क्रमांक/3632/न.पा./निर्माण/2025 :: ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना :: टीकमगढ, दिनांक 19/06/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं (EMD)	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_432055_1 20/06/2025 को प्रातः 11.00 बजे से	वार्ड नं. 09 में समय गेस्ट हाऊस से पुराना गल्ला मण्डी रोड एवं खिलोना मशीन से हवेली के पीछे ठगन वाली गली पर सीसी रोड का निर्माण कार्य	3 माह 3694553.00	5000/- 27709/-	27.07.2025 को सांय 05.30 बजे तक

1. मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय का पत्र क्रं./ एफ.237/2024/18-2 भोपाल दिनांक 09.09.2024 प्रभावशील रहेगा जो कि निविदा एवं अनुबंध का भाग है।

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की बेबसाईट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद टीकमगढ
जिला-टीकमगढ़ (म.प्र)

चिंतन

स्वास्थ्य जागरूकता का वैश्विक अभियान योग

आज दुनिया योगमय होगी। संयुक्त राष्ट्र में विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। भारत ने जब 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र में वकालत की थी, तब से अब तक योग दिवस एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव व स्वास्थ्य जागरूकता का वैश्विक अभियान बन चुका है। पहला योग दिवस वर्ष 2015 में मनाया गया था। दुनिया ने खुले मन से भारत के योग को अपनाया और अच्छे स्वास्थ्य में योग के योगदान को समझा। भारत 191 देशों में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस अवसर पर शनिवार को विश्वभर के 1,300 से अधिक स्थानों पर 2,000 से अधिक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों से देश की प्राचीन परंपरा और सौम्य ताकत को प्रदर्शित किया जाएगा। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अनुसार, पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग भी इस अवसर पर इस्लामाबाद में योग कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। आईसीसीआर 'योग बंधन' नामक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित कर रही है, जिनमें ब्राजील, अर्जेंटीना, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, श्रीलंका, इंडोनेशिया, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया सहित 15 देशों के 17 योग गुरुओं और प्रशिक्षकों की भागीदारी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में होगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भी देशभर में 81 स्मारक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद के निकट प्रतिष्ठित बावड़ी 'अडालज वाव' में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। 21 जून को सभी एएसआई स्थलों पर जनता के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। हजारों प्रतिभागी ऐतिहासिक स्थलों जैसे पुराना किला (दिल्ली), गोल गुम्बज (कर्नाटक), कोणार्क सूर्य मंदिर (ओडिशा), चित्तौड़गढ़ किला (राजस्थान), एलीफेंटा गुफाएं (महाराष्ट्र) और एएसआई के 76 अन्य स्थलों पर योग का अभ्यास करने के लिए एकत्रित होंगे। संस्कृति मंत्रालय आज देशभर में 100 प्रसिद्ध स्थलों और 50 अन्य सांस्कृतिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा, जिनमें यूनेस्को के कुछ विरासत स्थल भी शामिल हैं। यूनेस्को के जिन विश्व धरोहर स्थलों में योग सत्र आयोजित किए जाएंगे, उनमें चराईदेव मोइदम (असम), रानी की वाव और धोलावीरा (गुजरात), हम्पी और पट्टाडकल (कर्नाटक), खजुराहो स्मारक समूह और सांची स्तूप (मध्य प्रदेश), कोणार्क का सूर्य मंदिर (ओडिशा), एलीफेंटा गुफाएं (महाराष्ट्र) और तंजावुर का बृहदीश्वर मंदिर (तमिलनाडु) शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक, प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल जैसे गोलकुंडा किला और सालारजंग संग्रहालय (हैदराबाद), हुमायूं का मकबरा, पुराना किला और सफदरजंग मकबरा (दिल्ली), जलियांवाला बाग (पंजाब), चित्तौड़गढ़ और कुंभलगढ़ किले (राजस्थान), लेह पैलेस (लद्दाख), परी महल (श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर), बेकल किला (केरल), और हजारद्वारी तथा कूच बिहार पैलेस (पश्चिम बंगाल) जैसे अन्य स्थलों पर भी योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। कोरोना के बाद योग ने लोगों को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाई है। आज योग लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा है। देश के अनेक योग मनीषियों ने इसे आम लोगों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई है। आज हम योग को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें।

योग दिवस
अखिलेश आर्येन्दु

योग ने सिखाया जीने का तरीका

> वैदिक दर्शन के सबसे महत्वपूर्ण, उपयोगी और सर्वहितकारी हिस्से के रूप में योगासन, ध्यान, ज्ञान और अध्यात्म-विज्ञान बताया गया है। शास्त्रकारों के मुताबिक योग ऐसी जीवन-क्रिया व पद्धति है जिसका महत्व और उपयोग जाग्रत अवस्था में तो है ही, नींद और समाधि लगाने के समय भी है। सेहतमंद रहने का इससे बेहतर उपाय दूसरा कोई नहीं है। ऋषि पतंजलि ने इसे वेद से निकालकर योगदर्शन के जरिए इसका विस्तार किया और इसे सर्वसुलभ, सर्वहितकारी, सर्वगुणात्मक और परम व्यावहारिक बना दिया। शरीर की सारी क्रियाएं और जीवन-व्यवहार पूरी तरह संतुलित होता है, वह व्यक्ति सेहतमंद है और जो सेहतमंद है वही सुखी है।

आज योग दिवस दुनियाभर में मनाया जा रहा है। बेहतर सेहत, सुख, शांति और मूल्यपरक जिंदगी जीने का तरीका योग के जरिए ही सीखा जा सकता है। यही वजह है कि 21वीं शताब्दी में बेहतर सेहत, वैचारिक शांति और मन में शांति की सुलभता के मद्देनजर योगासन और ध्यान की पद्धतियों, इसकी उपयोगिता और फायदे को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होती आई है। वैदिक दर्शन के सबसे महत्वपूर्ण, उपयोगी और सर्वहितकारी हिस्से के रूप में योगासन, ध्यान, ज्ञान और अध्यात्म-विज्ञान बताया गया है। शास्त्रकारों के मुताबिक योग ऐसी जीवन-क्रिया व पद्धति है जिसका महत्व और उपयोग जाग्रत अवस्था में तो है ही, नींद और समाधि लगाने के समय भी है। सेहतमंद रहने का इससे बेहतर उपाय दूसरा कोई नहीं है। ऋषि पतंजलि ने इसे वेद से निकालकर योगदर्शन के जरिए इसका विस्तार किया और इसे सर्वसुलभ, सर्वहितकारी, सर्वगुणात्मक और परम व्यावहारिक बना दिया। अक्षरों को शब्दों में और शब्दों को श्लोकों के माध्यम से जन-जन को उपलब्ध कराकर शरीर, मन, प्राण, आत्मा और चेतना को पवित्र, शक्तिशाली, निरोग और जाग्रत कर दिया। वैदिक ऋषि परम्परा में मानव जीवन की पूर्णतः के लिए जो चार पुरुषार्थ बताए गये हैं उनमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष हैं।

अष्टांग योग के जरिए इन चारों पुरुषार्थों को जिंदगी का हिस्सा बनाकर जीवन को पूर्णता दिलाई जा सकती है। ये चारों पुरुषार्थ वैदिक धर्म ग्रंथों में वर्णित हैं, लेकिन दूसरे मजहबी किताबों में इसे अलग तरह से समझाया गया गया है। इसलिए विश्व ने जब 21 जून 2015 को योग दिवस मनाना शुरू किया तो उसे कोई विशेष समस्या नहीं हुई। क्योंकि योगासन शरीर, मन और आत्मा के सेहतमंद होने का सूत्र, विधि और क्रिया हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद और उपयोगी लगी। आज दुनिया के तकरीबन 200 देश योगासन और ध्यान की तमाम विधियों को अपना चुके हैं। भारत योग के जरिए फिर विश्व गुरु बनने की राह पर आगे बढ़ चुका है। एक दशक में दुनिया का हर इंसान योग को अपने लिए सुखदायी और शांतिपरक अनुभव कर रहा है। उपनिषदों में मानव को जिन आदर्शों के साथ सार्थक जीवन जीने का उपदेश दिया गया है, उनके सूत्र के रूप में 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय और मृत्युर्मा अमृतम गमय है, इन्हें जानना जरूरी है। योगदिवस को विश्व स्तर पर मनाने का प्रयोजन यह भी रखा गया कि इसके जरिए विश्व सभी लोग आपस में जुड़ेंगे ही नहीं बल्कि हर तरह की जटिलाओं, समस्याओं, बीमारियों और संकटों से मुक्त होकर जीवन को सौ से भी अधिक वर्ष तक जीने के लिए खुद को तैयार करेंगे। वैदिक परंपरा सनातन और चिर नवीन कही जाती है। इस पंरपरा में योग सहित जितना वैदिक ज्ञान उपलब्ध है वह जितना पुरातन है उतना ही चिर नवीन भी। महर्षि चरक ने मन को इंद्रिय एवं विषयों से अलग होकर आत्मा में स्थिर होना योग कहा है। वशिष्ठ संहिता के अनुसार मन को शांत करने का सबसे बेहतर तरीका योग के जरिए ही जाना जा सकता हैं। अमरकोश में योग को ध्यान और संगति का वाचक माना गया है। भगवान कृष्ण गीता में कहते हैं, समत्वं योग उच्यते, यानी कर्म की सफलता और असफलता में निष्काम भाव से कर्म करना योग है। आधुनिक जीवनशैली अर्थप्रधान

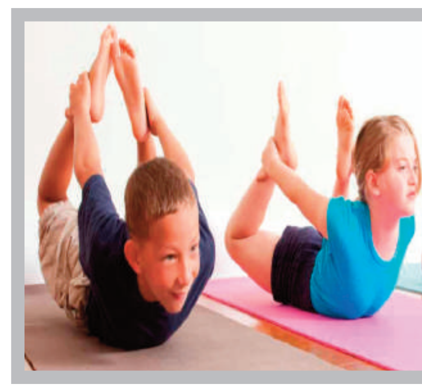

होने की वजह से हम खुद पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इसलिए शरीर, मन, प्राण व आत्मा सभी स्तरों पर हमारा संतुलन बिगड़ा रहता है। आयुर्वेद के अनुसार देश-दुनिया का हर व्यक्ति किसी न किसी बीमारी या परेशानी से जूझ रहा है। अपनी समस्याओं का हल वह खुद से खुद में न ढूंढकर किसी अस्पताल या डॉक्टर के जरिए ढूंढता रहता है यानी जीवन में द्वंद्व के हालात हमेशा बने रहते हैं। इन हालात से बिना किसी आर्थिक दबाव के निपटने के लिए योगासन-ध्यान से बेहतर कोई उपचार या समाधान नहीं है। हमारी जिंदगी समस्याओं का पिटारा बन गई है। ये समस्याएं या दुश्वारियां योग-साधना के जरिए बेहतर तरीके से खत्म या कम की जा सकती हैं। अष्टांगयोग के जरिए शारीरिक, मानसिक, आत्मिक, पारिवारिक व सामाजिक समस्याओं या परेशानियों से मुक्त हुआ जा सकता है। शरीर सभी साधनों और साध्यों (उद्देश्यों) का आधार है। और शरीर, मन, प्राण को सेहतमंदक, पवित्र, तन्दुरुस्त और संतुलित होना जरूरी है, क्योंकि सभी सफलताएं इनके सेहतमंद होने से ही मिल सकती हैं। आयुर्वेद के अनुसार जिसका वात, पित्त व कफ संतुलित है, जठराग्नि भी संतुलित हो, शरीर को धारण करने वाली सात धातुएं-रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्ञा और वीर्य का अनुपात सम हो, दश इंद्रियां, मन और आत्मा और मल-मूत्र की प्रवृति ठीक हों, वह सेहतमंद व्यक्ति कहा जाता है। शरीर की सेहतमंदता मन और आत्मा से जुड़ी हुई है। इसलिए योगदर्शन में ऋषि पतंजलि ने योग के आठों अंगों में पहले पांच अंग (बाह्य अंग) शरीर, मन, प्राण की सेहतमंदता से जोड़ा हैं और तीन अंग (आंतरिक अंग) आत्मा की उन्नति और मोक्ष से ताल्लुक रखते हैं। योग में बताया गया है- षड्कर्म के लिए उत्साह और उल्लास जरूरी है। पूरे मनोवेग से शरीर, मन, प्राण और आत्मा को पवित्र और शक्तिशाली बनाने का संकल्प जरूरी है। षट्कर्म के अंतर्गत नेति-धौति से शरीर शुद्धि, आसन से शारीरिक व मानसिक रोग से छुटकारा और प्राणायाम से शरीर में हल्कापन और निरोगता, प्रत्याहार से मन की शुद्धि और स्थिरता, ध्यान से आत्मदर्शन और समाधि से दुख या आवागमन से मुक्ति। षट्कर्म का साधक व्यक्ति अपना तो कल्याण करता है ही, परिवार, समाज, दर्शन और विज्ञान की उन्नति होती है। योग-ध्यान के अभ्यास के जरिए कई प्रकार की ऊर्जाएं वातावरण से हासिल की जा सकती हैं। इसमें कुछ ऊर्जा शरीर में खर्च हो जाती है और कुछ ऊर्जा संग्रहित होती रहती हैं। हमारे शरीर में 12 अलग-अलग प्रकार के मुख्य मेरीडियन हैं जिसके द्वारा शरीर के अलग-अलग तरह के अवयवों तक ऊर्जा प्रवाहित होती है। जिस अवयव में ऊर्जा का प्रवाह उचित मात्रा में होता है, वह अवयव सेहतमंद रहता है औरं जिस अवयव में ऊर्जा का प्रवाह कम या अधिक होता है या अवरोध हो जाता है, उस अवयव में बीमारी पैदा हो जाती है। यह ऊर्जा का प्रवाह समुचित मात्रा में है या नहीं या अवरोध पूरी तरह से है इसे बायोफीड बेक ऊर्जा मापने वाले यंत्र द्वारा मापा जाता है। साथ ही ऊर्जा प्रवाह को इस यंत्र द्वारा संतुलित भी किया जा सकता है। हमारी जिंदगी का मकसद सबसे पहले खुदं को सेहतमंद रखते हुए दूसरों को भी सेहतमंद और सुखी रखने का होना चाहिए। यह तभी संभव है जब हमारा मन, चित्त, हृदय और आत्मा सभी पवित्र और संतुलित होंगे। हमारे अंदर मनस चेतना और आत्म चेतना दोनों पूरी तरह जाग्रत और शक्तिशाली होंगे। कहने का भाव यह है कि शरीर की सारी क्रियाएं और जीवन-व्यवहार पूरी तरह संतुलित होता है, वह व्यक्ति सेहतमंद है और जो सेहतमंद है वही सुखी है। त्याग की प्रबल और अहंकार विहीन भावना, ज्ञान की अहंकार रहित भावना और धन की अहंकार रहित भावना से यदि हमारा जीवन सिंचित है तो, हम मानव जीवन के परम लक्ष्य मोक्ष पाने के अधिकारी बन सकते हैं।

*(लेखक चिंतक व पर्यावरण संरक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं। लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।)*

योग दिवस
रमेश शर्मा

तन मन और जीवन को स्वस्थ्य रखने के संकल्प का दिन

भारत की पहल पर पूरे संसार में आयोजित अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक मान्यता का दिवस है। यह शरीर और मन मष्तिष्क के साथ संपूर्ण यूनिवर्स से तादात्म्य स्थापित कर जीवन को समृद्ध बनाने का संकल्प दिवस है। 21 जून अंतराष्ट्रीय योग दिवस है। आरोग्य रहकर सृष्टि के विविध रहस्यों से एकाकार होने का माध्यम है योग। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व नेतृत्व को इस अद्भुत विधा से अवगत कराया था। प्रारंभिक चर्चा और बैठकों के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ ने विशेषज्ञों से भी परामर्श किया। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव की सहमति से मोदी ने 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता और वर्ष में एक दिन योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पारित हुआ और 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित हुआ। धीरे-धीरे पूरी दुनियां योग से जुड़ी। गत दुनिया के 180 से अधिक देशों ने 21 जून को योग दिवस आयोजन किया। 21 जून को उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इसका सीधा प्रभाव सूर्य से धरती पर आने वाले प्रकाश और तापमान के संतुलन से पड़ता है। सूर्य की विभिन्न स्थितियों में उत्सर्जित प्रकाश और ऊर्जा में अंतर आता है। इसे हम प्रतिक्षण बदलते तापमान से समझ सकते हैं। यह धरती के जीवन पर प्रभाव डालती है। योगाभ्यास व्यक्ति के अवचेतन की चेतना को सूर्य की केंद्रीभूत चेतना से एकाकार करने का प्रयास करता है जो धरती पर जीवन को पल्लवित करती है। सूर्य से ऊर्जा, ऊष्मा और प्रकाश के सहारे ही व्यक्ति अपनी प्रतिभा एवं क्षमता का विकास करता है। जिस प्रकार सूर्य में अनंत ऊर्जा होती है। उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति में भी असीम प्रतिभा होती है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में यौगिक विधा कितनी प्राचीन है, यह कहा नहीं जा सकता। इतिहास में पीछे जहां तक दृष्टि जाती है, योग का विवरण मिलता है। गीता महाभारत, उपनिषद या अरण्यक ग्रंथ ही नहीं चारों वेदों में भी योग का उल्लेख है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष एक विशेष थीम की घोषणा की है। उन्होंने आव्हान किया है कि इस वर्ष योग दिवस पर योगा फॉर बन अर्थ, वन हेल्थ अर्थात एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग का संकल्प लिया जाए। मुख्यतः योग के कुल पांच आयाम होते हैं। इनमें चार के लिए प्रयास किया जाता है लेकिन पांचवा आयाम परिस्थितिजन्य होता है। इन्हें हम कर्म योग, भक्तियोग, ज्ञान योग, राज योग और भाव योग के नाम से जानते हैं। हमारे कर्म अथवा कार्य या अभ्यास से जो क्रिया होती है, उसे कर्मयोग कहा जाता है। इसमें करणीय कार्य के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण होता है। दूसरा भक्तियोग है। यह सात्विक प्रेम और समर्पण पर केंद्रित होता है। यह ईश्वर के प्रति, गुरु के प्रति, माता पिता अथवा किसी भी आदर्श पात्र के प्रति हो सकती है। तीसरा ज्ञान योग है यह शरीर, इन्द्रियों और मन से बुद्धि के विकास पर केंद्रित होता इसमें व्यक्ति अपनी ज्ञान वृद्धि के लिए अध्ययन, अभ्यास शिक्षण, प्रशिक्षण और सत्संग करता है। चौथा राज योग है। यह कठोर साधना का आयाम है। आत्म विकास के लिये व्रत, उपवास, योगासन, ध्यान प्रणायाम से लेकर समाधि तक की साधना इसी योग के अंतर्गत मानी जाती है। पांचवा भाव योग है। यह परिस्थिति जन्य होता है। मनुष्य की पांचों ज्ञानेन्दियां सदैव सक्रिय रहती हैं। देखकर, सुनकर, छूकर अथवा स्वाद के बाद व्यक्ति जिन भावों से जुड़ता है वह भाव योग है। इसमें हर्ष भी हो सकता है और विषाद भी। जैसे महाभारत युद्ध केलिये एकत्र हुए अपने परिजनों को देखकर अर्जुन के मन में जो भाव उत्पन्न हुए उसे विषाद योग कहा गया।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन एक ओर भारतीय ज्ञान की समृद्धि की ओर पूरे संसार का ध्यान आकर्षित करता ही है। वहीं प्रगति केलिये वर्तमान वैश्विक स्पर्धा में भी इसका महत्व और बढ़ गया है। योगाभ्यास व्यक्ति को सामाज, राष्ट्र, पूरे विश्व ही नहीं संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता। योगाभ्यास से शरीर को स्वस्थ रहता है और मन शांत रहता है। इसके साथ शरीर और मन के बीच समन्वय भी रहता है। शरीर और मन के समन्वय से बुद्धि प्रखर होती है। निरंतर योगाभ्यास करने वाले तनाव, अवसाद जैसे मनोरोगों से दूर रहते हैं वहीं उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा जैसे शारीरिक रोगों से भी मुक्त रहते हैं। आज जीवन शैली केवल प्रकृति को ही प्रदूषित नहीं कर रही अपितु मनुष्य को अनेक शारीरिक और मानसिक रोगों से जकड़ रही है। रोज किसी नए रोग के फैलने का समाचार आता है। जब तक रोग के उपचार खोजे जाते हैं तब तक अनेक प्राणी अपने प्राण गंवा चुके होते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

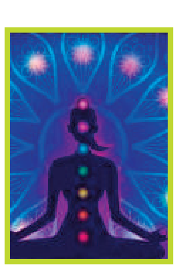

संकलित
दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना। सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

धन कमाने के साथ भक्ति भी करें

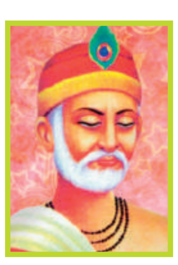

संकलित
प्रेरणा

एक दिन कबीरदास अपना काम कर रहे थे। काम करते समय वे भगवान का ध्यान भी कर लेते थे। पूरे दिन कबीरदास ऐसा ही करते थे। एक व्यक्ति उन्हें कई दिनों से देख रहा था। उसने कबीरदास से पूछा कि आप भक्त हैं, लेकिन आपको अलग से भक्ति करते हुए मैंने नहीं देखा। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति की बात सुनी और कहा कि इस प्रश्न का उत्तर मैं दूंगा, लेकिन अभी तुम मेरे साथ चलो। हम थोड़ा घूम आते हैं। रास्ते में उन्हें एक महिला दिखाई दी। वह महिला पानी भरकर लौट रही थी। उसके सिर पर पानी से भरा मटका रखा था और वह अपनी मस्ती में गीत गाते हुए जा रही थी। उस महिला ने मटके को पकड़ा भी नहीं था। उसके सिर पर मटका स्थिर था और उसका पानी भी नहीं छलक रहा था। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति से कहा कि ये महिला पानी लेकर जा रही है। सिर पर मटका रखा है, लेकिन उसने मटके पकड़ा भी नहीं है और गीत गाते हुए जा रही है। इसका ध्यान अपने मटके पर है, गाने पर भी है और रास्ते पर भी है। कबीर जी ने उस व्यक्ति को आगे समझाया कि इस महिला की तरह ही मैं भी काम करते-करते भगवान का ध्यान कर लेता हूं, भक्ति कर लेता हूं। दुनियादारी के काम करते हुए भी मेरा मन भगवान की भक्ति में ही लगा रहता है। मैं ये काम भी कर लेता हूं और भक्ति भी कर लेता हूं। ठीक इसी तरह जीवन में संतुलन बहुत जरूरी है। हमें धन भी कमाना चाहिए और भक्ति भी करते रहना चाहिए।

सटाका

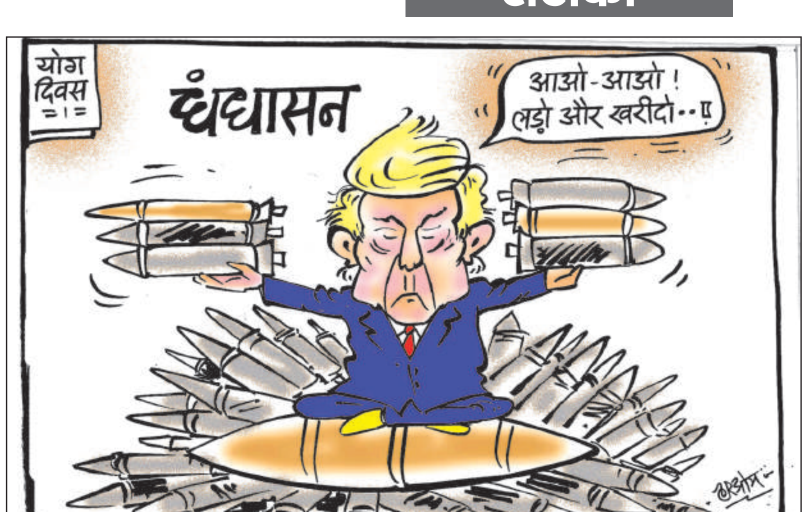

आज की पाती

मानव जीवन और विकास में पुस्तकों की भूमिका

ज्ञानार्जन या ज्ञानोपलब्धि के लिए स्वाध्याय और पुस्तकों का सम्बन्ध अन्न और जल तथा सुई और धागे की तरह एक-दूसरे का पोषक एवं पूरक है। स्वाध्याय के साथ पुस्तकों और पुस्तकालयों का महत्त्व और उनकी उपयोगिता पर भी चिंतन करना अपेक्षित है। देव-पूजन में जितना महत्त्व देवी-देवों का है, उतना ही महत्त्व देवालयों का है। यदि देव मंदिर अथवा देवालय नहीं होंगे तो देव-विग्रह की प्रतिष्ठा कहां होगी। हम सभी जानते हैं कि पुस्तक स्वयं में ज्ञान नहीं है। वह निर्जीव कागजों का एक संपुट है, परंतु ज्ञान का यह एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है, जिसकी उपयोगिता सर्वमान्य है। पुस्तकें देखने में अजीब अथवा जड़ दिखाई देती हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि उनमें लेखकों, रचयिताओं की आत्मा बसी रहती है। इसलिए भावात्मक दृष्टि से उस ज्ञान के साधन को ज्ञान मानकर प्रतिष्ठित किया गया है। *-विवेक कुमार शुक्ला, रायपुर*

करंट अफेयर

दक्षिण अफ्रीका में योग दिवस मनाया जाएगा

दक्षिण अफ्रीका में शनिवार को हजारों योग प्रेमी 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' (आईडीवाई) के अवसर पर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 'क्रैडल ऑफ ह्यूमनकाइंड' में एकत्र होंगे। इस आयोजन में योग विशेषज्ञ भी भाग लेंगे।

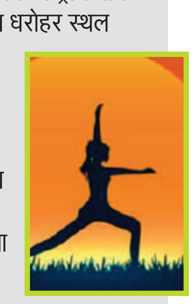

जोहानिसबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूत महेश कुमार ने कहा, "यह स्थल सांस्कृतिक और मानव इतिहास की दृष्टि से अत्यंत मूल्यवान है। यहां योग दिवस मनाना प्राचीन भारतीय दर्शन और मानवता एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य की भावना को दर्शाता है। कुमार ने पिछले वर्ष वांडरर्स स्टेडियम में योग दिवस का नेतृत्व किया था, जहां 8,000 से अधिक लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, " 'योग' संस्कृत शब्द 'युज' से निकला है, जिसका अर्थ है 'जोड़ना'। यह मन, शरीर और पर्यावरण के बीच संतुलन को दर्शाता है।" आईडीवाई के 11वें संस्करण से पहले, भारतीय उच्चायोग और इसके कर्मचारियों ने प्रिटोरिया, जोहानिसबर्ग और डरबन में कई स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

ऑफ बीट

घर अक्सर थर्मोस्टेट से अधिक गर्म लगते हैं

एक ही सड़क पर बने दो घर : एक 1950 के दशक में और दूसरा 1990 के दशक में बनाया गया था। वहां कोई पेड़ या अन्य छाया नहीं है। एयर कंडीशनिंग

इकाइयां समान हैं, हाल ही में बदली गई हैं, और पूरी तरह से काम कर रही हैं। समान थर्मोस्टेट 82 डिग्री फ़ारेनहाइट (27.8 सेल्सियस) पर सेट होते हैं। जब बाहर का तापमान 110 एफ (43.3 सी) होता है, तो 1950 के दशक का घर हवा के समान तापमान के साथ भी अंदर संभवतः कम से कम 10 एफ (5.6 सी) गर्म महसूस होता है। क्यों? इसका उत्तर तेज गर्मी से संबंधित है। तेज़ गर्मी ही वह चीज़ है जो आपको ठंडी सर्दियों की रात में कैम्प फायर में गर्म रखती है। आग हवा को अधिक गरम नहीं करती; बल्कि, सूर्य की तरह, आग की अधिकांश गर्मी अदृश्य तरंगों के माध्यम से सीधे कैम्प फायर से आपके शरीर तक पहुंचती है। गर्म, धूप वाले दिन में, अच्छा इन्सुलेशन और डबल-फलक वाली खिड़कियां एयर कंडीशनिंग के लिए कम गर्मी का हस्तांतरण करती हैं, जिससे इमारत के अंदर का औसत तापमान हवा के तापमान के कुछ डिग्री के भीतर रहता है। गर्म सतहों के कारण छोटी इमारतें, जैसे कि मोबाइल घर, छोटे घर, शिपिंग कंटेनर और अपार्टमेंट में बदल गए गैरेज, अक्सर थर्मोस्टेट सेटिंग की परवाह किए बिना असहज महसूस करते हैं।

ट्रेंड

समृद्धि-यात्रा

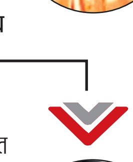

जब सुरक्षा का बेहतर माहौल और अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, तब दुनिया की कोई ताकत आपकी समृद्धि के मार्ग को रोक नहीं सकती। आज प्रदेश के हर जनपद में 'समृद्धि-यात्रा' देखने को मिल रही है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे उसका उदाहरण है।
-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

जनसहभागिता

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के संस्कार, भारत की जीवनशैली, सांस्कृतिक धरोहर और आंतरिक चेतना को पूरे विश्व में प्रतिष्ठा दिलाई है। 21 जून को जब पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाएगा, तब हम दिल्लीवासी इस उत्सव को पूर्ण जनसहभागिता से भरपूर बनाएंगे।
-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

अंग्रेजी भाषा जरूरी

बीजेपी नहीं चाहती कि भारत का ग़रीब बच्चा अंग्रेज़ी सीखे - क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। आज अंग्रेज़ी भी मातृभाषा जितनी जरूरी है क्योंकि यही रोज़गार दिलाएगी।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

एक कॉमन भाषा हो

अगर देश को जोड़ना है। लोगों को एकजुट करना है, तो देश में एक कॉमन भाषा होनी चाहिए जिसे हर कोई समझ सके, उसमे वार्तालाप कर सके। इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि इस कसौटी पर सिर्फ एक ही भाषा फिट बैठती है और वो है- हिंदी।
-मुकेश खन्ना, अभिनेता

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

खबर संक्षेप

पटवारी से खटीक ने की मुलाकात

औबेदुल्लागंज। शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से औबेदुल्लागंज के हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं पार्षद राजेश खटीक ने भोपाल जाकर मुलाकात की। इस अवसर पर जिला रायसेन भोजपुर क्षेत्र एवं औबेदुल्लागंज ब्लॉक की राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा हुई। पटवारी ने खटीक से कहा कि कांग्रेस को मजबूत करने के कार्य में लग जाएं। अगले विधानसभा चुनाव में भोजपुर से कांग्रेस को लाना है।

व्यापार महासंघ का मिलन समारोह जल्द कराने की मांग

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज के व्यापार महासंघ के अध्यक्ष जगदीश चंदानी, सचिव प्रदीप अरोरा मौन है। कोषाध्यक्ष आशीष दीक्षित एवं उपाध्यक्ष कैलाश डब्बू नागर पशोपेश में हैं। किराना व्यापार संघ अध्यक्ष विक्रम धाड़ी, नीरज चावला ने कहा कि खुद का कंधा मजबूत करें। व्यापार महासंघ के उपाध्यक्ष विवेक मित्तल, श्याम मालवीय, विजय केटी शंकर सेठी, हरिकिशन धमीजा, बल्लू अरोरा, अमित राय, अशोक सेठी, दिनेश सेन, दिलीप मित्तल, गिरीश चावला, राजू भाई पटेल, संतोष गुप्ता, दीपेंद्र नागर आदि मौन है। सभी की एक ही मांग है कि व्यापार महासंघ का मिलन समारोह शीघ्र हो।

बैरागढ़ के कई क्षेत्रों में आज बंद रहेगी बिजली

संतनगर। विद्युत मेंटेनेंस के चलते शनिवार को उपनगर बैरागढ़ के कई क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। उक्त अवधि में एसटी संभाग भोपाल द्वारा आवश्यक कार्य किया जाएगा। इस कार्य के कारण चंचल चौराहा, मिनी मार्केट, मल्टीलेवल पार्किंग, हिरदाराम शॉपिंग कंपलेक्स, नवीन सब्जी मंडी, गिदवानी पार्क और बर्तन मार्केट, काली माता मंदिर, सुंदर साड़ी के आस-पास का क्षेत्र, सीटीओ ब्रिज के आस-पास का क्षेत्र, सीआरपी क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी। आवश्यकता अनुसार यह समय अवधि घटाई बढ़ाई जा सकती है। शटडाउन की अवधि दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक रहेगी, जब कि मिनी मार्केट व शॉपिंग कांप्लेक्स के आस-पास क्षेत्र में प्रातः 10 से शाम 4 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

खजुरी गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भोपाल। फंदा, खजूरी गांव लक्ष्य समिति द्वारा खजुरी गांव, जनपद पंचायत फंदा में डॉ. रिया सरकार एवं अशीरवदाम बारिक के निर्देशन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इसमें डॉ. अमित भेड़िया, डॉ. यशस्वी सेंगर एवं विनय चौधरी का सहयोग रहा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। ग्राम की सरपंच विनीता बाई ने लक्ष्य समिति को प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

समग्र मराठी समाज की दिंडी यात्रा छह जुलाई को

भोपाल। समग्र मराठी की ओर से इस वर्ष भी दिंडी शोभायात्रा का आयोजन छह जुलाई को निकाली जाएगी। आषाढ़ी एकादशी को गणेश मंदिर 1100 क्वार्टर से शुरू होगी, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई अरेरा कॉलोनी दत्त मंदिर तक जाएगी। इसमें भोपाल के सभी महाराष्ट्रीय समाज के लोग शामिल होंगे। यात्रा की तैयारियों को लेकर दत्त मंदिर में शुक्रवार को एक बैठक रखी गई।

शुभांक

कल्याण:	0516		
दिन:	278	72	390
रात:	459	86	880
तारा:			
दिन:	579	10	244
रात:	357	54	770

ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट करने का झांसा देकर करते थे ठगी

एसटीएफ ने 7 राज्यों से 2283 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले दो जालसाजों को दिल्ली से किया गिरफ्तार, दुबई में हैं सरगना

निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए फ्लाइट से आते जाते थे आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

स्पेशल टास्क फोर्स ने 7 राज्यों में हजारों लोगों को ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट करने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक मुनाफे के साथ रिटर्न देने के नाम पर 2283 करोड़ रुपए ठगी सामने आ चुकी है। एसटीएफ ने दोनों आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए फ्लाइट से आते जाते थे।

जालसाज टेलीग्राम एप पर एक दर्जन से अधिक ग्रुप बनाने के बाद अलग-अलग कंपनियों में पैसा निवेश करने का झांसा देते थे। झांसे में आए लोगों को एप पर ही कंपनी का एक लिंक दिया जाता था, जिसमें कंपनी की पॉलिसी और इन्वेस्टमेंट प्लान सहित रिटर्न की जानकारी दी होती थी। 10 से 15 हजार रुपए आरोपी पहले ही निवेशकों से रजिस्ट्रेशन के नाम पर ले लेते थे। इतना ही नहीं जालसाज ऑनलाइन ठगी की रकम को विदेशों में ट्रांसफर कर दिया करते थे। अब तक की जांच में पुलिस को आरोपियों के खाते से 2283 करोड़ रुपए के लेन-देन हिसाब मिल चुका हैं। इसी के साथ बैंक खातों में 90 करोड़ रुपए एसटीएफ ने सीज कराए हैं, जिन्हें आरोपी विदेशी खातों में ट्रांसफर करने की तैयारी में थे। फिलहाल दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

इंदौर के रहने वाले ईशान सलूजा ने एसटीएफ को शिकायत की कि यार्कर एफएक्स और योर्कर केपिटल कंपनी में इन्वेस्टमेंट और फिक्स मुनाफा देने का झांसा देकर उनके साथ 20.18 लाख की ठगी की गई है। ठगी करने वाले उन्हें टेलीग्राम नाम के एप पर मिले थे। लिंक देकर रजिस्ट्रेशन के नाम पर 18 हजार रुपए लिए। इसके बाद 20 लाख का एकचेक भी लिया। चेक को कैश कराने के बाद उन्हें किसी प्रकार का रिटर्न नहीं दिया गया। शिकायत के आधार पर एसटीएफ थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच की तो कई लोगों से करोड़ों की ठगी के मामले का खुलासा हुआ। पकड़े गए आरोपियों ने एसटीएफ की पूछताछ में बताया कि कंपनियों में निवेश के नाम पर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और असम के हजारों लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी की है। ठगी की रकम को राय डेंट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, किन डेंट बिजनेस सालूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सहित 16 अलग-अलग करंट अकाउंट में बुलाई जाती थी।

ठगी की रकम को कन्वर्ट कर दुबई भेजते थे

आरोपियों ने पूछताछ में इस बात का खुलासा भी किया है कि गिरोह के सरगना दुबई में बैठे हैं। उन्हें हर ठगी के मामले में कमीशन मिलता था। इस रकम को कन्वर्ट कर दुबई भेज दिया करते थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध की धाराओं में भी इजाफा किया है। आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में इसी तरह के 16 अन्य केस दर्ज हैं। आरोपियों की पहचान दीपक शर्मा (46) निवासी दिल्ली और मदन मोहन कुमार (51) के रूप में हुई है। आरोपी लग्जरी लाइफ स्टाइल जीने के आदी थे, वहीं जांच में आया है कि उन्होंने कई बार विदेश ट्रिप की। एसटीएफ पूछताछ पूरी होने के बाद गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों का खुलासा करेगी।

अवधपुरी थाना पुलिस ने वाहन चोर को गिरफ्तार कर 11 बाइक बरामद की

कलारी पर शराब पीने के बाद चुराई बाइक शौक पूरे करने चुराते थे दो पहिया वाहन

पीयूष नगर में बना रखी है बड़ी झुग्गी, चोरी के बाद छिपाकर रखते थे बाइक, सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाया आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

अवधपुरी थाना पुलिस ने वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की 11 बाइक बरामद की है। आरोपी अपने रिश्तेदार के साथ कलारी पर शराब पीने गया था, वहां से बाइक चोरी की और वहीं से चोरी की आदत लग गई। आरोपी अलग-अलग ठिकानों से 11 बाइक चुराकर अपनी झुग्गी में रख चुके थे। बमुश्किल एक बाइक उन्होंने चार हजार रुपए में बेची और उस रुपए में शराब पार्टी कर ली। कलारी के पास से दो बाइक चोरी होने पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि अपने शौक पूरे करने वह रिश्तेदार के साथ बाइक चुरा रहा था। उक्त मामले में आरोपी के फरार साथी की तलाश की जा रही है।

प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह परिहार ने बताया कि 18 जून को पवन वानखेड़े झुग्गी इंद्रा नगर, गोविंदपुरा ने शिकायत करते हुए बताया कि गत 16 जून की शाम साढ़े 5 बजे उसने अपनी बाइक प्रगति नगर शराब की दुकान के सामने खड़ी की थी। शाम करीब 7 बजे उसकी नजर पड़ी तो बाइक चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने चोरी की प्रकरण दर्ज कर जांच की। इस दौरान एक बाइक फिर कलारी के पास चोरी हो गई। पुलिस ने कलारी में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले तो दो संदिग्ध बाइक के पास नजर आए। संदिग्धों की पहचान शिवम और विशाल गौर के रूप में कर ली गई।

झुग्गी में छिपाकर रखी थी बाइक

पुलिस ने शिवम पिता सुरेश गौर (30) पीयूष नगर झुग्गी, को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बाइक चुराना स्वीकार लिया। पुलिस उसकी झुग्गी पर पहुंची और वहां से दस बाइक बरामद की। आरोपी ने बताया कि उसके रिश्तेदार विशाल गौर के साथ शराब पीने प्रगति नगर अवधपुरी भोपाल गया था, वहां से एक बाइक चोरी की। इसके बाद दूसरी बाइक भी वहीं से चुराई थी। इसके अलावा शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर जिस बाइक का लॉक खुल जाता था उसे चुरा लेते थे। आरोपियों ने बताया कि वह शादी में शामिल होने विदिशा गए थे, वहां एक बाइक पर नजर पड़ी और उसमें चाबी लग गई तो वह उक्त बाइक को भी चुराकर ले आए थे।

पूर्व में दर्ज है हत्या के प्रयास सहित अन्य प्रकरण

आरोपी शिवम गौर महज पांचवीं कक्षा तक पढ़ा है और उस पर हत्या के प्रयास, अड़ीबाजी मारपीट सहित आधा दर्जन अपराध दर्ज है। इसी प्रकार उसके रिश्तेदार विशाल गौर पर भी आपराधिक प्रकरण दर्ज है। पुलिस आरोपी विशाल गौर और चोरी की बाइक खरीरदने वाले अशोक धृतलहरे की तलाश कर रही है।

ई-रिक्शा मांगकर बदमाश हुआ फरार

हनुमानगंज पुलिस ने ई-रिक्शा चालक की शिकायत पर बदमाश के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि बदमाश ने ई-रिक्शा कुछ समय के लिए मांगा था और बाद में लौटाया नहीं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आदिल अली पिता इरशाद अली (25) सेठी नगर कॉलोनी, अशोका गार्डन में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गुरुवार शाम करीब 6 बजे वह अपनी बहन नाजरिन बी का ई रिक्शा मनोहर डेयरी के सामने लेकर खड़ा था। इसी बीच मोहल्ले का नफीस पहुंचा और कहने लगा कि तुम्हारा ई रिक्शा दो मैं थोडी देर मे लाकर देता हूं। परिचित होने के कारण उन्होंने उसे ई रिक्शा दे दिया। ई रिक्शा मिलने के बाद आरोपी फरार हो गया। उससे संपर्क भी नहीं हो रहा है।

अत्याधुनिक रेस्क्यू एवं सुरक्षा उपकरणों से लैस है टीमें

स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स ने बारिश में आपदाओं से निपटने हर जिले में ईओसी डीआरसी और क्यूआरटी टीमें गठित की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स ने प्रदेश में बारिश को लेकर किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने की तैयारी पुख्ता कर ली है। प्रदेश के हर जिले में ईओसी इमरजेंसी रिस्पांस सेंटर, क्यूआरटी, क्विक रिस्पांस टीम और डीआरसी डिजास्टर रिस्पांस सेंटर की गठित कर तैनात कर दी है। सभी टीमें स्टेट कमांड सेंटर की मॉनिटरिंग में काम कर रही है। होमगार्ड के अफसरों का कहना है कि एसडीआरएफ की टीमें अत्याधुनिक रेस्क्यू एवं सुरक्षा उपकरणों से लैस है, जो 24 घंटे किसी भी प्रकार के आपदा की सूचना पाते ही अपने काम में जुट जाती है। वर्तमान में देखा जाए तो प्रदेशभर में डीआरसी की 280 टीम और क्यूआरटी की 208 टीमें काम कर रही है जिनके पास रेस्क्यू के हाइटेक उपकरण है, जिसमें वोट्स, लाइफ ब्वाय जैकेट, आस्का लाइट, विक्टिम लोकेटिंग कैमरा सहित अन्य हाइटेक उपकरण है।

टॉल फ्री नंबर 1079 और 1070 से मिल रही सूचना: स्टेट कमांड सेंटर को टॉल फ्री नंबर 1079 और 1070 के माध्यम से सूचनाएं प्राप्त हो रही है। इस प्रकार की सूचनाओं को जिले में काम कर रही ईओसी टीम को फारवर्ड किया जा रहा है। इसी आधार पर डीआरसी और क्यूआरटी काम कर रही है। स्टेट कमांड सेंटर द्वारा प्रदेश भर से जुड़ी गतिविधियों की एक डेली रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है, जिसमें डीआरसी और क्यूआरटी के कार्यों का उल्लेख रहता है। इसके अलावा एसडीआरएफ से जुड़कर पूरे प्रदेश भर में 3300 आपदा मित्र भी काम कर रहे है।

रेस्क्यू ड्रोन भी किए वितरित

रेस्क्यू ड्रोन की जल भराव क्षेत्रों में फंसे लोगों को निकालने में कारगर भूमिका है। एसडीआरएफ फिलहाल 10 संभागों में रेस्क्यू ड्रोन वितरित किए गए है। लोकेशन के आधार पर यह रेस्क्यू ड्रोन आपदाग्रस्त इलाके में पहुंचा दिए जाते है, जिनसे पानी में डूब रहे लोगों को रेस्क्यू करने में मदद मिलती है।

अधिकांश जवानों को दी सीएसएसआर ट्रेनिंग

खास बात यह है कि इन टीमों में शामिल अधिकांश जवानों को सीएसएसआर यानि कॉलेप्स स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू की स्पेशल ट्रेनिंग दी गई है। यह एक विशेष प्रकार की ट्रेनिंग है, जो आपदा के दौरान इमारतों के ढहने जैसी स्थितियों में बचाव कार्य के लिए तैयार करती है। वहीं इस ट्रेनिंग में मलबे में फंसे लोगों को तलाशने और उनको बचाने एवं प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने संबंधित कई गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाता है। एनडीआरएफ द्वारा एसडीआरएफ के जवानों को सीएसएसआर की ट्रेनिंग दी गई है।

फोर्स की पुख्ता तैयारी

प्रदेश के हर जिले में ईओसी, डीआरसी और क्यूआरटी टीमें तैनात कर दी गई है, जो जिला होमगार्ड सेनानी के निर्देशन में काम कर रही है। होमगार्ड मुख्यालय स्थित स्टेट कमांड सेंटर से रोजाना गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा रही है, वहीं सूचनाओं का आदान प्रदान भी हो रहा है। किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स की पुख्ता तैयारी है।

मनीष अग्रवाल, डीआईजी होमगार्ड मुख्यालय

ग्राम अमोदा में चौपाल का आयोजन

केंद्र, प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

औबेदुल्लागंज। मोदी सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में औबेदुल्लागंज मंडल के ग्राम अमोदा में चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्यकर्ताओं से आह्वान किया। मुख्य वक्ता मंडल उपाध्यक्ष माखन परमार ने बोला कि 11 वर्ष में सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मार्ग पर ऐतिहासिक प्रगति की है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम नारायण साहू, अवध नारायण वर्मा, अतर सिंह राजपूत, कैलाश चंद पटेल, मंडल महामंत्री माधव यादव, मंडल उपाध्यक्ष हरगोविंद वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र नगर, मंडल मंत्री कमल सिंह चौहान, युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष रिंकू पांडे, विवेक वर्मा, विशाल लोधी, संदीप गिरी, दिशांत मालवीय आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने किया शराब तस्कर गिरफ्तार, सात पेटी देशी शराब जब्त

भोपाल। बैरसिया पुलिस ने शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से सात पेटी अवैध शराब जब्त की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

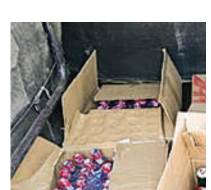

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि सिरोंज रोड कचरा खंती के पास एक व्यक्ति बाइक पर शराब की बोरियां लेकर खड़ा है। सूचना के बाद हरकत में आई में पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करते हुए संदिग्ध को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम पंचमसिंह राजपूत (30) ग्राम नरेला, दामोदर बताया। आरोपी की तलाशी लेने पर बाइक पर रखी बोरी में 7 पेटी शराब मिली। जब्त शराब 63 लीटर है। बाइक और शराब की कीमत 1 लाख 9 हजार रुपए बताई जा रही है।

शिफा ने कलम पर सूरह अल-कलम लिखकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

संतनगर। भोपाल की रहने वाली शिफा हुसैन जो एक स्टूडेंट है और कैलीग्राफी आर्टिस्ट हैं। उन्होंने कैलीग्राफी में प्रयोग होने वाली कलम पर कुरान मजीद की सूरत सूरह अल कलम जो की तीन पेज की है, उसे तीन कलम पर लिखकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। बता दें कि शिफा हुसैन बचपन से ही कलाकार रही हैं और चित्र बनाती रहीं है। जब उसे पता चला कि जीवित चीजें बनाना इस्लाम में जायज नहीं है, तो उसे छोड़कर फिर फन-ए-खत्ताती यानी अरबी कैलिग्राफी में अपना दिल लगाया। अरबी कैलिग्राफी करते हुए तकरीबन 6 साल हो चुके हैं।

थाने की गुंडा लिस्ट में शामिल युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पूर्व में भी कर चुका था आत्महत्या के प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सब्जी मंडी और सरकारी स्कूल के पास रहने वाले युवक ने फांसी लगा ली। गुरुवार शाम फांसी के फंदे पर लटका देख भाई उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार दिलीप नाथ उर्फ शनि नाथ पिता राजू राधेश्याम (26) सब्जी मंडी, सरकारी स्कूल के पास अशोका गार्डन में रहता था। दिलीप बेरोजगार था और अशोका गार्डन थाने की गुंडा लिस्ट में शामिल था। एसआई पवन सेन ने बताया कि दिलीप पर करीब डेढ़ दर्जन अपराध पंजीबद्ध है। उसने दो मकान है। एक मकान में वह अकेला रहता था। गुरुवार शाम उसने अपने मकान में फांसी लगा ली।

महिला ने घर पर फांसी लगाकर दे दी जान

टीला जमालपुरा थाना क्षेत्र स्थित सूबेदार कॉलोनी, टीला जमालपुरा एक महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिवार वाले काम पर गए हुए थे। पड़ोस में रहने वाली महिला घर पहुंची तो उसने महिला को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। थाना प्रभारी डीपी सिंह ने बताया कि सुशीला आर्य (42) सूबेदार कालोनी टीला जमालपुरा में रहती थी और गृहणी थी। परिजन मजदूरी करते हैं। गुरुवार सुबह परिवार वाले अपने-अपने काम पर चले गए थे, जबकि सुशीला घर पर अकेली थी। कुछ समय बाद पड़ोस में रहने वाली महिला पहुंची तो वह फांसी के फंदे पर लटकी मिली। सूचना मिलते ही घर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मुनि निराकुल सागर महाराज के प्रवचन

अभिषेक, शांतिधारा के बाद बोले मुनिश्री, अपेक्षा ही दुख है इच्छा ही कर्म बंध कराती है और निज की इच्छा ही राग है

हरिभूमि न्यूज ▸▸ औबेदुल्लागंज

स्टेशन रोड स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रातः अभिषेक शांति धारा के बाद धर्म सभा का आयोजन किया गया। मुनि श्री निराकुल सागर महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा अपेक्षा ही दुख है, इच्छा ही कर्म बंध कराती है और निज की इच्छा ही राग है और इच्छा की पूर्ति नहीं होने पर ही द्वेष प्रारंभ हो जाता है और राग द्वेष ही संसार को बढ़ाने वाले हैं। सुख चाहते हो तो राग द्वेष को छोड़ दो और निज को निज से निहारो। मुनिश्री ने कहा जो निज की आलोचना करें वही सज्जन है, जो दूसरों के दोषों को छुपाए वही सज्जन है।

श्री समवशरण मंडल विधान का महत्व बताया

शुक्रवार दोपहर को श्री समवशरण मंडल विधान का महत्व बताते हुए विधानाचार्य संजीव भैया कटंगी ने कहा समवशरण विधान का जैन धर्म में बहुत महत्व है। यह एक दिव्य सभा भवन है जिसे तीर्थंकर के केवल ज्ञान प्राप्त करने के बाद देवों द्वारा बनाया जाता है, और इसका अर्थ है 'सबके लिए शरण' समवशरण सभी के लिए ज्ञान प्राप्त करने का समान अवसर प्रदान करता है। समवशरण विधान का महत्व अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के सिद्धांतों का पालन, ज्ञान प्राप्ति का स्थान, सभी के लिए समानता, मान-मर्यादा का त्याग,तीर्थंकर के प्रति श्रद्धा,कर्मों का नाश। आचार्य विद्यासागर महाराज के परम शिष्य बाल ब्रह्मचारी अंकित भैया समवशरण विधान में सहयोग किया।

विनय से संयम, तप और ज्ञान की प्राप्ति होती है

शुक्रवार को जिनालय में धर्म सभा में मुनि निर्वेग सागर महाराज ने धर्म सभा में प्रवचन देते हुए कहा कि विनय से संयम तप और ज्ञान की प्राप्ति होती है। विनय से तप होता है। ज्ञान का कारण भी विनय है। गुणों को धारण करो, संयम धारण करो। भगवान बनना है तो भाव भावना को सुधारो, मैत्री भाव को धारण करो।

नगर में शोभायात्रा कल

कार्यक्रम के संयोजक मुकेश जैन अध्यक्ष सुनील जैन तामोट, कोषाध्यक्ष एलसी जैन ने बताया कि 22 जून दिन रविवार को आचार्य श्री के पावन चरणों की नगर शोभा यात्रा प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगी। इसके बाद गुरु चरण नवीन वेदिका पर विराजमान होंगे। आज के धर्म कार्यक्रम में तरुण इंदिरा जैन विजय सीमा जैन, गुड्डन जैन, विनय जैन, नरेश जैन, आकाश मयूरी जैन, टिल्लू सुनीता जैन, प्रदीप शिरोमणि जैन, पवन रवि जैन, रितेश ऋतु जैन, पूर्व पार्षद मीना जैन, मनोज सुषमा जैन, आदि ने विधान, पूजा, पाठ किया।

भोपाल यार्ड में तांबे की चोरी करने वाले दो आरोपी दबोचे

रेलवे कॉलोनी से चुराए गए तांबे के तार जब्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

रेल सुरक्षा बल के कर्मियों ने 19 जून को भोपाल यार्ड में तांबे के तार जलाकर राख करने के प्रयास में दो संदिग्ध व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा। पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षक अवधेश कुमार, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र उपाध्याय एवं आरक्षक अमित कुमार ने पुरानी पानी टंकी के समीप दोनों आरोपियों वसीम पठान (20) तथा अमजद खान (19) को दबोचा।

पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि तांबा रेलवे कॉलोनी, खजांची बाग स्थित भवन से चोरी किया था। मौके से लगभग 4 किलो जले हुए तांबे का तार कीमत 5 हजार रुपए बरामद कर वीडियोग्राफी सहित जब्ती की गई। इसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उपनिरीक्षक अवधेश कुमार ने कहा मामले की जांच की जा रही है।

योग महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. तिवारी ने हरिभूमि से योग दिवस पर साझा की विदेशी योग शिक्षकों की कहानी

'योग हर किसी को जोड़ता है, चाहे उनकी आस्था या संस्कृति कुछ भी हो'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

योग महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विनीत तिवारी ने हरिभूमि से योग दिवस के अवसर पर दो ऐसे योग शिक्षकों की कहानी साझा की, जो अलग-अलग धर्म के होने के बाद भी योग को अपनाकर न केवल अपने जीवन को बदल रहे हैं, बल्कि इसे विश्व भर में फैला रहे हैं। ये कहानियां योग के माध्यम से देशों और धर्मों को जोड़ने की शक्ति और व्यक्तिगत जीवन में बदलाव को उजागर करती हैं। डॉ. तिवारी का कहना है कि 'देश व धर्म से परे है योग'।

योग दिवस विशेष

डॉ. तिवारी ने कहा 'देश व धर्म से परे है योग'

योग ने पश्चिमी देशों में अपनी जड़ें जमाईं

एडी स्टर्न, न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध योग शिक्षक और लेखक ने 1987 में योग शुरू किया और 1993 से 2019 तक सोहो में अपनी अष्टांग योग स्कूल चलाई। उनकी कहानी दर्शाती है कि योग ने पश्चिमी देशों में जड़ें जमाईं और विविध संस्कृतियों को एकजुट किया। एडी ने योग को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि दर्शन और जीवनशैली के रूप में अपनाया। उनकी स्कूल में कलाकार, आध्यात्मिक साधक और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग एक साथ योग और ध्यान करते थे। एडी ने तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और सहयोग के माध्यम से योग को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। वह भारत की योग परंपराओं का सम्मान करते हैं और इसे विश्व से जोड़ते हैं। एडी का मानना है कि योग किसी धर्म या देश तक सीमित नहीं। वे कहते हैं, 'योग हर किसी को जोड़ता है, चाहे उनकी आस्था या संस्कृति कुछ भी हो'। उनके लिए योग पूर्व और पश्चिम, विभिन्न धर्मों और विश्वासों के बीच एक सेतु है, जो करुणा और आत्म-जागरुकता को बढ़ावा देता है।

एडी स्टर्न, ईसाई योग शिक्षक (न्यूयॉर्क अमेरिका)

स्वास्थ्य समस्याओं के कारण योग शुरू किया

नौफ मरवाई, सऊदी अरब की पहली प्रमाणित योग शिक्षिका और अरब योग फाउंडेशन की संस्थापक ने 1998 में स्वास्थ्य समस्याओं के कारण योग शुरू किया। 20 साल की यात्रा में वे अरब दुनिया में योग की प्रणेता बनीं और भारत के प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित हुईं। सऊदी खेल मंत्रालय के तहत योग समिति की अध्यक्ष के रूप में उन्होंने सांस्कृतिक और धार्मिक बाधाओं को तोड़ा, एक ऐसे क्षेत्र में योग को लोकप्रिय बनाया जहां यह पहले अजनबी था। नौफ की कहानी योग की धार्मिक और राष्ट्रीय सीमाओं को लांघने की क्षमता दर्शाता है। नौफ योग को इस्लाम के पूरक के रूप में देखती हैं। वे कहती हैं कि योग के नैतिक सिद्धांत (यम-नियम) और इस्लाम के पांच स्तंभों, जैसे सेवा, ईमानदारी और अहिंसा में समानता है। योग साझा मानवीय अनुभवों पर केंद्रित होकर एकता को बढ़ावा देता है। उनके प्रयासों ने सऊदी अरब में धारणाओं को बदला, योग को स्वास्थ्य और सामंजस्य का साधन बनाया। योग ने नौफ के स्वास्थ्य को सुधारा, शारीरिक समस्याओं को दूर किया और मानसिक लचीलापन प्रदान किया। उनकी शिक्षाओं ने विशेष रूप

से महिलाओं को सशक्त बनाया, रूढ़ियों को तोड़ते हुए स्वास्थ्य और आत्म-जागरुकता को बढ़ावा दिया।

नौफ मरवाई, मुस्लिम योग शिक्षिका (सऊदी अरब)

योग माइंडफुलनेस और करुणा पर केंद्रित

एडी और नौफ की कहानियां योग की वैश्विक एकता की शक्ति दिखाती हैं। न्यूयॉर्क में एडी का काम पूर्वी और पश्चिमी संस्कृतियों को जोड़ता है, जहां ईसाई, यहूदी, मुस्लिम और अन्य लोग एक साथ योग करते हैं, आपसी सम्मान को बढ़ावा देते हैं। सऊदी अरब में नौफ के प्रयास योग को इस्लामी मूल्यों के साथ जोड़ते हैं, सांस्कृतिक बाधाओं को तोड़ते हैं। योग का ध्यान माइंडफुलनेस और करुणा पर केंद्रित है, जो धर्म और सीमाओं से परे संवाद और समझ को प्रोत्साहित करता है।

डॉ. विनीत तिवारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, योग महासंघ

खबर संक्षेप

आरजीपीवी में मनाया कर्मचारी मंच का स्थापना दिवस

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच आरजीपीवी कर्मचारी समिति का स्थापना दिवस समारोह मुख्य अतिथि कुलपति राजीव त्रिपाठी, कुल सचिव डॉक्टर मोहन सेन एवं विशिष्ट अतिथि अशोक पांडे प्रांत अध्यक्ष कर्मचारी मंच के आतिथ्य में मनाया गया। कुलपति राजीव त्रिपाठी ने कहा कि कर्मचारियों के सहयोग के बिना विवि को ऊंचाइयों में ले जाना संभव नहीं है मैं कर्मचारियों को कर्मचारी मंच के स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देता हूं।

मिर्ची बाबा ने की मांग... संतों की मौतों की सीबीआई जांच की जाए

भोपाल। वैरागयानंद गिरी महाराज मिर्ची बाबा ने संतों की मौतों की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। भोपाल पहुंचे मिर्ची बाबा ने कहा कि हरिद्वार में अखंड परमधाम के महामंडलेश्वर अनुभूतानंद को अचानक मार दिया जाता है। दूसरी ओर उज्जैन के प्रखर अंतरराष्ट्रीय वक्ता शांतिस्वरूपानंद को साजिश के चलते चार धाम मंदिर से निष्कासित किया जाता है। वहीं हरिद्वार के स्वामी नित्यानंद एवं बालानंद की रहस्यमयी हत्या, और हाल ही में चित्रकूट के महामंडलेश्वर स्वामी जगत प्रकाश त्यागी का भी संसय भरी हत्या हो जाती है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि इन सभी संतों के हत्या की सीबीआई जांच करवाई होनी चाहिए।

सितंबर तक चलती रहेगी रीवा से सीएसएमटी के मध्य स्पेशल ट्रेन

भोपाल। यात्रियों की मांग के उद्देश्य एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने रीवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 13-13 फेरे विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रीवा से प्रारम्भ होकर सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाती है। ट्रेन संख्या 02187 रीवा-सीएसएमटी साप्ताहिक (गुरुवार) स्पेशल ट्रेन, जो 26 जून तक अधिसूचित थी, अब 03 जुलाई से 25 सितंबर तक और चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 02188 सीएसएमटी-रीवा साप्ताहिक (शुक्रवार) स्पेशल ट्रेन, अब 4 जुलाई से 26 सितंबर तक और चलती रहेगी।

पूर्व सैनिकों के लिए महीने के पहले सोमवार को होगी विशेष सुनवाई

भोपाल। जिले में भूतपूर्व सैनिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह बात जिला सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय में अर्द्ध वार्षिकीय समीक्षा बैठक में एडीएम प्रकाश नायक ने कही। बैठक में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण व कल्याण के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। महीने के पहले सोमवार को विशेष जनसुनवाई की जाएगी। इसके साथ ही बोर्ड कार्यालय में भूतपूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पत्नी और बेटी के साथ बस में सफर कर रहे यात्री का पर्स छीनकर भागा बदमाश

वारदात के बाद रिपोर्ट लिखवाने बागसेवनिया थाने पहुंचे फरियादी से पुलिस ने झपटमारी के मांगे सबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

चलती बस से उतरकर भागा आरोपी, पीछा किया तो 7 फीट ऊंची दीवार फांदकर रेलवे ट्रैक की तरफ भाग गया

समाजसेवी ने थाना प्रभारी से एफआईआर लिखने की गुजारिश की तो झपटमारी का प्रकरण दर्ज किया

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित पुराना हबीबगंज नाका के पास सिटी बस में सफर कर रहे युवक के हाथ से बदमाश ने पर्स झपट लिया। पर्स में दो हजार रुपए की नगदी सहित दस्तावेज थे। पर्स झपटने की शिकायत लेकर बागसेवनिया थाने पहुंचे फरियादी से पुलिस ने पर्स गुम होने की शिकायत लिखाने की बात कही। फरियादी ने कहा कि मेरा पर्स हाथ से झपटकर बदमाश ले गया है तो थाने में पुलिस कर्मचारियों ने कहा पहले झपटमारी के सबूत लेकर आओ। हालांकि बाद में जब समाजसेवी ने थाना प्रभारी से एफआईआर लिखने की गुजारिश की तो झपटमारी का प्रकरण दर्ज किया गया।

जानकारी के अनुसार लहारपुर एलआईजी वन में रहने वाले दिनेश डोंगरे मूलतः बैतूल के पास एक गांव के रहने वाले हैं। वे लहारपुर में परिवार के साथ रहते हैं और बिजली फिटिंग का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि वे बैतूल अपने गांव पत्नी और बेटी के साथ गए थे। वहां से शुक्रवार शाम पाताल कोट एक्सप्रेस से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उतरे। सड़क पर सांची दुग्ध संघ की तरफ उतरने के बाद परिवार एसआरटू बस का इंतजार करने लगा। शाम करीब पांच बजे बस आकर रुकी और परिवार बस में सवार हुआ।

शिकायत में पर्स गुम होने की बात लिखने को कहा

दिनेश डोंगरे ने बताया कि वह घर पहुंचे और बाइक लेकर सीधे थाने गए। वहां पुलिस ने उनसे कहा कि जो कहा जा रहा है वह लिखा दो। इसके बाद उन्हें कहा गया कि पर्स गुम होने का लिखाओ। इधर, दिनेश डोंगरे ने कहा कि पर्स गुम नहीं हुआ है तो थाने में कहने लगे कि फिर झपटमारी का सबूत लाकर दो। दिनेश डोंगरे ने कहा कि बस के कंडक्टर का नंबर है। उससे झपटमारी के बारे में पूछ लो। इसके बाद भी पुलिस झपटमारी की शिकायत दर्ज नहीं कर रही थी। इसी बीच दिनेश डोंगरे ने मोहल्ले में रहने वाले समाजसेवी से बात की। समाज सेवी ने थाना प्रभारी से बात की तब जाकर झपटमारी की शिकायत दर्ज की गई।

टिकट के पैसे देते समय झपटा पर्स

दिनेश डोंगरे ने बताया कि बस पुराना हबीबगंज नाका तक पहुंची थी। आगे स्टॉप होने के कारण बस की रफ्तार धीमी थी। कंडक्टर सामने खड़ा था। उन्होंने कंडक्टर को किराया देने के लिए जेब से पर्स निकाला, तभी पीछे खड़े बदमाश ने उनके हाथ से पर्स झपट लिया और चलती बस से कूदकर पीछे की तरफ भागने लगा। दिनेश डोंगरे भी उसके पीछे भागे और पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन बदमाश डिवाइडर पार करते हुए रेलवे की बाउंड्री कूदकर ट्रैक की तरफ भाग निकला। उन्होंने दीवार के पास देखा तो वहां उसके अन्य साथी और महिलाएं खड़ी की थी।

ऑटो में सफर के दौरान बुजुर्ग महिला की चेन चोरी

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र में सवारी ऑटो में सफर कर रही 75 साल की बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन चोरी हो गई। जिस ऑटो में वह सफर कर रही थी उस ऑटो में दो अन्य महिलाएं सवार हुई थीं। संदेह है कि इन्हीं महिलाओं ने बुजुर्ग के गले से चेन चोरी की है। पुलिस के अनुसार 45 साल की गीता प्रजापति, दाता कॉलोनी कोहेफिजा में रहती है और गृहिणी हैं। पीरगेट पर सास बहू ने खरीदारी की और अपने घर दाता कॉलोनी जाने के लिए सवारी ऑटो में सवार हुए। ऑटो लालघाटी तक पहुंचा, तभी दो अन्य महिलाएं ऑटो में बैठी। गीता प्रजापति ने बताया कि वह ऑटो में अंदर की तरफ बैठी थी, जबकि बाहर की तरफ उनकी सास बैठी थी। दाता कॉलोनी आने पर वह सास को लेकर उतर गई और घर पहुंच गई। तभी सास ने बताया कि उनके गले में चेन नहीं है।

भगवान श्रीहरि के पूजन से मिलता है पुण्य

आज शुभ संयोग के साथ 19 वर्ष बाद साल के सबसे बड़े दिन मनाई जाएगी योगिनी एकादशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि जगत के नाथ भगवान विष्णु व मुख्यतः उनके वामन अवतार को समर्पित होती है। इस दिन योगिनी एकादशी मनाई जाती है। कई शुभ योगों के संयोग में 21 जून को योगिनी एकादशी मनाई जाएगी। इस दिन साल का सबसे बड़ा दिन भी है। ऐसा संयोग 19 साल के बाद हो रहा है। इससे पहले ऐसा शुभ योग साल 2006 में बना था। वहीं योगिनी एकादशी के अगले दिन बुध भी राशि परिवर्तन कर रहे हैं।

मां चामुंडा दरबार के पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि इस शुभ संयोग में भगवान श्रीहरि के पूजन से अत्यधिक पुण्य फल प्राप्त होता है। इस दिन लोग शुभ कार्यों में सिद्धि पाने के लिए विशेष उपाय भी करेंगे। एकादशी तिथि 20 जून रात्रि 3.35 बजे से 21 जून दोपहर 1.08 बजे तक है। उदया तिथि की मान्यता अनुसार 21 जून को योगिनी एकादशी मनाई जाएगी।

इन शुभ योगों में होगा विष्णु पूजन

पंडित रामजीवन दुबे के अनुसार योगिनी एकादशी पर शुभ फलदायी अतिगण्ड योग का निर्माण हो रहा है। 21 जून को अश्विनी नक्षत्र भी लग रहा है, जो शाम 7.50 बजे तक रहेगा। अतिगण्ड योग रात 8.28 बजे तक रहेगा। योगिनी एकादशी पर अभिजीत मुहूर्त सुबह 11.59 से दोपहर 12.47 बजे तक रहेगा। अमृतकाल दोपहर 1.12 से 2.40 बजे तक रहेगा। ये सभी मुहूर्त विष्णु भगवान की पूजा के लिए उत्तम माने जाते हैं। इन शुभ योगों में किए गए पूजन अनुष्ठान का विशेष फल प्राप्त होता है।

बैंड-बाजे के साथ निकली पंथ श्री हुजूर उदितमुनि नाम साहेब की शोभायात्रा

भोपाल। पंथ श्री हुजूर उदितमुनि नाम साहेब कल राजस्थान, गुजरात, और महाराष्ट्र नवोदय यात्रा होते हुए शुक्रवार को भोपाल कबीर स्तंभ पहुंची। जहां पर महाफूल आरती की गई एवं कबीर स्तंभ से नवोदय शोभा यात्रा प्रारंभ हुई शोभा यात्रा में रथ बग्गी, बैंड बाजे के साथ राजपाल भवन से होते हुए मानस भवन पॉलिटेक्निक चौराहा पर समापन हुई। इस मौके पर पंथ श्री हुजूर उदितमुनि नाम साहेब का संदेश समाज जन को दिया गया।

गैस पीड़ित एवं टीबी रोगियों को मिलेगा निःशुल्क उपचार

बीएमएचआरसी: गिन्नौरी स्वास्थ्य केंद्र में डॉट्स सेंटर का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बीएमएचआरसी ने शुक्रवार को गिन्नौरी स्थित अपने स्वास्थ्य केंद्र क्रमांक-5 में डायरेक्टली ऑब्जर्व्ड ट्रीटमेंट शॉर्ट कोर्स (डॉट्स) सेंटर का शुभारंभ किया। सेंटर का उद्घाटन बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने किया।

डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि डॉट्स सेंटर की स्थापना से गिन्नौरी क्षेत्र और आसपास की बस्तियों में रहने वाले गैस पीड़ित एवं अन्य टीबी रोगियों को नजदीक में ही नियमित, निःशुल्क और उपचार उपलब्ध हो सकेगा। यह केंद्र न केवल दवाएं उपलब्ध कराएगा, बल्कि दवा सेवन की निगरानी, फॉलोअप और परामर्श भी सुनिश्चित

करेगा, जिससे मरीज समय पर पूरी तरह ठीक हो सकें। यह पहल राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी उन्मूलन की दिशा में बीएमएचआरसी का महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर अस्पताल के श्वसन रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ललित कुमार, डॉ. महेश राठौड़, स्वास्थ्य केंद्र समन्वयक डॉ. रोमा रस्तोगी एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रांजल खरे उपस्थित रहे।

अमरनाथ यात्रियों के लिए हुआ हेल्पलाइन क्यूआर स्कैनर का विमोचन

भोपाल। अमरनाथ यात्रियों की जानकारी के लिए हेल्पलाइन क्यूआर स्कैनर का विमोचन गोविंद गार्डन में ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के कार्यालय में हुआ। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू हो रही है, जो नौ अगस्त रक्षाबंधन तक चलेगी। इस बार यात्रा 38 दिनों की होगी। भोपाल से पहला जत्था 29 जून और आखिरी जत्था 28 जुलाई को रवाना होगा। इस वर्ष मंडल के 15 जत्थे रवाना होंगे। इसके साथ साथ मंडल के मार्गदर्शन में लगभग 5000 भोले के भक्त छोटे-छोटे समूह में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना होंगे। मंडल की ओर से यात्री एवं यात्रियों के परिवार को उनकी जानकारी देने के लिए मंडल द्वारा क्यूआर स्कैनर का विमोचन किया है। इस अवसर पर गुड्डू अग्रवाल कपिल ग्वाला, प्रदीप सोनी, जनार्दन शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित हुए।

आज मध्यान्ह गायब होगी छाया: सारिका

भोपाल। शनिवार को सूर्य अपनी उत्तर यात्रा के अंतिम पड़ाव कर्क रेखा पर पहुंचने जा रहा है। सुबह 8.12 मिनट पर सूर्य ठीक कर्क रेखा के ऊपर होगा। विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि इस खगोलीय घटना को समर सोल्स्टिस कहते हैं। कर्क रेखा मप्र के 14 जिलों से निकलती है। आज सूर्य, कर्क रेखा पर स्थित नगरों में जीरो शैडो डे की स्थिति होगी। दोपहर में छाया कुछ पल के लिए दिखाई नहीं देगी।

विश्व योग दिवस का आयोजन

भोपाल। बैठक 8 हाउस, जागृत योगा इंस्टीट्यूट एवं खालसा भवन के तत्वावधान में विश्व योग दिवस एवं विश्व संगीत दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पार्षद वीनू सक्सेना एवं मोनू सक्सेना देवांशु संतोष कसाना रहे। बैठक की ओर से योग गुरु का सम्मान एवं विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर योग गुरु अर्चना बैरागी, मनोज छाबड़ा, गुरदीप छाबड़ा, नेहा छाबड़ा, सुनीता श्रीवास्तव, जितेंद्र, विद्या का सम्मान किया गया। आभार महिमा पांडे ने माना।

हिंदी को सशक्त बनाने के लिए निटर भोपाल सदैव प्रतिबद्ध: प्रो. त्रिपाठी

भोपाल। एनआईटीटीटीआर भोपाल की राजभाषा समिति के सदस्यों के साथ बैठक में निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने संस्थान की राजभाषा हिंदी के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट कार्य हेतु संस्थान को विभिन्न स्तर पर पुरस्कार एवं सराहना मिलने पर सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी। गत एक वर्ष में संस्थान को राजभाषा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु पांच पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। हाल ही में संस्थान को केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर द्वारा तीन पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिन्हें संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. पुरोहित द्वारा प्राप्त किया गया। एनआईटीटीआर भोपाल हिंदी भाषा को एक सशक्त माध्यम बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम आगे भी हिंदी के विकास और समृद्धि के लिए अपने प्रयास जारी रखेंगे।

एनसीआईएसएम ने की बोर्डों के नए कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति, मेहरा बने कार्यकारी सभापति

भोपाल। आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग (एनसीआईएसएम) के अंतर्गत विभिन्न बोर्डों के नए कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति की है, जिसमें डॉ. बीएल मेहरा कार्यकारी सभापति, भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, डॉ. नारायण जाधव कार्यकारी अध्यक्ष, चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड, डॉ. सिद्धालिंगेश कुदारी कार्यकारी अध्यक्ष, आयुर्वेद बोर्ड, डॉ. रजनी नायर कार्यकारी अध्यक्ष, नैतिकता एवं पंजीकरण बोर्ड और डॉ. मोहम्मद मजाहिर आलम कार्यकारी

अध्यक्ष, यूनानी, सिद्ध एवं सोवा-रिग्पा बोर्ड का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। नीमा छात्र प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरेंद्र सिंह भदौरिया ने सभी नव नियुक्त अध्यक्षों से भेंट कर उन्हें बधाई दी।

कुडियाट्टम में दिखाई कृष्ण के प्रति पूतना की ममता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में 21 दिनों तक चलने वाली राष्ट्रीय कार्यशाला के 20वें दिन केरल से पधारे कुडियाट्टम नृत्य शैली के अत्यन्त महत्वपूर्ण कलाकार मधुमार्गी एवं इन्दुमार्गी ने अपने सोदाहरण व्याख्यान के अन्तर्गत सौगन्धिकाहरणम् और पूतनामोक्षम् का अद्भुत अभिनय करते हुए कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों एवं दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम में भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकान्त पांडेय और बड़ी संख्या में प्राध्यापक उपस्थित थे। कुडियाट्टम् एक संस्कृत रूपकाभिनय (नाट्यशैली) है। एक नाटक का केवल एक अंक प्रस्तुत करने में 5 से 41 दिनों तक का समय लग सकता है। इसका कारण यह है कि प्रत्येक वाक्य और श्लोक को अधिकतम अभिनय की संभावनाओं का उपयोग करते हुए विस्तृत रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी चौरासिया ने फीता काटकर वैन को रवाना किया

पासपोर्ट मोबाइल वैन सेवा का शुभारंभ, अब गांवों में भी बन सकेंगे पासपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अब मप्र के ग्रामीण और दूर-दराज इलाकों में रहने वाले लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए राजधानी भोपाल या शहर नहीं आना पड़ेगा। दरअसल विदेश मंत्रालय की मोबाइल पासपोर्ट सेवा वैन का शुभारंभ शुक्रवार को अरेरा हिल्स स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से हुआ। वैन के लोकार्पण समारोह में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शीतांशु चौरासिया ने फीता काटकर इसे रवाना किया।

इस मौके पर उन्होंने बताया कि वैन का उद्देश्य उन क्षेत्रों में पासपोर्ट सेवा को पहुंचाना है, जहां अब तक पासपोर्ट सेवा केंद्र नहीं थे। यह मोबाइल यूनिट एक चलित पासपोर्ट सेवा केंद्र के रूप में पूरी तरह से कार्य

करेगी। मोबाइल वैन के उद्घाटन के दिन ही सेवा का प्रभाव नजर आया। 50 से ज्यादा लोगों ने आवेदन की प्रक्रिया पूरी की। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग और महिलाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। अधिकांश आवेदकों ने इसे घर तक आई सरकारी सेवा बताते हुए सराहा।

वैन में मिल रही हैं केंद्र जैसी सभी सुविधाएं

यह वैन आधुनिक तकनीक से लैस है। इसमें बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, डॉक्यूमेंट स्कैनिंग, डिजिटल हस्ताक्षर, फोटो कैप्चर और ऑन-साइट वेरिफिकेशन की सभी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। पासपोर्ट के लिए जरूरी सभी चरण इसी वैन में पूरे किए जा रहे हैं। शीतांशु चौरासिया ने बताया कि, इस वैन में वही प्रक्रिया अपनाई जाती है जो भोपाल स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र में होती है।

ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग से होगी सुविधा आसान

वैन किस क्षेत्र में कब पहुंचेगी, इसकी सूचना स्थानीय प्रचार और डिजिटल माध्यमों से दी जाएगी। इसके लिए एक विशेष ऑनलाइन अपॉइंटमेंट स्लॉट बुकिंग सिस्टम बनाया गया है, जिससे इच्छुक आवेदक समय से पंजीकरण करा सकें। यह पहल विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी है, जो शारीरिक, आर्थिक या पारिवारिक कारणों से पास के बड़े शहरों तक नहीं पहुंच पाते थे।

किसी ने अपनी पत्नी की याद में तो किसी ने सिने गायक किशोर कुमार की स्मृतियों को संजोकर बनाया ग्रुप

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

कहते हैं जहां चाह होती है वहां राह होती है... कुछ ऐसी ही कहानियों गायकों के साथ भी है जब उन्हें लगता है कि हमें गायन को न केवल एक मंच देना है बल्कि कई शौकिया गायकों को भी अपने साथ जोड़ना है। तो उनके यही विचार समाज के कई शौकिया गायकों को प्रोफेशनल सिंगर भी बना देते है। आज वर्ल्ड म्यूजिक डे पर हरिभूमि ने राजधानी के ऐसे दो ग्रुप तलाशे जिसमें किसी ने अपनी पत्नी की स्मृति में उन्हीं के नाम पर म्यूजिकल ग्रुप बनाया तो किसी ने अपने पसंदीदा गायक किशोर दा की स्मृति में।

वर्ल्ड म्यूजिक डे आज सैकड़ों डॉक्टर्स और आईएएस, आईपीएस के साथ-साथ शौकिया गायकों को दिया मंच

अपनी धर्मपत्नी की स्मृति में की गुंजन फाउंडेशन की स्थापना

वहीं अपनी धर्मपत्नी गुंजन की याद में साल 2009 से गुंजन फाउंडेशन की स्थापना करने वाले, पद्मश्री अनूप जलोटा के शिष्य लोकप्रिय गायक कैलाश यादव ने कहा कि मेरी पत्नी गुंजन को गाने का बहुत शौक था और उन्हीं के नाम पर मैंने गुंजन फाउंडेशन स्थापित किया, जिसमें आईएएस, आईपीएस सहित बड़े बड़े मंत्री और डॉक्टर्स गायन सीखते हैं और अभी तक मैंने सैकड़ों आईएएस, आईपीएस और डॉक्टर्स को गायन सिखाया है और इसके अंतर्गत साल में दो बार हम गीत गुंजन संगीत संध्या का आयोजन करते हैं। जिसमें बड़े बड़े अधिकारियों से लेकर डॉक्टर्स तक अपनी प्रस्तुति देते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे इस गुंजन फाउंडेशन में करीब 4 साल की उम्र से लेकर 86 साल तक के गायक कलाकार जुड़े हैं जो अपनी मनभावन प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

किशोर कुमार को समर्पित मध्यप्रदेश की पहली अकादमी

फिल्म गायक स्व. किशोर कुमार को समर्पित किशोर कुमार फैंस क्लब की स्थापना 13 वर्ष पहले की गई। इस अकादमी ने न सिर्फ किशोर कुमार की स्मृतियों को संजोया है बल्कि आज भी किशोर कुमार के गीतों की प्रस्तुति के माध्यम से उन्हें लोगों के बीच में जीवंत कर रखा है। खास बात यह है 13 वर्ष की इस यात्रा में अब तक इस अकादमी में ऐसे कई गायक कलाकार जुड़ गये हैं जो कभी अकादमी में प्रशिक्षण लेने आये थे और आज वे स्टेज परफॉर्मर बन गये हैं।

किशोर कुमार के सम्मान में शुरू की थी अकादमी

बचपन से संगीत में रुचि रखने वाले और अकादमी के संस्थापक डॉ. कुमार राजेश ने बताया कि मैं हमेशा ही किशोर कुमार और कुमार शानू के गीतों को सुनता आया हूं। चूंकि किशोर कुमार मध्यप्रदेश से रहे हैं और उन्होंने पूरे विश्व में मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया इसलिए मैंने उनकी स्मृति में किशोर कुमार अकादमी को शुरू कर लोगों को गायन का एक मंच उपलब्ध कराया। यह मध्यप्रदेश की पहली ऐसी अकादमी हैं जो सिर्फ किशोर कुमार को डेडिकेटेड हैं। अभी तक इस संस्था से 500 से अधिक लोग जुड़ चुके हैं और आज 13 वर्षों से इसका सफल संचालन कर रहा हूं।

सीएम डॉ. यादव ने किया छह दिवसीय जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम सदानीरा समागम का शुभारंभ

सिंहस्थ में क्षिप्रा घाटों पर एक दिन में पांच करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे: सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

सिंहस्थ : 2028 में श्रद्धालुओं को विकसित और विस्तारित घाटों की ऐसी सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे 24 घंटे में पांच करोड़ श्रद्धालु पुण्य स्नान का लाभ ले सकेंगे। क्षिप्रा के दोनों ओर लगभग 30 किमी की लम्बाई में विकसित घाटों पर सुविधाजनक ढंग से स्नान संभव होगा। यह सिंहस्थ ऐतिहासिक सिद्ध होगा। मध्यप्रदेश जल संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर देश के लिए उदाहरण बनेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भारत भवन में छह दिवसीय सदानीरा समागम का शुभारंभ करते हुए कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत भारत भवन में सदानीरा समागम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद वीडी शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्र एवं शिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि जल संचयन और जल संरक्षण की आदिकाल से परम्परा रही है। मनुष्य भोजन के बिना रह सकता है लेकिन जल के बिना अधिक दिन जीवित नहीं रह सकता। भारतीय परम्परा में जीवन के अंत में भी गंगा जल आवश्यक माना गया है। जल आक्सीजन भी प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने किया तीन पुस्तकों का विमोचन

भारत भवन में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीर भारत न्यास, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् एवं मध्यप्रदेश जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों सदानीरा, पृथ्वी पानी का देश है..., अमृत जलधारा (चार खंड) व जल धरा का विमोचन किया। इसके पहले ऋषिकेश पांडे

सदानीरा समागम में गूंजा जल और जीवन का राग

धारा 370 हटने के बाद की 'हमनवा', जिसमें दर्शाई कश्मीर की वितस्ता और महाराष्ट्र की गोदावरी को एक करने की कथा

गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती नर्मदे सिंधु कावेरी जलेस्मिन सन्निधिं कुरु..... श्लोक के साथ देश की पावन नदियों की अराधना के रुप में बताया कि नदी केवल जल नहीं होती, वह एक स्मृति होती है अपने भूगोल की, अपनी संस्कृति की, अपने भीतर पलते हजारों वर्षों के संवादों की। जब दो नदियां मिलती हैं, तो यह केवल जलों का संगम नहीं होता, यह दो चेतनाओं का आलिंगन होता है। 'हमनवा' नृत्य नाटिका में नदियों का यही आलिंगन देखने को मिला, जिसमें कश्मीर की वितस्ता (झेलम) और महाराष्ट्र की गोदावरी को एक करने की कथा को विदुषी शमा भाटे और उनकी 10 शिष्याओं ने बेहद मनभावन रूप में दर्शाया। शमा भाटे ने कहा कि नदियों के एकीकरण खासकर कश्मीर की झेलम और महाराष्ट्र की गोदावरी के एकीकरण पर आधारित हमनवा की प्रस्तुति मैंने कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद कोरियोग्राफ की और मप्र में इसे पहली बार प्रस्तुत किया।

काल्पनिक अंतरिक्ष की दुनिया में जाती नदियां

जहां गोदावरी और वितस्ता के एकीकरण को दर्शाती 'हमनवा' नृत्य नाटिका में दिखाया कैसे यह दोनों नदियां काल्पनिक अंतरिक्ष की दुनिया में जाती हैं और अपने देवों के देव महादेव से प्रार्थना करती कि गंगा को अपने पास बुला लें।

सितार की धुन पर सुना साउंड ऑफ रिवर

वहीं प्रसिद्ध सितार वादिका स्मिता नागदेव एवं राहुल शर्मा ने साउंड ऑफ रिवर के रूप में सरस्वती राग और रागों को इन नदियों के प्रवाह, प्रकृति के आधार पर सितार और अन्य वाद्यों पर संगीत रचकर प्रस्तुत किया। सितार की सुमधुर धुन और उसके साथ कविताओं की तान छेड़ती साउंड ऑफ रिवर प्रस्तुति में स्मिता नागदेव और राहुल शर्मा ने सरस्वती, गंगा, नर्मदा, शिप्रा नदियों से सम्बंधित कविताओं पर आधारित अपनी प्रस्तुति दी।

सितार पर नदी सूक्त, श्लोक, नर्मदाष्टकं की प्रस्तुति

सितार और कविताओं की एक विशेष जुगलबंदी के रुप में इस प्रस्तुति में कलाकारों ने देस, जोग, मालकौंस आदि रागों के आधार पर रचनाओं का प्रस्तुति दी। इनकी प्रस्तुति में नदी सूक्त, श्लोक, नर्मदाष्टकं के साथ ही शिवमंगल सुमन आदि की कविताएं भी सम्मिलित की गई।

ब्रेन ट्यूमर से हुआ पैरालाइज तो योग से कर लिया पूरी तरह ठीक

हरिभूमि कार्यालय में आए प्रसिद्ध योग गुरु कृष्ण मिश्रा 'कृष्ण गुरुजी'

हरिभूमि चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

नौ वर्ष की उम्र में सिर से पिता का साया उठ गया, थोड़ा बड़ा हुआ तो ब्रेन ट्यूमर ने घेर लिया और साल 1982 में मेरा ब्रेन ट्यूमर का सक्सेसफुल ऑपरेशन हुआ, लेकिन इसकी वजह से मेरा राइट पार्ट पैरालाइज हो गया और मैं कुछ भी कर पाने में असमर्थ हो गया, और इसके बाद फिजियोथेरेपी के दौरान मुझे योग की भी प्रेरणा मिली कि योग कैसे आपका ब्लड को सकुर्लेट करता है और मैंने योग करना प्रारंभ किया और दो वर्षों में मेरा पैरालाइज्ड पार्ट भी पूरी तरह से ठीक हो गया। यह कहना है प्रसिद्ध योग गुरु कृष्ण मिश्रा या कृष्ण गुरुजी का। जो योग दिवस की पूर्व संध्या पर हरिभूमि कार्यालय में आए और अपने जीवन से जुड़े अनुभवों को साझा किया।

आज गांधीनगर कुष्ठ रोग आश्रम में कराऊंगा योग

कृष्ण गुरु ने कहा कि ब्रेन ट्यूमर से पैरालाइज्ड होने के बाद मेरे भीतर घर की जिम्मेदारियों की सोच थी, इसलिए मैंने उल्टे हाथ से लिखना शुरु किया और साल 1985 में मेरी नियुक्ति एलआई सी में हुई। उन्होंने कहा कि मैंने जीवन में कभी हार नहीं मानी और मेरे इन कठिन पड़ावों में योग मेरा सहायक बना। मैंने योग को केवल स्वयं तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि देश और दुनिया के साथ-साथ हांशिए पर मौजूद समाज, समाज से तिरस्कृत समाज को भी योग से जोड़ा। इसका एक ही कारण था कि सभी स्वस्थ और प्रसन्न हों। 2025 में आज योग दिवस के अवसर पर गांधीनगर कुष्ठ रोग आश्रम में मैं करीब 54 लोगों को योग कराऊंगा।

अमेरिकी क्रूज से लेकर कैलाश मानसरोवर की ऊंचाई पर कराया योग

कृष्ण गुरु ने कहा कि मैंने डिवाइन एस्ट्रोलॉजी की शुरुआत की और 10 देश के लोग डिवाइन एस्ट्रोलॉजी के माध्यम से मुझसे जुड़े हैं, जो एक प्रकार से योग, ध्यान और प्राणायाम का ही एक रूप है। उन्होंने कहा कि 2020 में मैंने ट्रांसजेंडर समुदाय को ऑनलाइन योग कराया, 2015 में चलती ट्रेन में, 2016 में एयरपोर्ट पर, 2017 में महाकाल मंदिर में भिक्षुओं के साथ, 2018 में कैलाश मानसरोवर में ऊंचाई पर ऑक्सीजन के अभाव में, 2019 में अमेरिका के क्रूज पर, 2021 में विश्व भर के सूर्योदय से सूर्यास्त तक ऑनलाइन सत्र, 2023 में कुलियों के साथ योग कराया और सामाजिक एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज जहां बड़े-बड़े पंडित पितृ दोष के रूप में महंगे पूजा पाठ, हवन-पूजन के लिए हजारों रुपए ऐंठते हैं। उसकी जगह मैंने लोगों को योग के माध्यम से पितृ दोष निवारण की विधि बताई, जो मानव स्वयं अनुलोम-विलोम से मिलती जुलती विधि का ही रूप है। कृष्ण गुरु ने डिवाइन एस्ट्रोलॉजी हीलिंग के बारे में बताते हुए कहा कि डिवाइन एस्ट्रोलॉजी में मनुष्य के भीतर की पूरी रुहानी शक्ति को केंद्रित करके उसकी पीड़ादायक स्थान पर लगाया जाता है और वो ठीक हो जाता है।

इसे मैं ईश्वर की देन की कहूंगा कि इस प्रकार मेरे द्वारा कई लोगों ने कष्टों और पीड़ा से मुक्ति पाई है।

केन्द्रीय संस्कृत विवि में प्रस्तुति

स्वयं की दुविधा और ममता को उजागर करती 'श्रीकृष्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

पूतना मायामंत्र जपकर अदृश्य हो जाती है और सुंदर स्त्री का रूप धारण करके नंदगोप के घर में प्रवेश करती है और पालने में सोते हुए कृष्ण की मोहिनी मुस्कान और बालरूप की शोभा देखकर उसकी बुद्धि भ्रमित हो जाती है। वह उसे उठाने का प्रयास करती है, परंतु बालक का भार सहन नहीं कर पाती और मन ही मन प्रार्थना करती है कि वह स्वयं उठकर उसकी गोद में आ जाए और कृष्ण को स्तनपान कराने का विचार करती है, वह कृष्ण के प्रति वात्सल्य, कंस के प्रति क्रोध, अपनी दुविधा पर दुःख और गहरा भय प्रकट करती है। अंत में वह उसे स्तनपान कराती है, लेकिन कृष्ण उसके प्राण चूस लेते हैं। पूतना की नसें फट जाती हैं और वह विकराल रूप में मृत्यु को प्राप्त होती है। नंग्यारकूथ के एक दृश्य पर आधारित 'श्रीकृष्ण चरितम' की इस प्रस्तुति में जहां एक ओर कृष्ण के प्रति पूतना का वातसल्य नजर आया तो वहीं उसकी दुविधा भी, इस सुंदर प्रस्तुत को करेल से आइं नृत्यांगना इंदु मार्गी ने प्रस्तुत किया। मौका है शुक्रवार को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में जारी राष्ट्रीय कार्यशाला के 20वें दिन केरल से आए कुडियाट्टम नृत्य शैली के प्रसिद्ध कलाकार मधुमार्गी एवं इन्दुमार्गी की प्रस्तुति का।

अंतिम श्वांस लेते हाथी की दुर्दशा दिखाती प्रस्तुति

संस्कृत रूपकाभिनय का एक अंक कूडियाट्टम को प्रस्तुत करने में 5 से 41 दिनों तक का समय लग सकता है। वहीं एक अन्य प्रस्तुति में 'कल्याण सौगन्धिकम' की प्रस्तुति खास रही। जिसमें भीम के एक श्लोक अभिनय को दिखाया गया कि जब भीम कल्याण सौगंधिक फूल की खोज में गंधमादन पर्वत के वन में पहुंचता है, वहां उसे एक दृश्य दिखाई देता है एक हाथी भोजन करके सो रहा है। तभी एक विशाल अजगर गुफा हाथी का पैर निगलने लगता है, हाथी जागकर दर्द में चिंघाड़ता है। उसकी आवाज सुनकर एक सिंह वहां आता है और हाथी के मस्तक पर प्रहार करके उसे फाड़ देता है और उसका रक्त पीता है और इस प्रकार हाथी, सिंह और अजगर के बीच फंसकर अत्यंत करुणा जनक स्थिति में अपने अंतिम श्वासें लेता है। इसे बड़े ही मनभावन स्वरुप में नृत्यांगना ने प्रस्तुत किया।

बच्चों में दिखाई दी खुशी की झलक

स्पेशली एबल्ड बच्चों ने 'सितारे जमीं पर' बड़ी स्क्रीन पर देखी

भोपाल। सिनेमा हॉल पर बड़ी स्क्रीन पर अपने जैसी कद-कठी, मंद-मंद मुस्कुराहट, जोर-जोर से हंसी अपने जैसा नाराज होना, गुस्सा होना या रूठ जाना समाज और घर वालों जैसे व्यवहार करते हुए जब दिव्यांग कलाकर दिखें तो बच्चे उन कलाकारों को अपने आप में खोजने लगे उन्हें लग रहा था इतनी बड़ी स्क्रीन पर मैं ही हूं। यह नजारा था शुक्रवार को आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीं पर' देखने गए उमंग वेलफेयर संस्था के दिव्यांग बच्चों का। सितारे जमीन पर जिसमें 10 स्पेशली एबल्ड जो इंटेलेक्चुअल डिसेबल्ड बच्चे शामिल रहे।

'डिस्कवरी ऑफ अर्ली मैन फ्रॉम नर्मदा वैली' का विमोचन, दिखी भावनात्मक श्रद्धांजिल की झलक

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

नर्मदा घाटी में मिले प्राचीन मानव अवशेषों के वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित पुस्तक 'डिसकवरी ऑफ अर्ली मैन फ्रॉम नर्मदा वैली' का विमोचन शुक्रवार को मानव संग्रहालय में हुआ वरिष्ठ भूविज्ञानी डॉ. अरुण सोनकिया द्वारा लिखित यह पुस्तक भारत की भूमिका को वैश्विक मानव उत्पत्ति विमर्श में मजबूती से प्रस्तुत करती है। डॉ. अरुण सोनकिया का यह स्वप्न था कि भारत की सांस्कृतिक और जैविक विरासत को विश्वपटल पर उचित स्थान मिले, इसलिए उन्होंने इस पुस्तक का लेखन किया। डॉ. सोनकिया के आकस्मिक निधन के बाद उनकी इस अधूरी पांडुलिपि को उनकी पुत्री श्वेता सोनकिया, पुत्र

नर्मदा घाटी में प्राचीन मानव अवशेषों की खोज पर आधारित पुस्तक डॉ. अरुण सोनकिया की पुस्तक 'डिस्कवरी ऑफ अर्ली मैन फ्रॉम नर्मदा वैली' का विमोचन

मानव विकास के प्रारंभिक चरणों की विस्तृत जानकारी देती पुस्तक

पुस्तक विमोचन के इस अवसर पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् मनोज कुमार कुर्मी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पाण्डे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। पुस्तक की समीक्षा डॉ. पी. अनुराधा द्वारा करते हुए कहा कि यह कृति भारतीय प्रागैतिहासिक अध्ययन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय योगदान देती है। संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह पुस्तक नर्मदा घाटी में मानव विकास के प्रारंभिक चरणों की विस्तृत जानकारी दी और कहा कि यह पुस्तक भारतीय पुरापाषाण अध्ययन में एक

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड का एमपीटी इन्फ्लुएंसर मीट का आयोजन

मध्यप्रदेश के अनछुए डेस्टिनेशन्स को देश-दुनिया के सामने लाएं इन्फ्लुएंसर्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

मध्यप्रदेश के अनछुए और दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने और प्रदेश के पर्यटन को डिजिटल माध्यम से देश-दुनिया से अवगत कराने शुक्रवार को मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 'एमपीटी इन्फ्लुएंसर मीट' का आयोजन किया। इस मीट में प्रदेश के साथ-साथ अन्य राज्यों के 70 से अधिक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने हिस्सा लिया। जिसमें पैनल डिस्कशन के साथ-साथ इन्फ्लुएंसर्स फन गेम्स, फन क्विज, वीआर एक्सपीरियंस और कैप्शन दिस जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

युवतियों और महिलाओं को दी आत्मरक्षा की ट्रेनिंग

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मप्र टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश के साथ-साथ अन्य स्थानों के कॉन्टेंट क्रिएटर्स भी यहां की खूबसूरती को लेकर बहुत अच्छा कॉन्टेंट तैयार कर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। इन्फ्लुएंसर्स मध्यप्रदेश के अनछुए डेस्टिनेशन्स को देश-दुनिया के सामने लाएं और इनसे परिचित कराएं। मध्य प्रदेश में महिला पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेफ टूरिज्म फॉर वुमन परियोजना के अंतर्गत विभाग ने 40 हजार युवतियों और महिलाओं को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग दी है। साथ ही 10 हजार युवतियों और महिलाओं को सोविनियर बनाने की ट्रेनिंग दी है, जिससे उनके लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

होटल्स और रिसॉर्ट पर्यटकों के आतिथ्य सत्कार के लिए तैयार हैं

प्रबंध संचालक, मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम डॉ. इलैयाराजा टी ने कहा कि मध्य प्रदेश की परंपरा के अनुसार हम पर्यटकों का यहां स्वागत करते हैं। सभी पर्यटन स्थलों पर एमपीएसटीडीसी द्वारा होटल्स और रिसॉर्ट पर्यटकों के आतिथ्य सत्कार के लिए तैयार हैं। हम हर पर्यटक को सुखद और अविस्मरणीय अनुभव कराना हमारा उद्देश्य है। वहीं, अपर प्रबंध निदेशक, मप्र टूरिज्म बोर्ड बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि मध्य प्रदेश में यूनेस्को की स्थायी सूची में शामिल 3 धरोहरों में खजुराहो, भीमबेटका और सांची के स्तूप हैं। 15 धरोहरें अस्थायी सूची में शामिल हैं। दो ज्योतिर्लिंग और दो शक्तिपीठ हैं। 241 होम स्टे हैं, जहां आप ग्रामीण परिवेश की दिनचर्या और व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

देश में एम्स की संख्या 7 से 23 पर पहुंची और मेडिकल कॉलेज दोगुने

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों की बेहतर स्वास्थ्य के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो गई है। शाह बेंगलुरु स्थित अदिचुंचनगिरी यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाए, फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत की, योग दिवस मनाने की परंपरा शुरू की और मिशन इंद्रधनुष के तहत मुफ्त टीकाकरण अभियान चलाया। 'पोषण अभियान' से माताओं और बच्चों के पोषण की चिंता की गई, 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा दिया गया और प्रधानमंत्री जनऔषधि योजना से सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

2014 तक 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब 780

उन्होंने कहा कि 2014 में देश में केवल 7 एम्स थे, जो अब बढ़कर 23 हो गए हैं। पहले जहां देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब उनकी संख्या 780 हो गई है। एमबीबीएस की सीटें भी 1,18,000 तक पहुंच गई हैं। अमित शाह ने अदिचुंचनगिरी मठ की भी सराहना की और कहा कि इस संस्था ने अनेक गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को अध्यात्म और निःस्वार्थ सेवा से जोड़ा है।

केंद्र की योजनाओं का किया बखान

बेंगलुरु स्थित अदिचुंचनगिरी यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के उद्घाटन समारोह में शाह ने कहा

पीजी सीटें 31,000 से बढ़कर 74,000

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने यह भी बताया कि देश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। पीजी सीटें 31,000 से बढ़कर 74,000 हो गई हैं। यानी हर साल देश में 1,18,000 एमबीबीएस डॉक्टर और 74,000 स्पेशलिस्ट डॉक्टर तैयार हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी, रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना और आदिचुंचनगिरी मठ के निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी भी मौजूद थे।

कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया

शाह गुरुवार शाम को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु पहुंचे, जहां भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा से भी मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि बेंगलुरु में वरिष्ठ भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को इलाज की सहायता दी

शाह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कई साल पहले गुजरात में कहा था कि गरीबों की सबसे बड़ी समस्या बीमारी और उपचार पर खर्च है। सरकार को गरीबों के उपचार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आज मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को हर साल पांच लाख रुपए तक का मुफ्त उपचार करवाया है।

मोदी सरकार ने गरीबों के जीवन में किया बदलाव

शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाना, फिट इंडिया मूवमेंट, योग दिवस, मिशन इंद्रधनुष, पोषण अभियान, आयुष्मान भारत और भारतीय जनऔषधि परियोजना शामिल हैं। उन्होंने कहा, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एक नागरिक को मां के गर्भ में जन्म लेने से लेकर पूर्ण नागरिक बनने तक किसी बीमारी का सामना न करना पड़े और यदि वह बीमार होता है, तो उपचार महंगा न हो।

खबर संक्षेप

एआई प्लेन क्रैश करा दूंगी, डॉक्टर की धमकी

बेंगलुरु। एयर इंडिया की बेंगलुरु से सूरत जा रही फ्लाइट में तब हड़कंप मच गया, जब एक 36 वर्षीय महिला डॉक्टर ने प्लेन क्रैश करने की धमकी पायलट को दे दी। डॉक्टर की पहचान व्यास हिरल मोहनभाई के तौर पर हुई। इन्होंने हंगामा इसिलए मचाया क्योंकि इनका बैग इनके हिसाब से फ्लाइट में नहीं रखा गया था। इसकी रिपोर्ट अब की गई है।

दिल्ली मेट्रो में 'सांप' को लेकर मचा बवाल

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लाखों लोगों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने वाली और इस इलाके की लाइफ लाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। गुरुवार को महिला कोच में महिलाएं जोर-जोर से चिल्लाईं। इधर-उधर भागने लगीं और शोर मच गया कि मेट्रो के महिला कोच में सांप है।

अवध असम एक्सप्रेस से टकराई ट्रॉली,1 की मौत

कटिहार। बिहार के कटिहार में कटिहार बरौनी रेल खंड पर काढागोला और सेमापुर के बीच बरौनी से कटिहार जा रही अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन (15910) और रेलवे ट्रॉली के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में एक ट्रॉलीमैन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 रेलकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। कई मजदूर गंभीर घायल बताए जा रहे हैं।

सरगुजा में नदी में बहीं 2 महिलाएं और 2 बच्चे

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक नदी में बाढ़ आ जाने के बाद दो महिलाएं और दो बच्चे बह गए हैं। पुलिस ने बताया कि पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों ने चारों की तलाश शुरू कर दी है।केरजु पुलिस चौकी क्षेत्र में ढोड़ागांव के पास मैनी में गुरुवार शाम सोमारी , बिनावती नागवंशी, 3 वर्षीय आरयस नागवंशी और 8 वर्षीय अनिता बह गए।

अस्पताल में मनसे का हंगामा, 20 पर केस

ठाणे। नवी मुंबई के एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर पोस्टमार्टम विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर हंगामा करने के मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के 20 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कार्यकर्ताओं का एक समूह 17 जून को वाशी नगर अस्पताल में घुस गया और चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय में नारेबाजी की थी।

पीएम मोदी ने सीवान में रैली को संबोधित कर राजद और कांग्रेस पर किया हमला

'पंजे' व 'लालटेन' वालों का मंत्र है- अपने साथ...परिवार का विकास, इनसे सावधान

एजेंसी ▶▶ सीवान

बिहार दौरे पर पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी राजद और कांग्रेस पर जमकर बरसे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को सीवान में एक रैली को संबोधित करते हुए लालू यादव के राज की याद दिलाई और कहा कि जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया, उसको पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था। पीएम मोदी ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे इस विश्वास का कारण बिहार के आप सभी लोगों का सामर्थ्य है। आपने मिलकर बिहार से जंगलराज का सफाया किया है। यहां के हमारे नौजवानों ने तो 20 साल पहले के बिहार की बदहाली सिर्फ किस्सों और कथाओं में ही सुनी है। उन्हें अंदाजा ही नहीं है कि जंगलराज वालों ने बिहार की क्या हालत बना दी थी। जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया, उसको पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था।

जलापूर्ति, स्वच्छता परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन भी किया

रेल लाइन का किया उद्घाटन

नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई

गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत भी शुरू की

संविधान निर्माण से लेकर देश को दिशा दिखाने में राजेंद्र बाबू की बड़ी भूमिका

पीएम मोदी ने कहा कि सीवान की ये धरती हमारे स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरक स्थली है। ये हमारे लोकतंत्र को, देश को, संविधान को ताकत देने वाली भूमि है। सीवान ने राजेंद्र बाबू जैसी महान संतान देश को दी। संविधान निर्माण से लेकर देश को दिशा दिखाने में राजेंद्र बाबू की बहुत बड़ी भूमिका रही। सीवान ने ब्रज किशोर प्रसाद जैसे महान समाज सुधारक भी देश को दिए।

बिहार के लिए बहुत कुछ करेगा मोदी

उन्होंने कहा कि मेरे बिहारी भाई-बहन कठिन से कठिन परिस्थिति में काम करके दिखा देते हैं। सीएम नीतीश के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को विकास की पटरी पर वापस लाई है और मैं विश्वास दिलाने आया हूं कि हमने भले बहुत कुछ किया हो। बिहार के लिए बहुत कुछ करेगा मोदी।

6,600 मकानों को किया समर्पित, कुछ चाबियां भी सौंपी

बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 400 करोड़ से अधिक की नई वैशाली-देवरिया रेलवे लाइन परियोजना का उद्घाटन किया। इस मार्ग पर एक नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने उत्तर बिहार में 'कनेक्टिविटी' को बढ़ाने पटना-मुजफ्फरपुर व बेतिया से होते हुए गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत को भी हरी झंडी दिखाई।मरहोरा संयंत्र में निर्मित अत्याधुनिक रेल इंजन को भी हरी झंडी दिखाई। नमामि गंगे परियोजना के तहत 1,800 करोड़ से अधिक लागत के छह सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) का उद्घाटन किया, जिससे क्षेत्र के लोगों की जरूरतें पूरी होंगी।

भुवनेश्वर में रोड शो, परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया

ओडिशा को दी करोड़ों की सौगात

भुवनेश्वर। पीएम मोदी ने भुवनेश्वर में रोड शो किया। सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने 18,600 करोड़ से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं में पेयजल, सिंचाई, कृषि अवसंरचना, स्वास्थ्य अवसंरचना, ग्रामीण सड़कें और पुल, राष्ट्रीय राजमार्गों के खंड और एक नई रेलवे लाइन शामिल हैं। राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ बौध के एकीकरण के ऐतिहासिक क्षण पर पीएम मोदी पहली बार जिले में रेल संपर्क बढ़ाने वाली नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी भी दिखाई।

100 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री मोदी ने भुवनेश्वर में राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) प्रणाली के अंतर्गत 100 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई।

ओडिशा विजन दस्तावेज जारी किया

पीएम ओडिशा विजन दस्तावेज भी जारी किया। यह 2036 के ऐतिहासिक वर्षों पर आधारित है, जब ओडिशा भारत के प्रथम भाषाई राज्य के रूप में 100 वर्ष पूरे करेगा तथा 2047 जब देश स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएगा। वह राज्य की सफल महिलाओं को सम्मानित करने सहित कई अन्य पहलों का हिस्सा भी बनेंगे।

मुंबई लोकल ट्रेन हादसा, हाईकोर्ट चिंतित

हर दिन 10 लोगों की मौत गंभीर मामला, कदम उठाएं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई लोकल ट्रेन नेटवर्क पर हो रही यात्रियों की मौतों को लेकर गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने इस स्थिति को 'चिंताजनक' बताया, खासकर तब जब हाल ही में एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर 5 यात्रियों की मौत हो गई थी। कोर्ट ने सुझाव दिया कि मुंबई लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाए जाएं। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह सुझाव केवल एक 'आम नागरिक' की नजर से दिया गया है। इस पर रेलवे विशेषज्ञों की राय ज्यादा जरूरी है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अराड़े और न्यायमूर्ति संदीप मर्ने की खंडपीठ ने कहा कि इस तरह की दुखद घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए तुरंत जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए।

2024 में 3588 लोगों की मौत

रेलवे की तरफ से दायर हलफनामे के अनुसार केवल 2024 में 3588 लोगों की जान मुंबई की लोकल ट्रेनों में हादसों में गई है। यानी हर दिन औसतन 10 लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत ही चिंताजनक स्थिति है, भले ही आप कह रहे हैं कि पिछले वर्षों की तुलना में 49 फीसदी मौतें कम हुई हैं।

9 जून की घटना पर कोर्ट सख्त

कोर्ट ने 9 जून को हुए हादसे का विशेष रूप से जिक्र किया, जिसमें मुम्ब्रा स्टेशन के पास एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर 5 यात्रियों की मौत हो गई थी और 8 लोग घायल हुए थे। कोर्ट ने कहा कि ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि उठाए गए कदम पर्याप्त नहीं हैं।

मुंबई हाई कोर्ट ने दिए कई सुझाव

लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाए जाएं ताकि लोग चलती ट्रेन से बाहर न गिरें। कोर्ट ने माना कि ये सुझाव तकनीकी विशेषज्ञों की राय के बिना लागू नहीं किए जा सकते। जनहित याचिका (पीआईएल) की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रेलवे से कहा कि वह उठाए गए कदमों की जानकारी पेश करे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि रेलवे जांच कमेटी की सिफारिशों को रिकॉर्ड पर लाए, और ये भी बताए कि इन सिफारिशों को कब और कैसे लागू किया जाएगा। इस मामले में अब 14 जुलाई को फिर सुनवाई होगी।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में भीषण सड़क हादसा

पुलिस ने ट्रेलर जब्त किया

कार और ट्रक के बीच टक्कर, शादी समारोह से लौट रहे 9 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ पुरुलिया

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में चारपहिया सवार सभी 9 लोगों की जान चली गई। हादसा बलरामपुर थाना क्षेत्र के नामशोल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 18 पर हुआ। जब पीड़ित एक शादी समारोह से लौट रहे थे, तब नामशोल में उनकी बोलेरो की तेज रफ्तार ट्रक से टक्कर हो गई।

झारखंड के नीमडीह थाना क्षेत्र के तिलाईटांड जा रहे थे पीड़ित

बताया जा रहा है कि पीड़ित पुरुलिया के बड़ाबाजार थाना क्षेत्र के अदबाना गांव से झारखंड के नीमडीह थाना क्षेत्र के तिलाईटांड जा रहे थे। वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सभी घायलों को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने सभी यात्रियों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

सुबह करीब 6.30 बजे हुई दुर्घटना

एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना जिले के बलरामपुर पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत नामशोल गांव में एनएच-18 पर सुबह करीब 6.30 बजे हुई। बलरामपुर पुलिस थाने के प्रभारी सौम्यदीप मलिक ने बताया कि राजमार्ग पर एक एसयूवी और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत का आरोप

कांग्रेस की असम इकाई का 'प्रचार' कर रहे इस्लामिक देशों के 5,000 सोशल मीडिया अकाउंट

सबसे ज्यादा 'अकाउंट' बांग्लादेश और पाकिस्तान के सक्रिय

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने आरोप लगाया कि 5,000 से अधिक 'सोशल मीडिया अकाउंट' कांग्रेस की असम इकाई का प्रचार एवं समर्थन करने के लिए सक्रिय हैं। इनमें से ज्यादातर इस्लामिक देशों से संचालित होते हैं। ये 47 देशों में सक्रिय हैं और इनमें से सबसे अधिक संख्या में सक्रिय 'अकाउंट' बांग्लादेश और पाकिस्तान में हैं।

कांग्रेस की असम इकाई के एक विशेष नेता पर 'मेहरबानी' कर रहे

उन्होंने दावा किया कि ये 'अकाउंट'एक महीने से कांग्रेस की असम इकाई के एक विशेष नेता और पार्टी की राज्य इकाई के पेज की गतिविधियों पर खासतौर पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सरमा ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि वे राहुल गांधी या यहां तक कि कांग्रेस के पोस्ट पर भी टिप्पणी या 'लाइक' नहीं करते। वे केवल एक विशेष नेता और कांग्रेस की असम इकाई पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि असम के अलावा वे इस्लामी कट्टरपंथी सामग्री पोस्ट करते हैं जिसमें फलस्तीन, ईरान और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस संबंधी पोस्ट शामिल हैं।

गोगोई की विवादित टिप्पणी

भाजपा-संघ में अपराधी प्रवृत्ति के लोग, सांप्रदायिक साजिश रच रहे

असम कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने भाजपा, आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन संगठनों में कुछ आपराधिक सोच वाले लोग हैं जो चुनाव में जान-बूझकर सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश करते हैं, ताकि सरकार की नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके। गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की राजनीति की तुलना मोहम्मद अली जिन्ना से करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री असमिया जिन्ना जैसा व्यवहार कर रहे हैं। कांग्रेस ऐसी जिन्ना टाइप की राजनीति को असम में सफल नहीं होने देगी।

चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया के वीडियो डिलीट करने का दिया निर्देश

फुटेज का इस्तेमाल दुर्भावना और भ्रम फैलाने किया जा रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान के इलेक्ट्रॉनिक डेटा जैसे वीडियो, सीसीटीवी फुटेज आदि को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के 45 दिन बाद नष्ट कर दें। चुनाव आयोग का कहना है कि उनके वीडियो फुटेज का इस्तेमाल दुर्भावना और भ्रम फैलाने के लिए किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने राज्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि 45 दिन की अवधि के भीतर अदालतों में चुनाव नतीजों को चुनौती नहीं दी जाती है, तो वे 45 दिन के बाद चुनाव प्रक्रिया के सीसीटीवी कैमरा, वेबकास्टिंग और वीडियो फुटेज को नष्ट कर दें।

अधिकारी चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के 45 दिन बाद नष्ट कर दें: ईसी

चुनाव आयोग ने अधिकारियों को पत्र लिखकर दी जानकारी

चुनाव आयोग ने 30 मई को राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा था कि 'उसने चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई रिकॉर्डिंग उपकरणों के साथ ही फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, सीसीटीवी और वेबकास्टिंग के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को रिकॉर्ड करने के निर्देश जारी किए हैं। चुनाव संबंधी कानून ऐसी रिकॉर्डिंग को अनिवार्य नहीं करते हैं।

याचिका नहीं तो डेटा को नष्ट करें

चुनाव आयोग ने अब राज्य चुनाव प्रमुखों से कहा है कि सीसीटीवी डेटा, वेबकास्टिंग डेटा और विभिन्न चरणों में चुनाव प्रक्रियाओं की फोटोग्राफी को 45 दिनो तक ही सुरक्षित रखा जाएगा। आयोग ने कहा है कि अगर किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में कोई चुनाव याचिका दायर नहीं की जाती है, तो उक्त डेटा को नष्ट किया जा सकता है।

45 दिन के अंदर दी जा सकेगी फैसले को चुनौती

कोई भी व्यक्ति 45 दिन में उच्च न्यायालय में चुनाव फैसले को चुनौती दे सकता है। दिसंबर में सरकार ने भी सीसीटीवी और वेबकास्टिंग फुटेज, साथ ही उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने चुनाव नियम में बदलाव किया, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले कागजात या दस्तावेज के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके।

शाह के बयान पर राहुल का पलटवार

भाजपा और संघ नहीं चाहते कि गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाषा विवाद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पलटवार किया है। राहुल ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) नहीं चाहते कि गरीब के बच्चे अंग्रेजी सीखे। राहुल ने एक्सपर पोस्ट किया कि अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं - जंजीरें तोड़ने का औजार है। उन्होंने लिखा, ये नहीं चाहते कि वह पढ़-लिखकर सवाल पूछें, आगे बढ़ें

और बराबरी करें। आज के समय में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी आपकी मातृ भाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी। राहुल ने कहा कि भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है।

संघर्षविराम की पहल के साथ पहले अमेरिका और फिर सऊदी अरब से लगाई मध्यस्थता की गुहार

पाकिस्तानी एयरबेसों पर भारत के ताबड़तोड़ हमलों से निकल गई पाक की निकली हेकड़ी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने पहली बार सार्वजनिक रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हुए उनके देश की पहल पर भारत के साथ हुए संघर्षविराम की असल सच्चाई पूरी दुनिया के सामने स्वीकार की है। जियो न्यूज से बातचीत में उन्होंने बताया कि 6-7 मई की दरमियानी रात प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्देश पर हमारी सारी तैयारी पूरी हो चुकी थी।

तड़के 4 बजे हम भारत पर हमला करने वाले ही थे कि उससे पहले रात में ढाई बजे भारत ने ही हम पर दोबारा हमला बोल (ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ) दिया और पाकिस्तानी वायुसेना के रावलपिंडी और पंजाब प्रांत में मौजूद दो बेहद महत्वपूर्ण ठिकानों नूरखान और शोरकोट समेत कई जगहों को निशाना बनाकर भयंकर तबाही मचाई। जिसके बाद पाकिस्तान ने पहले अमेरिका और उसके बाद सऊदी-अरब से भारत के साथ संघर्षविराम के लिए मध्यस्थता करने की गुहार लगाई। यहां बता दें कि पूर्व में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेनाप्रमुख जनरल असीम मुनीर भी इस बात को मान चुके हैं कि भारत के हवाई हमलों से हुए जबरदस्त नुकसान से घबराकर ही पाकिस्तान ने भारत के सामने संघर्षविराम करने की पेशकश की थी। अब पाक के उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री ने भी इस बात को स्वीकार कर लिया है।

पाक के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकारी संघर्षविराम की सच्चाई

सऊदी प्रिंस ने भारत तक पहुंचाया संदेश: डार ने कहा, हमारे दोनों एयरबेसों व अन्य जगहों पर भारत के हमले के लगभग 45 मिनट के अंदर सऊदी अरब के प्रिंस फैसल ने मुझे फोन किया और कहा कि मैं जानता हूं कि आपकी अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात हुई है। लेकिन अगर आप कहो तो मैं भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बात कर उनके सामने पाकिस्तान की तरफ से सैन्य कार्रवाई रोककर संघर्षविराम करने की पहल करने का प्रस्ताव रखता हूं। मैंने उन्हें हां कहा और उसके कुछ देर बाद उन्होंने मुझे फोन कर बताया कि मेरी उनसे (जयशंकर) बात हो गई है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा था कि आप बिना किसी देरी के पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) को कहिए कि वो हॉटलाइन पर सीधे भारत के डीजीएमओ से बात कर संघर्षविराम की पहल करें। इसके बाद 10 मई की दोपहर करीब 3 बजकर 35 मिनट पर पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल कासिफ अब्दुल्ला ने अपने भारतीय समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन कर संघर्षविराम का प्रस्ताव रखा। इसी दिन 5 बजे से दोनों देशों के बीच संघर्षविराम लागू कर दिया गया था। जिसकी बाद में घोषणा करते हुए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने भी पुष्टि की थी।

भारत ने मार गिराए 9 कैंपों में छिपे 100 आतंकी

गौरतलब है कि इस साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित लश्कर-तैयबा आतंकवादी संगठन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की उनका धर्म पूछकर बेरहमी से हत्या कर दी थी। इसमें 25 भारतीय और 1 नेपाली नागरिक शामिल था। जवाब में भारत ने 7 मई की मध्यरात्रि के बाद ऑपरेशन सिंदूर नामक सैन्य कार्रवाई के जरिए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद के कुल 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। जिसमें कुल 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान ने 8 से 10 मई की सुबह तक भारत पर हमला करने की कोशिश की। लेकिन उसके सारे वार नाकाम कर उसे चारों खाने चित कर दिया गया। जिससे घबराया पाकिस्तान घुटनों पर आ गया और भारत के साथ संघर्षविराम के लिए गिड़गिड़ाने लगा।

दोबारा आतंकी हमले को युद्ध मानेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बातचीत में उन्हें संघर्षविराम से जुड़े हर छोटे-बड़े पहलू के बारे में जानकारी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति को उन्होंने बताया कि संघर्षविराम पाकिस्तान के अनुरोध पर दोनों देशों के शीर्ष सैन्य अधिकारियों की द्विपक्षीय बातचीत पर किया गया था और इसमें अमेरिका की किसी तरह की कोई भूमिका नहीं है। साथ ही उन्होंने ये भी साफ किया कि सीमा पार आतंकवाद को अब भारत छद्म युद्ध के रूप में कतई नहीं देखेगा। अब अगर दोबारा पहलगाम जैसा हमला हुआ तो भारत उसे युद्ध के रूप में देखेगा और उसी के हिसाब से जवाब देगा। भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई अभी भी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। ये सैन्य अभियान जारी है।

खबर संक्षेप

प्लेन क्रैश हादसा: 202 पार्थिव शरीर सौंपे गए

अहमदाबाद। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने बताया कि एअर इंडिया प्लेन क्रैश मामले में डीएनए मिलान से शवों की पहचान की जा रही है। अब तक 220 शवों की पहचान हो गई है और उनमें से 202 के पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इन 202 पीड़ितों में 160 भारतीय शामिल हैं, जिनमें से 151 यात्री थे, सात पुर्तगाली नागरिक, 34 ब्रिटिश नागरिक और एक कनाडाई नागरिक था। 15 शवों को हवाई मार्ग से उनके घरों पर भेजे गए, जबकि 187 शव सड़क मार्ग से ले जाए गए। बचे हुए शवों की पहचान की जारी है।

कनाडा के कैलीगरी विवि में भारतीय छात्रा की मौत

वैंकवूर। कनाडा के कैलगरी विश्वविद्यालय में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी की अचानक मौत हो गई है। यह जानकारी वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को दी। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमें कैलगरी विश्वविद्यालय में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी के आकस्मिक निधन से गहरा दुख हुआ है। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि उनकी मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई।

हथियारबंद हमलावरों ने की 34 सैनिकों की हत्या

नियामी। नाइजर के पश्चिमी इलाके में माली और बुर्किना फासो की सीमा के पास गुरुवार सुबह हथियारबंद हमलावरों ने हमला कर दिया। इस हमले में 34 सैनिक मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी नाइजर के रक्षा मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि हमला सुबह करीब 9 बजे बानिबांगू क्षेत्र में हुआ। हमलावर 8 वाहनों और 200 से ज्यादा मोटरसाइकिलों के साथ आए थे। सरकार ने जवाबी कार्रवाई में दर्जनों हमलावरों को मार गिराया है। सरकार ने उन्हें 'आतंकवादी' बताया है। इसके अलावा, बाकी हमलावरों की तलाश के लिए जमीन और हवाई रास्ते से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

'इंडिया ग्लोबल फोरम' के 'फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम' के सत्र में बोले ब्रिटेन के मंत्री

विज्ञान और तकनीक में भारत एक उभरता खिलाड़ी, भारत के साथ संबंधों को दें मजबूती

ब्रिटेन अपनी नई औद्योगिक नीति में भारत को प्राथमिकता देगा

भारत की 'परिवर्तनकारी स्वास्थ्य समाधानों' की सराहना की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्रिटेन के विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार मंत्री लॉर्ड पैट्रिक वैलेंस ने कहा है कि भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से उभरता एक सशक्त खिलाड़ी बन रहा है और ब्रिटेन को भारत के साथ अपने वैज्ञानिक व शैक्षणिक संबंधों को और गहराई देनी चाहिए। यह बात उन्होंने लंदन स्थित साइंस म्यूजियम में आयोजित 'इंडिया ग्लोबल फोरम' के 'फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम' के एक सत्र में कही, जिसका विषय था 'एक नई नवाचार युग के लिए यूके-भारत सहयोग को सशक्त बनाना'। लॉर्ड वैलेंस ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच पहले से ही मजबूत संबंध हैं और यह लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन केवल सरकार-स्तर के रिश्ते ही सब कुछ नहीं करते, असली प्रेरणा वैज्ञानिकों के बीच संवाद और सहयोग से मिलती है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन सरकार ग्लोबल टैलेंट वीजा के जरिए उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही को बढ़ावा देना चाहती है और भारत के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पूरक क्षमताओं का लाभ उठाने की आवश्यकता है।

फोरम में भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन के बीच किया गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में बहुआयामी लाभ देता है। एक एफटीए पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि दोनों देश मित्र हैं, साझेदार हैं और एक-दूसरे पर विश्वास करते हुए मिलकर काम करने को तैयार हैं। 'पिचर्स एंड पंटर' नामक सत्र में भारत के उभरते स्टार्टअप्स ने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के पैनल के सामने अपने आइडिया पेश किए।

भारत के साथ सहयोग की प्राथमिकताएं तय करें

मंत्री लॉर्ड पैट्रिक वैलेंस ने कहा कि ब्रिटेन की सरकार जल्द ही अपनी नई इंडस्ट्रियल स्ट्रैटेजी (औद्योगिक रणनीति) जारी करने वाली है, जो भारत के साथ भविष्य के सहयोग की प्राथमिकताएं तय करेगी। लॉर्ड आरा डार्जी, ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) की महत्वपूर्ण समीक्षा के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने भारत की 'परिवर्तनकारी स्वास्थ्य समाधानों' की सराहना की और कहा कि यह एक ऐसा 'बौद्धिक और उत्पादन-सामर्थ्य' है, जिसके साथ ब्रिटेन को साझेदारी करनी चाहिए।

भारत और ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करेंगे

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिटेन की अपनी यात्रा के दौरान कई शीर्ष ब्रिटिश अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने फाइनेंशियल फ्रेमवर्क और एआई जैसी उभरती तकनीकों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने ब्रिटेन में चांसलर ऑफ दि एक्सचेकर रेचल रीव्स से मुलाकात की और भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए फाइनेंशियल फ्रेमवर्क्स, सस्टेनेबल फाइनेंस और नए व्यापार अवसरों को पेश करने में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने ब्रिटेन स्थित बिजनेस फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म टाइड के सीईओ ओलिवर प्रिल के साथ भी महत्वपूर्ण चर्चा की। पीयूष गोयल ने कहा कि डिजिटल दुनिया में भारत की प्रगति के साथ, हमने फिनटेक इकोसिस्टम, डिजिटल सशक्तीकरण और दोनों अर्थव्यवस्थाओं में एसएमई के नेतृत्व वाली वृद्धि को बढ़ावा देने पर चर्चा की।

साइंस और टेक्नोलॉजी में करेंगे सहयोग

मंत्री गोयल ने लंदन के फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम में साइंस म्यूजियम ग्रुप के निदेशक और मुख्य कार्यकारी सर इयान ब्लैचफोर्ड से भी बातचीत की। गोयल ने कहा कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे दुनिया हमारी कुशल प्रतिभा, लागत प्रभावी समाधानों और एआई और उभरती टेक्नोलॉजी में बढ़ती क्षमताओं से लाभान्वित हो सकती है। साथ ही, दोनों देशों के बीच साइंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-ब्रिटेन एफटीए की क्षमता को रेखांकित किया।

रक्षा मंत्री ने उधमपुर में जवानों को किया संबोधित

नया भारत आतंकवाद के किसी भी स्वरूप का जोरदार प्रतिकार करेगा

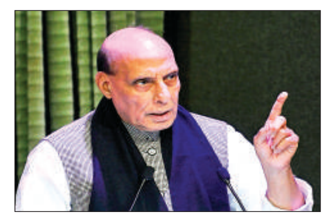

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

आज से पूरे देश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशाखापट्टनम में मुख्य योग समारोह का नेतृत्व करेंगे। तो वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सेना के जवानों के साथ योग करते हुए नजर आएंगे।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर बताया कि रक्षा मंत्री योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 20 जून को उधमपुर पहुंचे और वहां उन्होंने देश की उत्तरी सीमाओं की निगरानी में तैनात जवानों से बड़ाखाना पर मुलाकात की और उन्हें संबोधित किया। उधमपुर पहुंचने पर रक्षा मंत्री का सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, बल की उत्तरी कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया।

भारत ने बदल दी अपनी नीति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ आज का भारत और उसकी नीति पूरी तरह से बदल गई है। एक समय था जब हम आतंकवाद का शिकार होते थे और दुनिया से सहानुभूति मांगते थे। लेकिन आज हम आतंकवाद का उसी की भाषा में जवाब देते हैं। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा, जिस तरह से हमारी सशस्त्र सेनाओं और खुफिया तंत्र ने मिलकर सीमापार स्थित आतंकी अड्डों को मटियामेट किया। उसने केवल आतंकवादियों को ही नहीं बल्कि उनके सरपरस्तों को भी यह संदेश दे दिया है कि यह नया भारत है। जो आतंकवाद के किसी भी स्वरूप का जोरदार प्रतिकार करेगा।

एकता का प्रतीक है बड़ाखाना

राजनाथ ने बड़ाखाना को परिभाषित करते हुए कहा कि यह परंपरा कई दशकों से हमारी सशस्त्र सेनाओं का अभिन्न अंग है। जो कि महज एक साथ बैठकर भोजन करने का ही एक अवसर नहीं होता है। बल्कि ये एक ऐसा क्षण होता है। जहां रैंक और पद सब पीछे छूट जाते हैं और आगे आता है सिर्फ एक भाव। वो है हमारी एकता का यानी हम सब एक हैं। रक्षा मंत्री ने बड़ाखाना का उत्सव बताते हुए कहा कि युद्धकाल हो या शांति, सेना ने हर परिस्थिति में इस परंपरा को सहेजा है। क्योंकि ये हमें याद दिलाता है कि हम सब एक परिवार हैं। हमारा रिश्ता भले ही खून के रिश्तों से न जुड़ा हुआ हो।

चीन में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़

30 हजार लोगों को बचाया, 5 की मौत, बिजली व इंटरनेट सेवाएं ठप

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

दक्षिणी चीन के गुआंगडोंग प्रांत में कई दिनों की भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बचावकर्मियों ने हुआइजी काउंटी से लगभग 30,000 लोगों को निकाला। काउंटी की आधे से अधिक सड़कें जलमग्न हो गईं। इसके साथ ही बिजली और इंटरनेट सेवाएं बाधित हो चूंकि हैं। हुआइजी काउंटी गुआंग्शी क्षेत्र की सीमा के पास है। यह गुआंगजौ से लगभग 140 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। यह एक प्रमुख औद्योगिक और बंदरगाह शहर है और प्रांतीय राजधानी भी है। इस तूफान के कारण ग्वांग्शी प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। शुई जियांग नदी में भारी उफान के कारण शहरी इलाकों में सड़कों ने नहरों का रूप ले लिया है। कई इलाकों में जलस्तर इतना अधिक बढ़ गया है कि पानी इमारतों की पहली मंजिल तक पहुंच गया है और कारों की सिर्फ छतें ही दिखाई दे रही हैं। राहत और बचाव टीम ने एक स्कूल में उपस्थित दर्जनों बच्चों और बुजुर्गों को भी आपूर्ति भेजी। एक अस्पताल से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को निकाला। एक नवजात शिशु के साथ एक महिला को दूध पाउडर और पानी पहुंचाया।

मिलिट्री कॉलेज की सुरक्षा में सेंध

वेश बदलकर घुसे 4 लोग हिरासत में चुपके से खींच रहे थे तस्वीरें, जांच शुरू

एजेंसी ▶▶ सिकंदराबाद

हैदराबाद के सिकंदराबाद के मिलिट्री कॉलेज की सुरक्षा भंग करने के आरोप में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन चारों की पहचान राकेश कुमार नरेश राय, आशीष कुमार, आलिया अब्बशी और नगमा बानो महमूद के रूप में की गई है। 19 जून को दोपहर 1 बजे के आसपास, चार नागरिक, जिनमें से एक विंग कमांडर रजत कुमार मिश्रा नाम से वायुसेना अधिकारी का छद्मवेश धारण किए हुए था, तीन अन्य (एक पुरुष और दो महिला) के साथ बिना अनुमति के मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मेकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई), सिकंदराबाद के एमआई टेक्नो चौक गेट में घुस गया। इन्हें प्रवेश पाने के लिए एक नकली पहचान पत्र दिखाते हुए पाया गया। जब वे सड़क पर सीएसडी कैंटीन और सैनिक स्मारक सहित संवेदनशील सैन्य क्षेत्रों की तस्वीरें खींच रहे थे और वीडियो बना रहे थे, तब एमसीईएमई के जुबली गेट पर संतरियों ने इन्हें रोका और चेक किया। संतरियों ने तुरंत एमसीईएमई कंट्रोल को सतर्क किया और व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया।

नाथूला दर्रे से रवाना हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा

गंगटोक। कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर शुरू हो गई है। शुक्रवार को सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने नाथूला दर्रे से यात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के शुभारंभ से पहले राज्यपाल ने यात्रियों से मुलाकात की और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने इस ऐतिहासिक मार्ग की बहाली को अंतरराष्ट्रीय मित्रता और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की पुनर्स्थापना का प्रतीक बताया। पहले जत्थे में 33 यात्री, दो एस्कॉर्ट अधिकारी और एक डॉक्टर शामिल हैं। सभी यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें उच्च हिमालयी क्षेत्र के लिए दो चरणों में पहले '18वां मील' पर और फिर शेराथांग में अनुकूलन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा।

महारत्न कंपनी एचएएल को मिली बड़ी कामयाबी

इसरो से मिली एसएसएलवी बनाने की पूरी टेक्नोलॉजी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

भारत में डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर की बड़ी सार्वजनिक कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) बनाने की 511 करोड़ रुपए की बोली जीत ली है। इसी के साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने एसएसएलवी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हासिल कर लिया है। स्पेस रेगुलेटर-कम प्रमोटर, इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड अथॉराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। इन-स्पेस के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी स्पेस एजेंसी ने किसी कंपनी को कम्प्लीट लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की है। एचएएल के पास अब स्वतंत्र रूप से एसएसएलवी लॉन्च बनाने, इस पर मालिकाना हक रखने और कमर्शियलाइज करने की क्षमता होगी। गोयनका ने इस डील को भारत की महत्वाकांक्षी 44 बिलियन डॉलर की स्पेस इकोनॉमी के लिए महत्वपूर्ण बताया। बता दें कि भारत का लक्ष्य 2022 में 8.4 बिलियन डॉलर की अपनी स्पेस इकोनॉमी को साल 2033 तक बढ़ाकर 44 बिलियन डॉलर करना है।

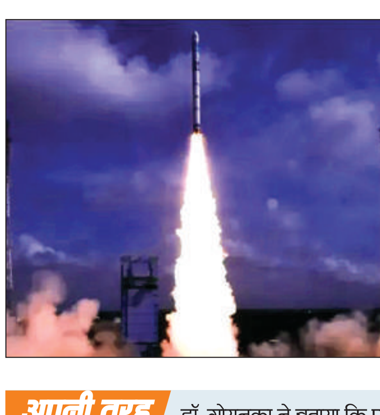

नौ में से पहले छह कंपनियां शॉर्टलिस्ट की गईं

इन-स्पेस के निदेशक-तकनीकी राजीव ज्योति ने कहा कि इन-स्पेस ने दो चरणों में चयन प्रक्रिया की। पहले चरण में नौ उद्योगों में से छह को शॉर्टलिस्ट किया गया। दूसरे चरण में, छह में से तीन की तकनीकी-वाणिज्यिक बोलियों की एक समिति द्वारा समीक्षा की गई। अंत में एचएएल को चुना गया। इन-स्पेस के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने कहा कि सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. विजया राघवन की अध्यक्षता वाली समिति और इसरो के पूर्व निदेशक सुरेश की सह-अध्यक्षता वाली समिति ने सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद पाया कि तीनों बोली लगाने वाले तकनीकी रूप से योग्य हैं। गोयनका ने कहा कि फिर हमने वाणिज्यिक बोलियां खोलीं, जिसमें एचएएल की 511 करोड़ रुपए की बोली सबसे ऊंची रही।

अपनी तरह का पहला तकनीकी हस्तांतरण

डॉ. गोयनका ने बताया कि एचएएल ने इसरो के स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) के लिए 511 करोड़ रुपए में तकनीक हस्तांतरण हासिल किया है। यह अपनी तरह का पहला टीओटी है। यह भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है। पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) के मामले में, इस तरह से निर्माण का ठेका एक कंसोर्टियम को दिया गया था। लेकिन, एसएसएलवी के मामले में, लॉन्च वाहन बनाने का काम पूरी तरह से एचएएल को दिया जा रहा है।

500 किलो के पेलोड ले जा सकेगा

यह एसएसएलवी 500 किलोग्राम तक के पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा तक ले जा सकेगा। इसका मकसद छोटे-छोटे सैटेलाइट्स को लो-अर्थ ऑर्बिट में भेजने की वैश्विक मांग को पूरा करना है। पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पहली बार रॉकेट टेक्नोलॉजी को ट्रांसफर किया जा रहा है। इसी डील के साथ अब हर साल एचएएल के 6-8 एसएसएलवी रॉकेट बनाने की उम्मीद है। इससे हर रॉकेट के लॉन्च होने पर अनुमानित 6.5 मिलियन डॉलर का रेवेन्यू जेनरेट होगा। अब से दो साल बाद यह भारत में एसएसएलवी बनाने वाली इकलौती कंपनी होगी।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह बोले

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल ने निभाई निर्णायक भूमिका

एजेंसी ▶▶ देहरादून

भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने विदेशी और स्वदेशी हथियारों के बेहतरीन संयोजन का इस्तेमाल किया, जिसमें स्वदेशी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस को उन्होंने 'गेम-चेंजर' करार दिया। रक्षा सचिव ने कहा कि हमने विदेशी और स्वदेशी हथियारों का प्रभावी मिश्रण इस्तेमाल किया। स्वदेशी हथियारों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, और ब्रह्मोस ने तो अद्भुत काम किया। आप इसे एक गेम-चेंजर कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान हथियारों के विभिन्न प्रकारों का तालमेल और सेना की समन्वित रणनीति बेहद सफल रही। ब्रह्मोस के साथ-साथ आकाश मिसाइल ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। पुराने एअर डिफेंस सिस्टम्स को रेडार से अपग्रेड करके ड्रोन और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों के खिलाफ उनकी क्षमता को बेहतर बनाया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं इस ऑपरेशन के लिए पूरी तरह तैयार थीं। उनके पास आवश्यक प्रिसिजन स्टैंडऑफ वेपन्स थे और उनका आत्मविश्वास भी मजबूत था।

रेमो डिसूजा ने पत्नी लिजेल के साथ शेयर किया फनी वीडियो

मुंबई। भारतीय कोरियोग्राफर, फिल्म निर्देशक और निर्माता रेमो डिसूजा ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक फनी वीडियो शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। इस वीडियो में रेमो पत्नी लिजेल के साथ प्रेंक करते नजर आ रहे हैं और लिजेल को समझ नहीं आ रहा है कि आखिर वह कर क्या रहे हैं। इस वीडियो में लिजेल कुछ खाती नजर आ रही हैं और रेमो कुछ अपने डांसिंग स्टाइल में करते नजर आ रहे हैं। वह लिजेल के सर पर टिकट को हल्के से मारते हैं और फिर एक हुक स्टेप करते हैं। इस मजेदार वीडियो के साथ रेमो ने कैप्शन में लिखा, 'ट्रेन हो या प्लेन, सब जगह यह चलता है। बेचारी लिजेल को कोई अंदाजा नहीं है कि मैं क्या कर रहा था।'

लाइफ Style

आयुश्री

मिस सुप्रानेशनल में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी ▸▸ मुंबई

दिल्ली की रहने वाली आयुश्री मलिक आज लाखों लड़कियों के लिए एक मिसाल बन चुकी हैं। जब वह सिर्फ 7 साल की थीं, तब उनके पिता का एक सड़क हादसे में देहांत हो गया था। उस उम्र में, जब बच्चे सबसे ज्यादा प्यार और सहारे की उम्मीद रखते हैं।

आयुश्री ने अपनी ज़िंदगी का सबसे बड़ा खालीपन महसूस किया। लेकिन, उनकी मां, जो एक पुलिस अफसर हैं, उन्होंने उन्हें संभाला। उन्होंने बेटी को इतना मजबूत बना दिया कि आज वही बेटी दुनिया के सबसे बड़े मंचों में से एक पर भारत का नाम रोशन करने जा रही है। आयुश्री ने 'लीवा मिस दीवा सुप्रानेशनल 2024' का खिताब जीता है। अब वह 'मिस सुप्रानेशनल 2025' में पोलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस मुकाम के पीछे सिर्फ मेहनत नहीं है, इसके पीछे एक इमोशनल जर्नी और बहुत स्ट्रगल भी है। आयुश्री ने अपने स्ट्रगल पर बात करते हुए कहा, 'मैं एक सिंगल मदर की बेटी हूं। मेरी मां ने अपनी नौकरी और मेरी परवरिश को जिस तरह से बैलेंस किया, वो काबिल-ए-तारीफ है। मैं बचपन से देशभक्ति के माहौल में पली-बढ़ी हूं। मुझे हमेशा सिखाया गया कि देश के लिए कुछ करना सबसे बड़ी बात होती है। आज जब मुझे भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है, तो यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।' मिस सुप्रानेशनल 2025 की अपनी तैयारी को लेकर आयुश्री ने बताया, 'मैं सिर्फ कम्पटीशन के लिए नहीं, लोगों से जुड़ने के लिए तैयारी कर रही हूं। मैं अपने शरीर को फिटनेस से तैयार कर रही हूं।

हॉलीवुड मसाला

क्रिस ने खुद को बताया निर्दोष

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी सिंगर क्रिस ब्राउन ने शुक्रवार को इस आरोप से इनकार किया कि उन्होंने 2023 में लंदन के एक नाइट क्लब में एक संगीत निर्माता को बोतल से पीटा और गंभीर रूप से घायल कर दिया था। 36 साल के ग्रैमी विजेता गायक ब्राउन ने साउथवार्क क्राउन कोर्ट में जानबूझकर गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचाने के एक मामले में खुद को निर्दोष बताया। अभियोजकों ने कहा कि ब्राउन और अकिनलोलू ने फरवरी 2023 में मेफेयर नेबर के टेप नाइट क्लब के एक बार में निर्माता अबे डियाव पर हमला किया।

लॉरेन गॉटलिब ने बॉयफ्रेंड टोबियास संग रचाई शादी

लॉस एंजिल्स। बॉलीवुड की डांसिंग डीवा और 'एबीसीडी' फेम लॉरेन गॉटलिब ने आखिरकार अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड टोबियास जोन्स से शादी रचा ली है। 11 जून को इटली की खूबसूरत पहाड़ियों पर दोनों हमेशा-हमेशा के लिए एक-दूसरे के हो गए, जहां दोनों ने अपने करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में 'आई डू' कहकर एक-दूजे का साथ हमेशा के लिए अपना लिया। अभिनेत्री ने अब अपने सभी फैंस के साथ इस गुड न्यूज को शेयर किया है। शादी की तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर धूम मच गई है। लॉरेन ने इंस्टाग्राम पर अपनी ड्रीम वेडिंग की कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह सफेद वेडिंग गाउन में किसी परी से कम नहीं लग रहीं, वहीं टोबियास ने क्लासिक ब्लैक एंड व्हाइट टक्सीडो पहन रखा था।

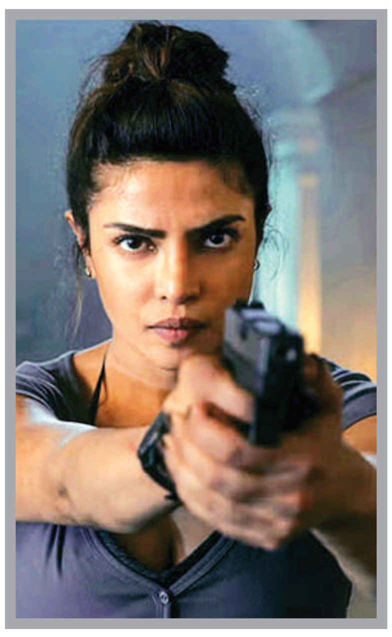

बंया की अपने साथ हुए हादसे की कहानी

मुंबई। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा की नई फिल्म हेड ऑफ स्टेट रिलीज के लिए तैयार है। इसी फिल्म से जुड़ा एक किस्सा अभिनेत्री ने एक शो के दौरान शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि शूटिंग के दौरान उनके साथ भयानक हादसा हो गया था। जी हां, फिल्म 'हेड ऑफ स्टेट' की शूटिंग के दौरान प्रियंका एक जबरदस्त स्टंट कर रही थीं, तभी एक ऐसी घटना घटी जो उनकी आंख की रोशनी तक छीन सकती थी। लेकिन, सौभाग्य से प्रियंका सिर्फ आईब्रो की चोट के साथ इस हादसे से बाहर निकल आईं। एक बातचीत में प्रियंका ने बताया कि शूटिंग के एक सीन में उन्हें बारिश में जमीन पर गिरते हुए रोल करना था। कैमरा बहुत करीब था और उन्हें भी अपनी परफॉर्मेंस के लिए आगे आना था। इसी दौरान कैमरे के मैट बॉक्स का कोना सीधे उनकी आईब्रो पर लग गया।

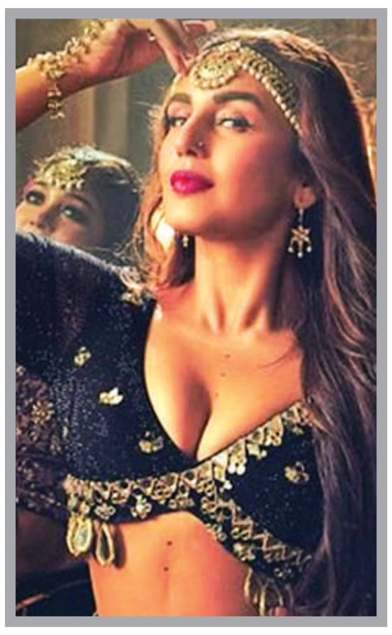

मालिक का नया गाना दिल थाम के रिलीज

मुंबई। पुलकित द्वारा निर्देशित मालिक 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार राव और मिस वर्ल्ड विजेता मानुषी छिल्लर मुख्य भूमिका में हैं। अब नामुमकिन के बाद फिल्म का नया गाना 'दिल थाम के' रिलीज हो गया है, जिसमें अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी अदाओं से दर्शकों को दीवाना करती दिख रही हैं। मालिक फिल्म के निर्माताओं ने इसका नया गाना 'दिल थाम के' रिलीज किया है। इस गाने में अभिनेत्री हुमा कुरैशी के डांस मूव्स और उनके एनजर्टिक ठुमकों ने दर्शकों को मुरीद बना लिया है, इसमें राजुकमार राव भी नजर आ रहे हैं। वहीं, इस गाने को सचिन-जिगर की जोड़ी द्वारा तैयार किया है। गाने को लिखा है अमिताभ भट्टाचार्य ने और इसे रश्मीत कौर और राणा मजूमदार द्वारा गाया गया है।

टीवी मसाला

अनुपमा का जलवा बरकरार 'तारक मेहता' की बेहतर हुई स्थिति

नई दिल्ली। इन दिनों टीवी पर कई सीरियल आ रहे हैं, कुछ सीरियल तो कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। मनोरंजन करने के अलावा कुछ सीरियल टीआरपी लिस्ट में भी काफी समय से बने हुए हैं। अनुपमा का जलवा बरकरार है। टीआरपी लिस्ट में अनुपमा पहले नंबर पर है। दूसरे नंबर उड़ने की आशा सीरियल रहा है, इस हफ्ते इसकी टीआरपी 1.9 है। वहीं, तीसरे नंबर पर 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल है, इसको भी 1.9 की टीआरपी मिली है। चौथे नंबर पर कॉमेडी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' है, इस सीरियल ने लिस्ट में अपनी जगह को बेहतर किया है। पहले यह टॉप 5 में नहीं था। इस हफ्ते 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा'को 1.7 की टीआरपी मिली है। सीरियल एडवोकेट अंजलि अवस्थी टीआरपी लिस्ट में पांचवें स्थान पर है, इसकी टीआरपी 1.5 रही है। छठे और सांतवें नंबर पर 1.4 की टीआरपी के साथ मंगल लक्ष्मी और लक्ष्मी का सफर सीरियल है। वहीं, सातवें स्थान पर लाफ्टर शेफ 2 भी बना हुआ, इसकी टीआरपी इस हफ्ते 1.4 रही है। सीरियल झनक और कभी नीम नीम कभी शहद शहद की टीआरपी 1.3 है। इनको भी लिस्ट में आखिरी पायदान पर जगह मिली है।

राम कपूर ने पत्नी की पोस्ट को बताया मजाक

मुंबई। बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के चर्चित नाम राम कपूर और एकता कपूर इन दिनों अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। वजह है एक पुराना रिश्ता, जो अब सवालों के घेरे में है। राम कपूर ने हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में 'बड़े अच्छे लगते हैं'शो के इंटीमेट सीन को लेकर अपनी राय रखी,

जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके और एकता कपूर के बीच दरार की अटकलें लगाई जाने लगीं। जब उनसे इस विवाद को लेकर पूछा गया तो राम कपूर ने बेहद विनम्र जवाब दिया। उन्होंने कहा- 'वो जो चाहें कह सकती हैं, लेकिन मैं एक शब्द नहीं कहूंगा। क्योंकि, उन्होंने मुझ पर उस वक्त भरोसा किया जब कोई और नहीं करता था। उनके उस विश्वास के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा। राम की पत्नी गौतमी कपूर की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इस विवाद में और रहस्य जोड़ दिया था, जिसमें उन्होंने एकता के कमेंट पर तंज कसा। लेकिन, राम ने इसे हल्के-फुल्के अंदाज में लिया और कहा- मेरी पत्नी जानती है कि मैं क्या सोचता हूं। ये सब मजाक में था... जो आपके लिए कुछ करता है, उसे आप भूल नहीं सकते। सारा विवाद तब शुरू हुआ जब राम ने एक इंटरव्यू में ये संकेत दिया कि 'बड़े अच्छे लगते हैं'के इंटीमेट सीन के बाद एकता को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दस बच्चे मिलकर गुरु को देते हैं नया ज्ञान

मुंबई। फिल्म 'सितारे जमीन पर' की ओटीटी बिक्री और सेंसर सर्टिफिकेट को लेकर फैलाई गई गलत सूचनाओं ने फिल्म की हाइप थोड़ी कमजोर की और इसका असर सिनेमाघरों में पहले दिन पहला शो देखने पहुंचे लोगों की संख्या पर भी पड़ा।

स्पैनिश फिल्म की आधिकारिक रीमेक

फिल्म 'सितारे जमीन पर'की कहानी सबको फिल्म की रिलीज होने से पहले से पता है। स्पैनिश फिल्म 'कैम्पियॉन्स (चैंपियंस)' की ये रीमेक है। लेकिन, जो पता है, उसका असर यहां इसलिए लापता है क्योंकि आमिर खान को पहले से पता है कि आखिर उनकी अदाकारी का पता इस पते में क्या रहने वाला है। अगर वाक्य जलेबी जैसा गोल -गोल लगा हो तो फिल्म का भाव आपने बिल्कुल ठीक पकड़ा है। यहां कौन किसको सिखा रहा है और कौन किससे क्या सीख रहा है, इसमें भेद कर पाने की मोहलत दर्शक को न देना ही फिल्म की पटकथा का असल मूल मंत्र है।

खुद पर भरोसा करने की कहानी

हम होंगे कामयाब गीत यदि आपने गाया है तो इसके पहले की दोनों लाइनें आपको याद होंगी ही कि मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब, एक दिन। फिल्म 'सितारे जमीन पर'बस इन तीन लाइनों का पूरा लेखा जोखा है। गुलशन एक अलग ही समय चक्र से गुजर रहा है। पत्नी और मां पूरी कोशिश करती हैं कि उसे उसके अपने नॉर्मल मे ही बनाए रखा जाए। गुलशन के सामने चुनौती है अपना खोया सम्मान वापस पाने की। मामला कुछ कुछ 'तारे जमीन पर'सा भी होता दिखता है, लेकिन वहां टीचर एक बच्चे की मदद करता दिखता है। यहां नौ लड़के और एक लड़की मिलकर अपने गुरु को नया ज्ञान देते हैं। ज्ञान की गंगा हमेशा गंगोत्री से गंगासागर की तरफ ही नहीं बहती होती है। इसीलिए, तो कहा गया है कि ज्ञान जहां से भी मिल रहा है, ले लो और गुलशन इस मामले में खुद को इक्कीस साबित कर ही देता है।

सतरंगी अभिनय अनोखे कलाकारों का

गोलू और गुलशन की कहानी के बीच बंधे तार पर संतुलन बनाकर चलती 'सितारे जमीन पर'की कहानी में अपने बालों को अजब ढंग से सजाने वाले आयुष भंसाली हों या सेक्योरिटी गार्ड बने आशीष पेंडरे, एंग्री गर्ल सिमरन मंगेशलकर, हमेशा अपने कान खींचते रहने वाले किरदार में वेदांत शर्मा और नहाने से दूर भागने वाले गुड्डू के किरदार में गोपी कृष्णन वर्मा ने खूब रंग जमाया है। ये इन किरदारों के इंद्रधनुषी रंग ही हैं जो फिल्म के कैनवस को आखिर तक सजाए रखते हैं।

इस वीकेंड सस्पेंस के साथ लगेगा एक्शन का तड़का

ओटीटी पर दस्तक दे रहीं ये फिल्में और सीरीज...

मुंबई। जून का तीसरा हफ्ता ओटीटी प्रेमियों के लिए जबरदस्त कंटेंट लेकर आया है। इस हफ्ते रोमांच, थ्रिलर, सस्पेंस और कॉमेडी का शानदार मेल देखने को मिलेगा। चाहे आप एक्शन के दीवाने हों या कॉमेडी से दिन बनाना चाहते हों, इस बार ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हर मूड का मसाला मौजूद है। नेटफ्लिक्स, जी5, एमएक्स प्लेयर और जियो सिनेमा जैसे प्लेटफॉर्म्स पर इस हफ्ते कई दमदार रिलीज हुई हैं, जिनमें से कुछ का इंतजार लंबे वक्त से हो रहा था।

इमरान हाशमी की ग्राउंड जीरो से थ्रिल का धमाका : इमरान हाशमी स्टारर ग्राउंड जीरो सिनेमाघरों में रिलीज के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर आ चुकी है। ये फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है और इसमें सेना के एक जवान की कहानी दिखाई गई है जो दुश्मनों के बीच अपने साहस और कर्तव्यनिष्ठा से एक बड़ी लड़ाई लड़ता है। जो लोग इसे बड़े पर्दे पर मिस कर चुके थे, उनके लिए यह एक बेहतरीन मौका है घर बैठे एक जबरदस्त थ्रिलर का मजा लेने का।

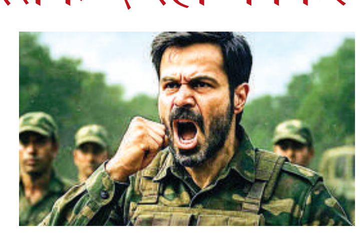

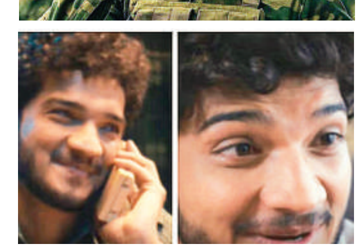

जासूसी के रहस्य में लिपटी डिटेक्टिव शेरदिल : बोमन ईरानी, बनिता संधू और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारों से सजी फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल भी 20 जून को जी5 पर स्ट्रीम हो गई है। यह फिल्म एक दिलचस्प मर्डर मिस्ट्री और जांच के दौरान सामने आने वाले रहस्यों से भरपूर है। अगर आपको रहस्यमयी कहानियां पसंद हैं, तो यह फिल्म आपकी वीकेंड प्लेलिस्ट में जरूर शामिल होनी चाहिए।

फर्स्ट कॉपी में मुनव्वर फारूकी का दमदार डेब्यू : *कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी अपनी पहली वेब सीरीज फर्स्ट कॉपी के जरिए डिजिटल एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुके हैं। यह सीरीज 90 के दशक में फिल्म पायरेसी के काले कारोबार को उजागर करती है। कहानी में हास्य भी है और हकीकत की कड़वी झलक भी। इसे एमएक्स प्लेयर पर 20 जून से देखा जा सकता है।*

केरल क्राइम फाइल्स 2 में सस्पेंस और इन्वेस्टिगेशन का तड़का : *पुलिस और अपराध की दुनिया पर बनी केरल क्राइम फाइल्स का दूसरा सीजन दर्शकों को फिर से सोचने पर मजबूर कर देगा। एक पुलिस ऑफिसर के लापता होने की घटना के इर्द-गिर्द घूमती यह कहानी 20 जून से जियो सिनेमा पर उपलब्ध है। पहले सीजन की सफलता को देखते हुए इस बार दर्शकों की उम्मीदें काफी ऊंची हैं।*

फैमिली ड्रामा के शौकीनों के लिए प्रिंस एंड फैमिली : *अगर आप एक हल्के-फुल्के फैमिली ड्रामा की तलाश में हैं, तो मलयालम फिल्म प्रिंस एंड फैमिली आपकी पसंद बन सकती है। बिंटो स्टीफन के निर्देशन में बनी यह फिल्म पारिवारिक रिश्तों और भावनाओं को खूबसूरती से दर्शाती है। यह फिल्म भी जी5 पर रिलीज हो चुकी है।*

योग के फायदे, तरीके और उनकी खूबसूरती को किया गया है बयां

योग का ज्ञान और रहस्य जानना है तो देखें ये पांच फिल्में

नई दिल्ली। *कहते हैं कि योग जीवन का सार है। जीवन के हर एक दोष, तकलीफ और मुश्किल को दूर भगाने का दम रखता है योग। ऐसे में अगर ये कहें कि हर किसी के जीवन में योग की अपनी एक अलग महत्ता है, तो ये गलत न होगा। अब सवाल ये उठता है कि योग को सीखें कहा से। इसके लिए कई शिविरों को भी आयोजन किया जाता है। इससे जुड़ी कई किताबें आती हैं, यहां तक कि हमारे बीच कुछ खास फिल्में भी ऐसी हैं, जिनमें हमें योग का पूरा-पूरा ज्ञान मिलता है।*

बाराका (1992) : निर्देशक रॉन फ्रिके की बाराका फिल्म सिनेमा के प्रति आपकी धारणा और सोच दोनों को पूरी तरह से बदल देगी। वैसे देखा जाए तो इस फिल्म के बारे में कुछ भी निष्कर्ष निकाल पाना इतना आसान नहीं है। फिल्म का शीर्षक प्रॉपर सूफी शब्द से निकाला गया है। इसका मतलब है 'ब्लैसिंग, या फिर सांस, या फिर जीवन की असली खुशबू'। फिल्म के जरिए दर्शकों को 24 देशों की यात्रा कराई गई है। फिल्म में कोई डायलॉग नहीं है, कोई पारंपरिक स्टोरी लाइन नहीं है। इस एक्सपेरिमेंटल डॉक्यूमेंट्री में मेडिटेशन के बारे में गहराई से बताया गया है। ये सभी दिखाई गई हैं अविश्वसनीय छवियों के साथ। इनमें से कुछ एक के साथ दर्द का सामना जरूर करना पड़ता है।

एनलाइटन अप! (2008) : क्या योग किसी को भी बदल सकता है। कहते हैं कि इससे दिमाग की उलझनें भी कम हो जाती हैं। इसी सवाल का जवाब मिला है निर्देशक केट चर्चिल की फिल्म 'एनलाइटेन अप!' में। ये भी एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म है। फिल्म में दिखाया गया है कि ऊपर पूछे गए सवाल का जवाब ढूंढने के लिए फिल्म का हीरो दूर-दूर देशों में भ्रमण करता है। कई सारे टीचर्स से मिलता है। उनसे प्रेरित होता है। नायाब ट्विस्ट्स और गहरे परीक्षणों के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि आखिर वास्तव में योग क्या है। इसी के साथ फिल्म में योग के तरह-तरह के तरीके भी बताए गए हैं।

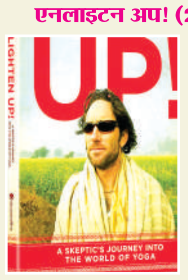

क्लाउड एटलस (2012) : वाकोवस्की की लेटेस्ट फिल्म 'क्लाउड एटलस' महाकाव्यों का भी महाकाव्य है। निर्देशक टॉम ट्विकर, एंडी वाकोवस्की और लाना वाकोवस्की यह फिल्म डेविड मिशेल की लिखी इसी नाम की एक किताब पर आधारित है। फिल्म में हजारों सालों से संजाई गई छह अलग-अलग कहानियां दिखाई गईं हैं। फिल्म में प्यार से जुड़ा यह संदेश दिया गया है कि हर एक चीज एकदूसरे से जुड़ी हुई है। तीन घंटे की फिल्म के इस सफर में हर एक किरदार को एक-दूसरे से जोड़ा गया है। ये सभी किरदार फिल्म में योग की शिक्षा देते नजर आएंगे।

अष्टांग एनवाई (2003) : निर्देशक कैरोलिन लास्कोव और मेरी विगमोर की इस फिल्म के बारे में तो इसके नाम से ही पता चल रहा है। इस फिल्म की कहानी की गुणवत्ता को मालूम करने के लिए सिर्फ इतना ही कहा गया है कि आज जितनी बार इस फिल्म को देखेंगे, उतनी बार आपको सुकून मिलेगा। जब के. पट्टाभी 2001 में आष्टांग योगियों के ग्रुप को कुछ नया सिखाने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे, फिल्म की कहानी की प्रेरणा वहीं से मिली। फिल्म में आष्टांग योग के फायदे, तरीके और उनकी खूबसूरती को बयां किया गया है।

द ट्री आफ लाइफ (2011) : निर्देशक टेरेंस मलिक की कहानी काव्यात्मक तौर पर वास्तविक है। फिल्म की कहानी शुरू होती है 1950 में टेक्सास में एक बच्चे के बड़े होने के साथ। बड़े होते-होते वह अपना मॉर्डन संसार खो चुका होता है। फिल्म साक्षी बनती है उनके इनोसेंट बचपन की, जो एनकाउंटर, मौत और पिता के साथ मुश्किल रिश्तों से होकर गुजरती है। उसको सहारा मिलता है अपनी मां के निस्वार्थ प्यार का। फिल्म में योग और ध्यान का बेहतरीन संकलन दिखाया गया है।

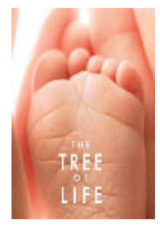

गिल और जायसवाल के शतक, भारत का स्टंप तक स्कोर 359/3

शुभ आगाज... यशस्वी शतक..., युवा भारत ने टेस्ट के पहले दिन अंग्रेजों को नाकों चने चबवाए

एजेंसी ▶▶| लीड्स

विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भारत के पहले इंग्लैंड दौरे को लेकर दिग्गजों का अनुमान उल्टा पड़ गया। पूर्व क्रिकेटरों ने इंग्लैंड को युवा भारतीय टीम पर पलड़ा भारी बताया था। तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पहले दिन शुक्रवार को युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने अपने 20वें मैच में 5वां शतक ठोककर गिल युग का शानदार आगाज करने में मदद की। बतौर कप्तान डेब्यू टेस्ट में शुभमन गिल ने पचासा जड़ने वाले नौवें भारतीय बने।

कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 127 रन) और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (101 रन) ने शानदार शतक जड़ा। इसकी मदद से भारत ने शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन दबदबा बनाते हुए स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 359 रन बना लिए। पहला दिन भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा जिन्होंने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रन की भागीदारी निभाकर टीम को दो विकेट पर 92 रन के स्कोर से 221 रन तक पहुंचाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कप्तान गिल के साथ उप कप्तान और विकेटकीपर ऋषभ पंत 65 रन बनाकर क्रीज पर डटे थे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 138 रन की भागीदारी निभा ली है।

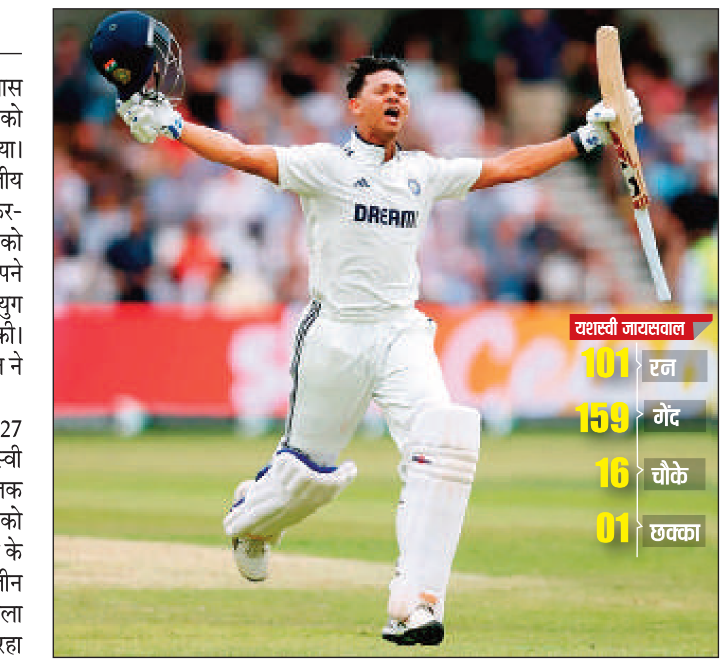

राहुल-यशस्वी ने रचा इतिहास

केएल राहुल ने 78 गेंद पर 42 रन की पारी खेली। इस दौरान 8 खूबसूरत चौके लगाए। वहीं, यशस्वी जायसवाल ने भी पहले सत्र में 8 चौके लगाए। दोनों के बीच अच्छा तालमेल देखने को मिला। केएल-यशस्वी ने पहले विकेट के लिए 91 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह विदेशी दौरे पर पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत की चौथी सबसे बड़ी साझेदारी रही।

8 साल बाद 'करुण' वापसी

लीड्स टेस्ट मैच में भारतीय टीम की ओर से अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर को भी मौका मिला है। करुण नायर 8 साल से ज्यादा समय बाद टेस्ट क्रिकेट खेलने उतरे हैं। इससे पहले करुण ने अपना आखिरी टेस्ट 25 मार्च 2017 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला में खेला था। नायर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस धर्मशाला टेस्ट के बाद 77 मैच मिस किए। ये भारत के लिए दो टेस्ट मैचों के बीच चौथा सबसे लंबा अंतराल है। तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 से 2022 के बीच 118 टेस्ट मैच मिस किए, जो भारतीय खिलाड़ियों में सबसे लंबा अंतराल है।

सुदर्शन डेब्यू में '0' पर आउट

भारतीय टीम की ओर से साई सुदर्शन को डेब्यू टेस्ट खेलने का मौका मिला। सुदर्शन को टेस्ट कैप चेतेश्वर पुजारा ने सौंपी। सुदर्शन भारत की ओर से टेस्ट खेलने वाले 317वें खिलाड़ी हैं। हालांकि 23 साल के सुदर्शन अपनी डेब्यू पारी में सिर्फ 4 गेंदों का सामना किया और वो डक (0) पर चलते बने। देखा जाए तो भारतीय टेस्ट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब डेब्यू टेस्ट पारी में नंबर-3 पर बैटिंग करते हुए कोई बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाया। साथ ही सुदर्शन ऐसे तीसरे भारतीय भी बन गए हैं, जो टेस्ट डेब्यू पारी में टॉप-3 में बैटिंग करते हुए 0 पर आउट हुए। कृष्णमाचारी श्रीकांत और देवांग गांधी भी ये अनचाही उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी डेब्यू टेस्ट पारी में ओपनिंग करने उतरे थे। सुदर्शन डेब्यू टेस्ट पारी में डक पर आउट होने वाले 29वें भारतीय हैं।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो स्टोक्स	101	159	16	1
केएल राहुल का रूट बो कार्स	42	78	8	0
साई सुदर्शन का स्मिथ बो स्टोक्स	00	04	0	0
शुभमन गिल खेल रहे हैं	127	175	16	1
ऋषभ पंत खेल रहे हैं	65	102	6	2

अतिरिक्त : 24, कुल : 85 ओवर में 359/3
गेंदबाजी : वोक्स 19-2-89-0, कार्स 16-5-70-1, जोश टंग 16-0-75-0, बेन स्टोक्स 13-1-43-2, बशीर 21-4-66-0.

विमान दुर्घटना : क्रिकेटरों ने रखा मौन

भारत और इंग्लैंड के क्रिकेटरों और मैदानी अंपायरों ने यहां पहले टेस्ट से पूर्व अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा और बांहों पर काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे।

एशिया कप

फाइनल में हारे भारतीय तीरंदाज नौ पदकों के साथ किया समापन

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारत के जूनियर तीरंदाजों के पास एशिया कप के दूसरे चरण में सात स्वर्ण पदक जीतने का मौका था लेकिन पांच फाइनल में हारने के कारण उन्हें अधिकतर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस तरह से भारत ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। रिकर्व और कम्पाउंड स्पर्धाओं के 10 में से सात फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय तीरंदाज केवल दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे।

विष्णु चौधरी, पारस हुड्डा और जुयेल सरकार तीन में से दो सेटों में 50 का आंकड़ा छूने में असफल रहे और सीधे सेटों में 6-0 से हार गए। रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल में भी यही कहानी रही। चौधरी और वैष्णवी पवार की चौथी वरीयता प्राप्त टीम इंडोनेशिया के खिलाफ पूरे मुकाबले में गलतियां करती रही। यदि रिकर्व वर्ग के परिणाम निराशाजनक थे, तो कम्पाउंड वर्ग ने कुछ राहत प्रदान की। भारत ने अपने दोनों स्वर्ण पदक इस वर्ग में जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त कुशल दलाल ने पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ मैनन को 149-143 से हराकर अपनी प्रतिष्ठा को सही साबित किया। भारत को इस स्पर्धा में कांस्य पदक भी मिला, जिसमें 10वें वरीय सचिन चेची ने चौथे वरीय हिमू बछाड़ को कड़े मुकाबले में 148-146 से हराया।

तेजल ने जीता स्वर्ण पदक

महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक सुनिश्चित था क्योंकि इसके फाइनल में मुकाबला जो भारतीय खिलाड़ियों के बीच था जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त तेजल साल्वे ने पहली वरीय शानमुखी नागा साई बुड्डे को 146-144 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष कम्पाउंड टीम को तीसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान ने 231-235 से हरा दिया।महिलाओं की कम्पाउंड टीम 232-232 से बराबरी पर रहने के बाद निचली रैंकिंग वाली मलेशिया से शूट-ऑफ में हार गई। शानमुखी और दलाल की मिश्रित कंपाउंड टीम को कजाकिस्तान से शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा।

खबर संक्षेप

इंग्लैंड में सफल हो सकता है जायसवाल : रहाणे

मुंबई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे का मानना है कि इंग्लैंड दौरे पर यशस्वी जायसवाल अच्छा प्रदर्शन करेंगे क्योंकि वह सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाने में सक्षम हैं। रहाणे ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मैं यशस्वी जायसवाल को अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि इंग्लैंड में पारी का आगाज करना वास्तव में महत्वपूर्ण होता है। उसके पास अच्छा कौशल है। वह एक छोर पर विकेट बचाकर रख सकता है और जरूरत पड़ने पर आक्रामक बल्लेबाजी भी कर सकता है। इसलिए मैं इंग्लैंड में जायसवाल का प्रदर्शन देखने के लिए वाकई उत्सुक हूं।'

जीत के साथ विदा लेना चाहेंगी भारतीय टीमें

एंटवर्प। एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में लगातार छह हार के बाद अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने का सपना टूट ही चुका है। भारतीय हॉकी टीम अब बेल्जियम के खिलाफ बाकी दो मैचों में जीत दर्ज करके प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश में होगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार और रविवार को दुनिया की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम से आखिरी दो मैच खेलेगी। भारतीय महिला टीम को भी लंदन में लगातार चार मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा है। महिला टीम भी शनिवार और रविवार को बेल्जियम से खेलेगी।

भारत को भारी पड़ेगी अनुभवहीनता : हेडन

लीड्स। अपने जमाने के दिग्गज क्रिकेटर मैथ्यू हेडन और ग्रीम स्मिथ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के हाल में संन्यास लेने से भारतीय टीम काफी अनुभवहीन हो गई है। उसे इंग्लैंड की तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल पिचों पर संघर्ष करना पड़ेगा। हेडन ने आईसीसी से कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को वास्तव में संघर्ष करना पड़ेगा। शुभमन गिल युवा कप्तान हैं, जो पूरी तरह से प्रतिकूल माहौल तथा तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल और उछाल वाली परिस्थितियों में खेल रहे हैं। यह एक वास्तविक चुनौती होगी।

भोपाल और बुंदेलखंड के बीच पहले मैच में बारिश का खलल, जल्द ही दोबारा होगा

ग्वालियर में एमपी महिला क्रिकेट लीग शुरू हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मप्र महिला क्रिकेट लीग 2025 के पहले संस्करण का उद्घाटन गुरुवार को ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में हुआ। पहला मैच बुंदेलखंड बुल्स वीमिन और भोपाल वुल्व्स वीमिन के बीच पहला मैच खेला गया। बारिश के कारण खेल में बाधा आने से पहले रोमांचक शुरुआत हुई। बुंदेलखंड बुल्स ने अपनी पारी में 109/8 रन बनाए, जिसमें प्रियंका कौशल ने चार विकेट चटकाए। जवाब में भोपाल वॉल्व्स ने 25/1 रन बनाए. लेकिन, इसी स्कोर पर बारिश की वजह से खेल को रोकना पड़ा। बारिश के कारण पहला मैच रद्द हो गया, जिसे दोबारा खेला जाएगा। तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी। वहीं, 21 जून को चंबल घड़ियाल और भोपाल वुल्व्स के बीच मुकाबला होगा।

जबलपुर रॉयल्स लॉयन ने रीवा जगुआर्स को हराया

वहीं, दूसरा मुकाबला जबलपुर रॉयल्स लॉयन और रीवा जगुआर्स के बीच हुआ। इस मैच के जबलपुर रॉयल्स ने 21 रन से जीत लिया। इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए जबलपुर रॉयल्स ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाए। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरे रीवा जगुआर्स की टीम पूरे 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 164 रन ही बना सकी और यह मुकाबला हार गई। मैन ऑफ द मैच पंकज पटेल चुने गए। उन्हें आईसेक्ट ग्रुप समूह के रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे ने 'स्किलफुल प्लेयर मैन ऑफ द मैच' से सम्मानित किया। वहीं दिन के पहले महिला टीम के मुकाबले में अनूप चौबे, स्टेट कोआर्डिनेटर ग्वालियर संभाग ने मैन आफ द मैच दिया। यह मुकाबला बुंदेलखंड बुल्स और चंबल घड़ियाल के मध्य खेला गया।

मोरक्को राइजिंग स्टार्स गोल्फ में 13वें स्थान पर संधू

मराकेश। भारत के अजितेष संधू मोरक्को राइजिंग स्टार्स गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दिन बोगीरहित प्रदर्शन करके चार अंडर 68 के स्कोर के साथ संयुक्त 13वें स्थान पर हैं। संधू ने पहले नौ होल में सिर्फ एक बर्डी लगाया लेकिन इसके बाद चार बर्डी लगाए। भारत के आठ गोल्फर इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं जिनमे से करणदीप कोचर संयुक्त 26वें, खालिन जोशी संयुक्त 32वें और अर्जुन शर्मा संयुक्त 63वें स्थान पर हैं। राहिल गंगजी संयुक्त 78वें, एस चिक्कारंगप्पा और अमन राज संयुक्त 93वें और पुखराज सिंह गिल संयुक्त 106वें स्थान पर हैं। पहले दौर के बाद थाईलैंड के वारान्यु रत्तनाफिबूंकिज ने बढ़त बना ली है।

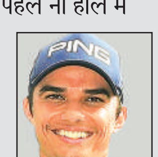

मेसी का जादू, फ्री किक पर गोल से जीता इंटर मियामी

एजेंसी ▶▶| अटलांटा

स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया। इससे इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन पोर्टो पर 2-1 से जीत हासिल की। इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद अर्जेंटीना के 37 वर्ष के खिलाड़ी मेसी का जादू देखने को मिला। उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर से यह साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे महानतम खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है। इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू से ही पेनल्टी किक मिली जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला। इन दोनों टीमों ने ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित बराबर खेला था।

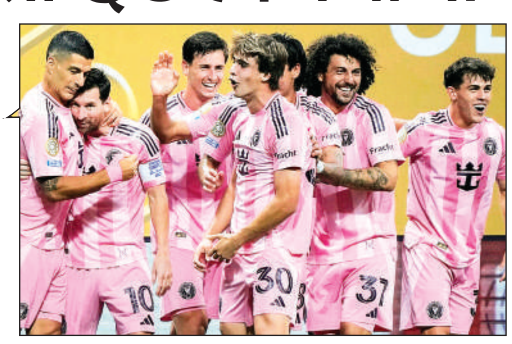

बोटाफोगो ने यूरोपीय चैंपियन पीएसजी को हराया

पासाडेना। बोटाफोगो ने क्लब विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के अपने दूसरे मैच में चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट जर्मेन को 1-0 से हराकर उलटफेर किया। पीएसजी की टीम पहली बार चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने के बाद उत्साह से भरी थी और उसने क्लब विश्व कप के अपने पहले मैच में यूरोपीय प्रतिद्वंदी एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से पराजित करके अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। लेकिन गुरुवार की रात को खेले गए मैच में दक्षिण अमेरिकी चैंपियन बोटाफोगो के सामने उसकी एक नहीं चली। बोटाफोगो की तरफ से इगोर जीसस ने 36वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

बैरियोस ने दागे दो गोल, जीता एटलेटिको

सिएटल। पाब्लो बैरियोस के दो गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में सिएटल साउंडर्स को 3-1 से हरा दिया। बैरियोस ने गिउलिआनो सिमेओन की मदद से 11वें मिनट में एटलेटिको मैड्रिड का खाता खोला। यूरोप की टीम ने दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में बढ़त को 2-0 कर दिया, जब स्थानापन्न खिलाड़ी एक्सल विटसेल ने 47वें मिनट में रॉबिन ले नॉर्मंड की मदद से गोल किया। अल्बर्ट रुस्नक ने 50वें मिनट में सिएटल की तरफ से एकमात्र गोल किया, लेकिन बैरियोस ने 55वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके एटलेटिको मैड्रिड को दो गोल की बढ़त दिला दी। उसने मैच के आखिर तक अपनी इस बढ़त को बरकरार रखकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की।

लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की टीम से बाहर स्मिथ भी नहीं खेल पाएंगे पहला टेस्ट

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टेस्ट टीम से बाहर कर दिया है। स्टीव स्मिथ भी चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले सप्ताह से होने वाली श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा कि स्मिथ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि पिछले सप्ताहांत लॉर्ड्स में दक्षिण अफ़्रीका के खिलाफ़ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में उन्हें उंगली में चोट लगी थी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि किशोर सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंगलिस को स्मिथ और मार्नस लाबुशेन की जगह टीम में शामिल किया गया है।

भारत ने जीते 5 स्वर्ण पदक...

नई दिल्ली। वियतनाम के वूंग ताऊ में आयोजित अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में शुक्रवार को भारत ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन पांच स्वर्ण और एक रजत पदक पर कब्जा जमाया।

बांग्लादेश मजबूत, श्रीलंका पर बनाई 187 रन की बड़ी बढ़त

एजेंसी ▶▶| गॉल

श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन शुक्रवार को बांग्लादेश ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 177 रन बनाकर कुल 187 रन की बढ़त बना ली। बांग्लादेश के पास अभी सात विकेट बाकी हैं और टूटती पिच पर उसके लिए चुनौती उतनी कठिन नहीं होगी। बांग्लादेश की नजरें विदेशी सरजमीं पर मुश्किल से मिलने वाली टेस्ट जीत के जरिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अहम अंक जुटाने पर लगी होंगी।पहली पारी में महज 10 रन की बढ़त लेने के बाद बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने सकारात्मक प्रदर्शन करके श्रीलंकाई गेंदबाजों पर दबाव बनाया। शादमान इस्लाम ने 76 रन बनाए और तीसरे विकेट के लिए कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के साथ 68 रन की साझेदारी की। इससे पहले छह विकेट पर 470 रन से आगे खेलते हुए श्रीलंकाई टीम पहली पारी में 485 रन पर आउट हो गई। आफ स्पिनर नईम हसन ने पांच विकेट चटकाए।

बिहार सरकार

समाहरणालय, अरवल
(मद्यनिषेध एवं उत्पाद शाखा)
बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम–2016 (यथा संशोधित) के तहत राजसात किये गये वाहनों की अल्पकालीन
आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बिहार राज्य में पूर्ण शराबबंदी के उपरांत वैसे वाहन जिन्हें मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम–2016 (यथा संशोधित) में विहित प्रावधानों के तहत अरवल जिला अन्तर्गत मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग तथा विभिन्न पुलिस थानों द्वारा जप्त एवं समाहर्त्ता–सह–जिला दण्डाधिकारी, अरवल के द्वारा अधिहरित किया गया है, उनकी सार्वजनिक नीलामी किया जाना है। जिन वाहन स्वामी के नाम/पता की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्हें रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित किया गया है। पुनः उन वाहन स्वामी एवं वैसे वाहन जिनके स्वामित्व का पता नहीं चल सका। उनकों अंतिम सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित की जा रही है। जो नीलामी की तिथि 30.06.2025 से पूर्व स्वंय उपस्थित होकर विधि शाखा, अरवल/अधीक्षक मद्यनिषेध, अरवल में वाहन विमुक्ति हेतु आवेदन समर्पित कर सकते है। अन्यथा वाहन स्वामी तय निर्धारित तिथि तक वाहन विमुक्ति हेतु आवेदन समर्पित नहीं करते है तो जिला में गठित नीलामी समिति द्वारा निम्न सारणी के अनुसार वाहनों की नियमानुसार नीलामी कर दी जाएगी, जो निम्न प्रकार है :–

क्र0	अधिहरण वाद संख्या	अधिहरण आदेश का ज्ञापांक/दिनांक	थाना कांड संख्या/दिनांक	वाहन का प्रकार	वाहन का निबंधन संख्या	चेचिस नं0	वाहन का निर्माण वर्ष	वाहन स्वामी का नाम/पता	अभियुक्ति
01	56/24	536/ विधि दिनांक–14.12.24	उत्पाद थाना 08/24 08.01.2024	टाटा कम्पनी का डी0सी0एम0 ट्रक	MP13GA-6721	MAT457059 H7B01782	2017	राकेश, पिता–गोरू लाल, पता–105/2 यादव मोहल्ला, ग्राम–धोंसला टेह, महदीपुर उज्जैन, मध्य प्रदेश–456550	
02	47/23	83/विधि दिनांक 02.09.23	मेहन्दिया 25/23 30.01.23	आईसर डी0सी0एम0 ट्रक	MP04GB-6830	PRO2014X PSL CABSHSDE WBS63	2022	-	

उक्त आम सूचना मध्यप्रदेश राज्य के स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की कृपा की जाए।
उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

समाहर्त्ता–सह–
जिला दण्डाधिकारी, अरवल

PR- 006464 (Excise) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेन्टर में प्रोफेशनल मीट का हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री मोदी ने हर कार्य के लिए दुनिया की तरफ देखने की आदत को बदला है: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यों से दुनिया को बता दिया कि भारत अपने मूल स्वभाव से समझौता नहीं करता। प्रधानमंत्री भय मुक्त भारत बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारत को हर कार्य के लिए दुनिया की तरफ देखने की आदत को बदला है। अब भारत रक्षा उपकरणों सहित हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन को घर में घुसकर मारकर दुनिया में भारत का डंका बजाया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही।

राजधानी स्थित कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेटशन सेन्टर में शुक्रवार को प्रोफेशनल मीट का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपकर प्रोफेशनल मीट को संबोधित किया। प्रोफेशनल मीट को पार्टी की प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार एवं जिला अध्यक्ष रवीन्द्र यति ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान मंच पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह यादव, महापौर मालती राय, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र शर्मा, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

भय मुक्त भारत बनाने का प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बहुत तेजी से हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। पहले देश हर कार्य के लिए विदेशों की तरफ ताकता था, लेकिन प्रधानमंत्री स्वदेशी को बढ़ावा देकर 'मेड इन इंडिया' के तहत रक्षा उपकरणों सहित हर क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। भय मुक्त भारत बनाने के लिए भी कार्य कर रहे हैं। विश्व में दो ही देश ऐसे हैं, जो अपनी तरफ आने वाले हर खतरे को भांपकर उसे समय से पहले ही नष्ट करने का कार्य करते हैं। भारत भी इसी तरह कार्य कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर सहित कई मौकों पर प्रधानमंत्री ने अपने कार्यों से स्पष्ट कर दिया कि भारत का स्वर्णिम काल चल रहा है और भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

2014 से पहले भ्रष्टाचार चरम पर था

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 2014 से पहले भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार और परिवारवाद चरम पर था। प्रधानमंत्री राजनीति से भ्रष्टाचार और परिवारवाद को समाप्त कर रहे हैं। पहले दुनिया के लोग भारत को कमजोर और गरीब देश के रूप में देखते थे। आज विश्व भर के देशों का भारत के प्रति नजरिया बदला है। प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं को खुली छूट दी, सेनाओं को सशक्त किया। देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ वर्ष 2047 तक देश को विकसित और विश्वगुरू बनाने की दिशा में तेजी से आगे ले जा रहे हैं। पहले देश में टुकड़े-टुकड़े गैंग बहुत सक्रिय था। अलगाववाद, नक्सलवाद और आतंकवाद की गतिविधियां होती रहती थी, लेकिन प्रधानमंत्री के कार्यों और नीतियों से नक्सलवाद और आतंकवाद को लगभग समाप्त कर दिया है।

प्रधानमंत्री सभी वर्गों के कल्याण के साथ सशक्त भारत बना रहे हैं: शर्मा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के कार्यों को पूरा करने में आप सभी प्रोफेशनल्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में प्रोफेशनल्स का असली इंपावरमेंट किया गया है। प्रधानमंत्री ने देश के सभी वर्गों के कल्याण के साथ देश को सशक्त बनाने का कार्य किया है। चुनौतियों का समाधान निकालकर देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गति शक्ति के माध्यम से इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांति लाने के साथ कई परिवर्तनकारी कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि एक समय था जब बुंदेलखंड सूखे से प्रभावित था। वर्षों तक मध्यप्रदेश और देश में शासन करने वाली पार्टी ने बुंदेलखंड के सूखे को समाप्त करने के लिए कोई कार्य नहीं किया। लेकिन विजनरी लीडर नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री का पद संभाला तो उन्होंने पूरे देश के लोगों को नल से जल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन लागू किया। प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनने के लिए कार्य कर रहे हैं। दुनिया भर में एक परसेप्शन बन गया था कि भारत में भ्रष्टाचार होता है। प्रधानमंत्री ने देश को लेकर बने इस परसेप्शन को पूरी तरह से बदलने का कार्य किया है।

समरधा में प्रकाश होटल के सामने कंटेनर ने बाइक सवार महिला को कुचला, मौत

▶ मां की मौत, बेटा घायल, कंटेनर छोड़कर भागा ड्राइवर, पुलिस ने जब्त किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित समरधा के पास शुक्रवार दोपहर कंटेनर ने बाइक सवार मां-बेटे की बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर पीछे बैठी मां उछलकर सड़क पर गिरी थी। सड़क पर गिरते ही कंटेनर उन्हें कुचलता हुआ आगे बढ़ गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटे को मामूली चोट है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस कंटेनर जब्त कर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार कृष्णा बाई लोधी पति पूरन सिंह लोधी (55) गांव उधर कोटरा, जिला विदिशा में रहती थी। शुक्रवार दोपहर कृष्णा बाई अपने बेटे जितेंद्र लोधी के साथ बाइक से भोपाल आ रही थी। दोपहर करीब साढ़े 3 बजे के आसपास मां-बेटा प्रकाश होटल के सामने समरधा पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रहे कंटेनर के चालक ने तेजी और लापरवाही से कंटेनर चलाते हुए जितेंद्र की बाइक को टक्कर मार दी। पीछे से टक्कर लगने के कारण जितेंद्र और कृष्णा बाई सड़क पर गिर गए। जितेंद्र सड़क पर बांई ओर गिरा था, जबकि दाहिनी तरफ मां कृष्णा बाई गिरी थी। दाहिनी तरफ गिरने के कारण कंटेनर का पहिया कृष्णाबाई के शरीर से होता हुआ निकल गया। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

कुछ दूरी पर दूसरी बाइक पर थे रिश्तेदार

हादसे के समय जितेंद्र की बाइक से कुछ दूरी पर मौसेरे भाई सचेंद्र लोधी की बाइक थी। हादसा सचेंद्र और उसकी पत्नी के सामने हादसा हुआ। सचेंद्र ने बताया कि वह मंडीदीप की दावत फैक्ट्री में गार्ड की नौकरी करता है। मौसी कृष्णा बाई दो दिन पहले ही मंडीदीप आई थी। शुक्रवार को उन्हें विदिशा लौटना था। उन्होंने कहा था कि भोपाल घुमा दो। सचेंद्र अपनी पत्नी के साथ भोपाल तक मौसी को छोड़ने आया था। भोपाल मौसी को घुमाने के बाद मौसी और जितेंद्र विदिशा चले जाते। मौसी और जितेंद्र दूसरी बाइक पर थे। मेरी और जितेंद्र की बाइक के बीच महज दस मीटर का फासला था। मेरी आंखों के सामने कंटेनर ने जितेंद्र की बाइक को टक्कर मारी और मौसी को कुचलता हुआ आगे बढ़ गया।

रीज़नल इंडस्ट्री, स्किल एंड इम्प्लॉइमेंट राईज कॉन्क्लेव 27 को

▶ निवेश, उद्यमिता और कौशल विकास का नया अध्याय होगा प्रारंभ

▶ कॉन्क्लेव से रोजगार युक्त-निवेश युक्त राज्य बनाने में मदद मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रतलाम में 27 जून को रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड इम्प्लॉइमेंट राईज कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन होगा। इस कॉन्क्लेव में औद्योगिक विकास, एमएसएमई के लिए नीति संवाद, प्रमुख निवेशकों से चर्चा और रोजगार सृजन की रणनीतियों पर गहन विमर्श होगा। राइज कॉन्क्लेव मध्यप्रदेश को रोजगार युक्त, निवेश युक्त राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर सबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन के अनुरूप यह कॉन्क्लेव युवाओं को स्वरोजगार एवं कौशल विकास के जरिए आत्मनिर्भर बनाने, क्षेत्रीय निवेश आकर्षित करने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को साकार करेगा।

प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। प्रदर्शनी में राज्य की रोजगार योजनाओं में लाभान्वित हुए प्रेरणादायक कहानियों को प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों को ऋण सहायता, ऑफर लेटर वितरण करेंगे। कान्क्लेव में ओएनडीसी और एनपीसीआई के साथ एमओयू एक्सचेंज और स्वरोजगार की सफलताओं पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया जाएगा। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप भी शामिल होंगे।

महिलाओं और बच्चों का बेहतर स्वास्थ्य सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता: सीएम

▶ यूनिसेफ इंडिया की प्रमुख सिंथिया मैककैफ्रे ने की मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सौजन्य भेंट

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम इनके स्वास्थ्य एवं पोषण सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। सरकार के प्रयासों से बदलाव अब नजर आ रहे हैं। बाल पोषण सुधार के लिए मध्यप्रदेश में मिशन मोड पर प्रयास हो रहे हैं। डॉ यादव शुक्रवार को यूनिसेफ इंडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। यूनिसेफ इंडिया की प्रमुख सिंथिया मैककैफ्रे ने मुख्यमंत्री निवास में उनसे सौजन्य भेंट की।

बाल पोषण सुधार योजनाओं का पहुंच रहा लाभ

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि राज्य सरकार अपने बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति बेहद सजग और प्रतिबद्ध है। सरकार की बाल पोषण सुधार योजनाओं का लाभ हर सुपात्र बच्चे तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सबको सरकार की योजनाओं का लाभ मिले, यह हर स्तर पर तय किया जा रहा है। डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश में बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए और अधिक प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री को सौंपी स्थानिक योजनाएं

यूनिसेफ इंडिया की प्रमुख सिंथिया मैककैफ्रे ने यूनिसेफ के सहयोग से स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के छात्रों द्वारा विकसित स्थानिक योजनाएं भी मुख्यमंत्री डॉ यादव को सौंपीं। सौजन्य भेंट के दौरान सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ सुदाम खाड़े, यूनिसेफ मध्यप्रदेश (एआई) के प्रमुख अनिल गुलाटी, पोषण विशेषज्ञ पुष्पा अवस्थी और पोषण अधिकारी डॉ सुरेश परमार भी मौजूद थे। भेंट के दौरान यूनिसेफ प्रतिनिधियों ने प्रदेश में बच्चों के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं बाल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं एवं नवाचारों पर आत्मीय चर्चा की और मध्यप्रदेश में महिला एवं बाल पोषण सुधार के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों को सराहा।

ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल में अरुण यादव और हिना कांवरे शामिल

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल का गठन किया है। इसका उद्देश्य ओबीसी नेताओं को प्राथमिकता देना और ओबीसी समुदाय के हितों की रक्षा करना है। मध्यप्रदेश से इस काउंसिल में दो कांग्रेस नेताओं को शामिल किया गया है जिसमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव और विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष हिना कांवरे शामिल है। ये दोनों नेता ओबीसी मुददे पर काम कर अपनी पहचान बना चुके हैं। ओबीसी काउंसिल में शामिल होकर दोनों नेता अपनी भूमिका को और प्रभावी बना सकेंगे।

'8वां राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह' कल, पूर्व सीएम उमा भारती होंगी शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

'आठवां राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं मार्गदर्शन समारोह' कल रवीन्द्र भवन में आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन अखिल भारतीय लोधी, लोध, लोधा अधिकारी कर्मचारी संघ, लोधी महासभा तथा अन्य सहयोगी संगठनों के माध्यम से किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष आरएस लोधी ने बताया कि समारोह में देश भर से 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 500 से अधिक विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा।

▶ देशभर के 500 बच्चों का किया जाएगा सम्मान

वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में होगी राष्ट्रीय कार्यशाला

मुख्यमंत्री आज डोंगला में अत्याधुनिक तारामंडल का करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन के डोंगला में आज शनिवार को अत्याधुनिक तारा मंडल का लोकार्पण करेंगे। वे खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ भी करेंगे। कार्यशाला में देश के वैज्ञानिक और शिक्षाविद शामिल होंगे। आचार्य वराहमिहिर न्यास की ओर से अवादा फाउंडेशन के आर्थिक सहयोग एवं डीप स्काई प्लेनेटेरियम, कोलकाता के तकनीकी सहयोग से आचार्य वराहमिहिर न्यास ने ग्राम डोंगला में अत्याधुनिक डिजीटल तारामंडल की स्थापना की गई हैं। इस तारामण्डल में 8 मीटर व्यास के एफआरपी डोम में ई-विजन 4 के डिजीटल प्रोजेक्टर एवं डिजिटल साउंड सिस्टम लगाया गया हैं। इस वातानुकूलित गोलाकार तारामंडल में 55 लोग एक साथ बैठकर रोमांचक अनुभव एवं आनन्द ले सकेंगे। इस तारामंडल की लागत लगभग 1.6 करोड़ रुपए हैं।

शंकु यंत्र से शून्य छाया का अवलोकन

सीएम पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर वेधशाला में शंकु यंत्र के माध्यम से शून्य छाया अवलोकन करेंगे। साथ ही आचार्य वराहमिहिर न्यास एवं अवादा फाउंडेशन से निर्मित अत्याधुनिक तारामंडल का लोकार्पण भी करेंगे। इस दौरान तारामंडल-शो का प्रदर्शन भी किया जाएगा। कार्यशाला भारतीय खगोलशास्त्र की परंपरा और उसकी वैज्ञानिक प्रासंगिकता पर केंद्रित होगी। विशेषज्ञ भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक विज्ञान के समन्वय पर विस्तृत विचार-विमर्श करेंगे। कार्यशाला में खगोल विज्ञान के साथ-साथ भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने पर विचार किया जाएगा। कार्यशाला का आयोजन मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल, विज्ञान भारती, आचार्य वराहमिहिर न्यास उज्जैन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, विक्रम विवि उज्जैन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल एवं वीर भारत न्यास के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

डोंगला से गुजरती है कर्क रेखा

उज्जैन जिले के महिदपुर तहसील स्थित ऐतिहासिक ग्राम डोंगला से कर्क रेखा गुजरती है। प्राचीन काल से ही खगोल और ज्योतिष विज्ञान की दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। भारत की गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2013 में मध्यप्रदेश शासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा ग्राम डोंगला में वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला की स्थापना की गई। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की परिकल्पना, भूमि चयन से लेकर निर्माण तक की प्रक्रिया में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विशेष योगदान रहा है। इस वेधशाला की स्थापना में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए), बैंगलोर और आर्यभट्ट प्रशिक्षण विज्ञान शोध संस्थान, नैनीताल का तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930